अधिकतम : 28° C
न्यूनतम : 25° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, मंगलवार 29 जुलाई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 356 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com श्रावण शुक्ल पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 3 सफर 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

यूपी में सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बने योगी

पेज 2

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

खेल टाइम्स

संवादहीन संसद में सहमा लोकतंत्र और सत्ता का एकालाप

सम्पादकीय

मोहम्मद यूनुस ने भारतीय डाक्टरों को दिया धन्यवाद

पेज 12

राज्यसभा में गतिरोध जारी, कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर राज्यसभा में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध सोमवार को भी दूर नहीं हो सका और विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही पहले बारह बजे , फिर दो बजे और अंतत: दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी। मानसून सत्र का पहला सप्ताह विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे सप्ताह के पहले दिन भी कोई विधाई कामकाज नहीं हो सका। पहले सप्ताह में केवल एक विधेयक विपक्ष की अनुपस्थिति में पारित हो सका था। बारह बजे के स्थगन के बाद दो बजे जब सदन की कार्यवाही पुन: शुरू हुई तो पीठासीन उप सभापति भुवनेश्वर कलिता ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल पटेल को समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक 2025 पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में कांग्रेस के वक्ताओं में थरूर का नाम शामिल नहीं

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपनी पार्टी से अलग-थलग नज़र आ रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक श्री थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कांग्रेस को साफ-साफ कह दिया है कि वह इस मसले पर वही बात कहेंगे, जो कहते आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेतृत्व ने थरूर से बहस में शामिल होने के लिए कहा था जिस पर उन्होंने कहा कि वह ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की आलोचना करने वाली पार्टी लाइन का पालन नहीं कर सकते। उनसे जब संसद परिसर में पत्रकारों ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल किया, तो उन्होंने इस पर कोई जवाब देने की बजाय सिर्फ कहा 'मौन व्रत'।

राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट, आठ जिलों में स्कूल बंद

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर राजस्थान में एक्टिव है। इसके चलते मौसम विभाग ने राजस्थान के 14 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ 8 जिलों झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, बारां, डूंगरपुर, धौलपुर और अजमेर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। बिहार के पटना में रविवार पूरी रात हुई बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। पटना जंक्शन पर रेल ट्रैक डूब गया है।

उपग्रह निसार का प्रक्षेपण कल

चेन्नई। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' और 'इसरो' का 'सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह' 30 जुलाई को भारतीय समयानुसार शाम 5:40 बजे प्रक्षेपित किया जाएगा। 2,400 किग्रा वज़न के इस उपग्रह को इसरो के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल-एफ 16 (जीएसएलवी-एफ16) की मदद से आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

IIT खड़गपुर में चार छात्रों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

शाह टाइम्स ब्यूरो

- शीर्ष अदालत ने स्वत: संज्ञान लेते हुए किया सवाल
- क्या गड़बड़ है? छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में खड़गपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में गत जनवरी से चार विद्यार्थियों की कथित आत्महत्या के मामले में सोमवार को गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल किया कि क्या गड़बड़ है? छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? इस साल जनवरी से आईआईटी खड़गपुर परिसर में यह चौथा ऐसा मामला था।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की आत्महत्या से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए ये उन संस्थानों से पूछा कि क्या उन्होंने इस गंभीर मुद्दे पर विचार किया है? आईआईटी खड़गपुर की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि इस मामले में 10 सदस्यीय समिति और एक परामर्श केंद्र का गठन किया गया है। इस तरह से वह मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे छात्रों की पहचान कर रहे हैं। एक फ़ोन नंबर दिया गया है जिस पर कभी भी कॉल कर मदद ली जा सकती है। पीठ के समक्ष आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय के वकीलों ने बताया कि दोनों घटनाओं के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इन तथ्यों से अवगत होने के बाद अदालत ने कहा कि वह आगे कोई टिप्पणी नहीं करेगी और स्पष्ट किया कि मामले में जांच जारी रह सकती है। पीठ ने कहा कि हमें सूचित किया गया है कि जहां तक शारदा विश्वविद्यालय में हुई घटना का सवाल है, मृतक के पिता की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच जारी है। इसे कानून के अनुसार आगे बढ़ने दें।

बिहार की मतदाता सूची प्रारूप के प्रकाशन पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद आगामी एक अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप को प्रकाशित करने से रोकने से इन्कार कर दिया और साथ ही यह भी कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया में यदि कोई वैधता संबंधी कोई खामी पाई जाती है, तो वह उसे रद्द कर सकती है। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस संबंध में आदेश पारित किया। पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि वैधता संबंधी कोई उल्लंघन पाया गया, तो अदालत पूरी प्रक्रिया को रद्द कर सकती है।

हापुड़ में गैंगस्टर डबलू यादव ढेर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हापुड़। उप्र पुलिस की एसटीएफ ने हापुड़ जिले के सिंभावली इलाके में एक सशस्त्र मुठभेड़ में मोस्ट वांटेड गैंगस्टर डबलू यादव को मार गिराया।

एसटीएफ की नोएडा इकाई ने बिहार पुलिस और हापुड़ पुलिस के सहयोग से सोमवार तड़के इस मुठभेड़ को अंजाम तक पहुंचाया। बिहार के बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल निवासी डबलू यादव को मुठभेड़ के दौरान सीने में गोली लगी। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यादव एक कुख्यात अपराधी था और बिहार में एक चर्चित हत्याकांड सहित कई गंभीर मामलों का मुख्य आरोपी था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था।

राजनाथ का दावा: किसी दबाव में नहीं रुका 'ऑपरेशन सिंदूर'

कहा: परीक्षा में पेंसिल के टूटने की चिंता नहीं, बल्कि परीक्षाफल पर फोकस जरूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को किसी के दबाव में रोकने के विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि इस ऑपरेशन के सभी लक्ष्य तय समय में हासिल कर लिए गए थे और इसे किसी के दबाव में नहीं रोका गया।

श्री सिंह ने सोमवार को सदन में 'पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दुनिया ने देखा और हम इससे पीछे हटने वाले नहीं हैं। ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सफल रहा और सेनाओं ने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। उन्होंने कहा कि हमने किसी के दबाव में आकर इसे नहीं रोका, बल्कि हमने दुश्मन के हर मंसूबे पर पानी फेरा है। हमारा मकसद युद्ध छेड़ना नहीं, बल्कि हमें आतंकवादियों के ढांचों को नेस्तनाबूद -शेष पृष्ठ दो पर

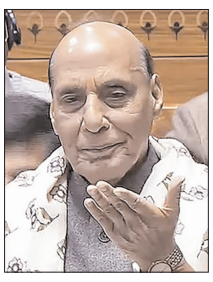

- ऑपरेशन के सभी लक्ष्य तय समय से कर लिए गए थे हासिल

लोकसभा में जयशंकर की दो टूक

22 अप्रैल से 17 जून तक पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच कोई बातचीत नहीं हुई

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम के बाद भारत का रुख आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस), आत्मरक्षा का अधिकार का है। विदेश मंत्री ने लोकसभा में बोलते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की कूटनीतिक रणनीति का जिक्र किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर तथ्य रखे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी ने मध्यस्थता नहीं की।

पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सभी तथ्य सामने लाएं: विपक्ष

नई दिल्ली। विपक्ष ने लोकसभा में सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर पर शुरू हुई चर्चा के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सभी तथ्यों को सदन में रखे जाने की मांग की। कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार को पहलगाम हमले को लेकर पूरी सच्चाई देश के सामने लानी चाहिए और कांग्रेस सच्चाई के साथ है, लोकतंत्र के साथ है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित तभी तथ्य संसद में रखे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान के साथ युद्ध में रफाल लड़ाकू विमान गिरे हैं, तो सरकार को इसकी जानकारी देश को देनी चाहिए। ये अरबों रुपये की कीमत के विमान हैं और भारत के पास सिर्फ 35 रफाल विमान हैं, ऐसे में इनकी जानकारी दिया जाना बहुत जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने चर्चा में शामिल होते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय सिर्फ सैन्य बलों को मिलेगा, इसकी सफलता का श्रेय कोई और नहीं ले सकता।

जस्टिस वर्मा से सुप्रीम कोर्ट में सवाल-जवाब शुरू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नकदी बरामद होने के आरोपों का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से सोमवार को पूछा कि संबंधित न्यायिक आंतरिक जांच समिति द्वारा अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का इंतज़ार क्यों किया?

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके अधिवक्ता से पूछा कि उन्होंने आंतरिक जांच समिति के गठन की वैधता को चुनौती क्यों नहीं दी और अगर यह संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत था, तो उन्होंने इसके अधिकार क्षेत्र को क्यों स्वीकार किया। पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से सवाल किया कि जब समिति गठित की गई थी तब आपने चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंतज़ार क्यों किया?

- पूछा: आंतरिक जांच समिति के गठन की वैधता को चुनौती क्यों नहीं दी
- अगली सुनवाई कल

न्यायाधीश पहले भी इन कार्यवाहियों में शामिल होने से बचते रहे हैं। पीठ ने उनसे पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि आंतरिक जांच रिपोर्ट केवल एक तथ्य-खोज दस्तावेज़ है, न कि साक्ष्य और वह इससे कैसे असंतुष्ट हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत जांच में मुद्दे की पड़ताल करने और शपथ के तहत साक्ष्य लेने की व्यापक शक्तियां हैं। अदालत ने यह भी बताया कि शीर्ष न्यायालय के निर्णयों ने आंतरिक प्रक्रिया की पवित्रता को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई बुधवार को करेगी।

मप्र के मंत्री विजय शाह की नीयत पर कोर्ट को संदेह

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई है।

कारण है कि उन्होंने भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और अब तक उसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी। कोर्ट ने कहा कि मंत्री विजय शाह का व्यवहार संदेह पैदा करता है कि क्या उन्होंने जानबूझकर यह टिप्पणी की थी और अब माफी न मांगकर अपनी गलती नहीं मान रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे मंत्री की नीयत और ईमानदारी पर सवाल उठते हैं। जांच कर रही एसआईटी को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि वह 13 अगस्त तक जांच पूरी करे।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 13 अगस्त तक जांच रिपोर्ट दे एसआईटी

CBI ने महुआ के खिलाफ लोकपाल को जांच रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की कैश फॉर क्वेरी मामले में एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआई ने उनके खिलाफ लोकपाल को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट के आधार पर लोकपाल तय करेगा कि टीएमसी सांसद पर आगे क्या कार्रवाई करनी है। महुआ पर उनके पूर्व प्रेमी और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई ने 14 अक्टूबर, 2023 को संसद में सवाल पूछने के बदले घूस लेने के आरोप में सीबीआई में केस दर्ज कराया था।

कुत्तों के काटने से मौत पर शीर्ष अदालत ने लिया स्वत: संज्ञान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कुत्तों के काटने से छह साल की एक बच्ची की असामयिक मृत्यु से संबंधित मीडिया रिपोर्ट का सोमवार को 'स्वत: संज्ञान' लिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने शीर्ष अदालत रजिस्ट्री से कहा कि वह इस मामले को जनहित में स्वत: संज्ञान याचिका के रूप में दर्ज करें।

पीठ ने कहा कि इस आदेश को उचित आदेश के लिए समाचार रिपोर्ट के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाए। पीठ ने इस मीडिया रिपोर्ट को 'बेहद परेशान करने वाला और चिंताजनक' बताते हुए कहा कि शहर और उसके बाहरी इलाकों में हर दिन सैकड़ों कुत्तों के काटने की खबरें आ रही हैं। कुत्तों के काटने से रेबीज हो रहा है। आमतौर पर बच्चे और बुजुर्ग इसके शिकार हो रहे हैं। कुत्तों के काटने से संबंधित यह खबर राष्ट्रीय राजधानी की है। कथित तौर पर एक पागल आवारा कुत्ते के काटने से छह साल की बच्ची की मौत हो गई थी। पीठ ने कहा कि इस समाचार में कुछ चिंताजनक और विचलित करने वाले आंकड़े और तथ्य हैं। शीर्ष न्यायालय ने गत 15 जुलाई को नोएडा में सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक अलग याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से पूछा था कि आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं खिलाते?

- शहर और उसके बाहरी इलाकों में हर दिन सैकड़ों कुत्तों के काटने की आ रही खबरें
- मीडिया रिपोर्ट को बेहद परेशान करने वाला और चिंताजनक बताया

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की नई ओबीसी सूची पर रोक लगाने संबंधी हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राज्य में ओबीसी की नई सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने प.बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने कहा कि इस मामले में यथास्थिति बनाए रखना आवश्यक है। पीठ ने यह कहते हुए कि आरक्षण कार्यपालिका की कार्यप्रणाली का एक हिस्सा है।

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड समेत तीन आतंकी मारे गए

श्रीनगर, वार्ता

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के बाहरी इलाके दाचीगाम में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकियों में एक आतंकी पर्यटक स्थल पहलगाम के बैसरन का कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के दाचीगाम इलाके की ओर बढ़ने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। सेना ने इसे 'ऑपरेशन महादेव' नाम दिया था। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। दोनों पक्षों के बीच चली गोलीबारी में तीन आतंकवादी ढेर हो गए। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में से एक लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी आतंकवादी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा है, जो गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले का कथित मास्टरमाइंड था। पहलगाम हमले में एक स्थानीय निवासी और 25 पर्यटक मारे गए थे।

- ऑपरेशन महादेव के दौरान मिली सेना को सफलता

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर राजनीति से ऊपर उठ कर हो चर्चा: माया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सोमवार से शुरू होने वाली चर्चा में सत्ता और विपक्ष दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर सार्थक चर्चा करें तो ही यह देश हित में होगा। सुश्री मायावती ने एक्स पर लिखा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद में आज से शुरू होने वाली चर्चा को, सत्ता व विपक्ष को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लेना चाहिए, ताकि आगे महिलाओं का सिंदूर ना उजड़े तथा मां को भी अपने बेटे गंवाने ना पड़े इस पर सरकार एवं विपक्ष को मिलकर ठोस रणनीति के तहत कार्य करना चाहिए। यही समय की मांग भी है। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एनडीए को घेरने की तैयारी में है।

धार्मिक आजादी के हनन पर चुप नहीं रहेंगे: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में दो ननों के साथ हुआ व्यवहार अत्यंत निंदनीय है और कांग्रेस धार्मिक आजादी के हनन की ऐसी घटनाओं को सहन नहीं करेगी। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों को उनकी आस्था के कारण निशाना बनाकर जेल भेज दिया गया। यह न्याय नहीं बल्कि भाजपा- आरएसएस का गुंडाराज है। यह एक खतरनाक पैटर्न को दर्शाता है और इस शासन में अल्पसंख्यकों का व्यवस्थित उत्पीड़न है। उन्होंने कहा कि यूडीएफ सांसदों ने आज संसद में विरोध प्रदर्शन किया। हम चुप नहीं बैठेंगे। धार्मिक स्वतंत्रता एक संवैधानिक अधिकार है।

विद्युत कर्मचारी के वेश में अराजक तत्व भी शामिल: एके शर्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सोमवार को कहा कि निजीकरण के विरोध करने की आड़ में उनको झुकाने की चाहत लिए विद्युत कर्मचारी नेताओं के वेश में कुछ अराजक तत्व भी शामिल हैं, जिनकी मंशा पूरी होने वाली नहीं हैं।

शर्मा ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा- कुछ विद्युत कर्मचारी नेता काफी दिनों से परेशान घूम रहे हैं, क्योंकि उनके सामने ऊर्जा मंत्री झुकते नहीं हैं। ए वही लोग हैं जिनकी वजह से बिजली विभाग बदनाम हो रहा है। ज्यादातर विद्युत अधिकारियों और कर्मियों के दिन-रात की मेहनत-पुरुषार्थ पर ए लोग पानी फेर रहे हैं। फेसबुक पोस्ट पर यह भी लिखा है- एके शर्मा के तीन वर्ष के कार्यकाल में ए लोग चार बार हड़ताल कर चुके हैं। पहली हड़ताल तो उनके मंत्री बनने के तीन दिन बाद ही होने वाली थी।

अंततः बाहर से प्रेरित हड़ताल पर हड़ताल की इनकी श्रृंखला पर हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। अन्य विभागों में हड़ताल क्यों नहीं हो रही। वहां यूनियन नहीं हैं क्या। वहां समस्या या मुद्दे नहीं हैं क्या। सोशल मीडिया पर शेयर की गई पोस्ट में यह भी कहा गया है कि इन लोगों द्वारा ली गई सुपारी के तहत ही कुछ दिन पहले ये अराजक तत्व ऊर्जा मंत्री के सरकारी निवास पर आकर निजीकरण के विरोध के नाम पर छह घंटे तक अनेक प्रकार की अभद्रता किए और उनके और परिवार के विरुद्ध असभ्य भाषा का प्रयोग किए और एके शर्मा ऐसे हैं कि इन्हें मिठाई खिलाए और पानी पिलाए तथा मिलने के लिए ढाई घंटा प्रतीक्षा किए। शर्मा के कार्यालय की तरफ से कहा गया, जहां तक निजीकरण का प्रश्न है इनसे कोई पूछे कि जब 2010 में टोरेंट कंपनी को निजीकरण करके आगरा दिया गया तब भी तुम लोग यूनियन लीडर थे। कैसे हो गया यह निजीकरण। सुना है वो शांति से इसलिए हो गया कि ये बड़े कर्मचारी नेता लोग हवाई जहाज से विदेश पर्यटन पर चले गए थे।

यूपी में अगले तीन दिन भारी वर्षा के आसार

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उमस भरी गर्मी का सामना कर रहे उत्तर प्रदेश में सोमवार को कई इलाकों में छिटपुट बारिश ने राहत प्रदान की। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का यह सिलसिला कम से कम अगले 48 घंटे तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कम से कम अगले 72 घंटे तक जारी रहने का अनुमान है। इस अवधि में कुछ इलाकों में मध्यम से भारी वर्षा के आसार हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में छिटपुट बारिश हुई। इस दौरान अमेठी, जौनपुर और प्रतापगढ़ में क्रमशः 65, 69.2, 85 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से अधिक है। मौसम वैज्ञानिक डा. एके सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने मानसून अवदाब कमजोर पढ़कर उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान पर कम दबाव के क्षेत्र के रूप में अवस्थित है। जिससे सम्बद्ध चक्रवाती परिसंचरण मध्य क्षोभमंडल तक बना हुआ है। मध्य समुद्र तल पर मानसून श्रीगंगानगर, झुंझुनूं के अलावा निम्नदाब क्षेत्र के केंद्र पन्ना, डाल्टनगंज, पुरुलिया होकर उत्तरी पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

■ सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर में होगी झमाझम

वही मध्य समुद्र तल से 3-1 किमी की ऊंचाई पर उत्तरी पूर्वी अरब सागर से गुजरात, पूर्वी राजस्थान एवं उत्तरी पूर्वी मध्य प्रदेश होते हुए दक्षिणी पूर्वी उत्तर प्रदेश तक है। उन्होंने बताया कि अनुकूल भूभौतिकीय परिस्थितियों के प्रभाव से प्रदेश में आगामी 2 से 3 दिनों तक मानसून की सक्रियता बढ़ने से बादल गरजने, बिजली के चमकने के साथ ही कहीं कहीं पर भारी से बहुत भारी बरसात की संभावना है। जिसमे पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलावा पश्चिमी उत्तरप्रदेश के कुछ जिले शामिल हैं। मौसम विभाग की तरफ से आज जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, प्रतापगढ़, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, आगरा , बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल, बदायूं, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है, जबकि मंगलवार को आगरा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़ प्रथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं में बारिश की संभावना है। वही 30 जुलाई से प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीता. पुर, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

यूपी में पहले सीएम पंडित पंत का आठ वर्ष 127 दिन का रिकॉर्ड तोड़ा

सबसे लंबे कार्यकाल वाले सीएम बने योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए राज्य के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त किया है।

उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोलवद बल्लभ पंत का 8 वर्ष 127 दिन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अब तक 8 वर्ष 4 माह और 10 दिन का प्रभावी कार्यकाल पूरा कर लिया है। इससे पहले मुलायम सिंह यादव छह वर्ष 274 दिन, संपूर्णानंद पांच वर्ष 345 दिन, अखिलेश यादव पांच वर्ष चार दिन और नारायण दत्त तिवारी तीन वर्ष 314 दिन मुख्यमंत्री पद

■ कीर्तिमान रचने पर साधु संतों ने योगी को दी बधाई, उनकी दीर्घायु की कामना की

पर आसीन रहे हैं। भाजपा का कहना है कि योगी आदित्यनाथ का यह कार्यकाल न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता का प्रतीक है, बल्कि शासन के प्रत्एक क्षेत्र में सुधार, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विकास की गति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने वाला कालखंड भी है। अपराध और अराजकता से जूझते यूपी को मुख्यमंत्री योगी ने 'नए उत्तर प्रदेश' में बदलने का काम किया, जहां कानून का राज सर्वोपरि है और शासन व्यवस्था सुशासन का पर्याय बन चुकी है। विगत आठ वर्षों में योगी सरकार ने प्रदेश को बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम दिए हैं। गोरखपुर से एम्स की स्थापना हो, पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे,बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या फिल्म सिटी जैसे कई मेगा प्रोजेक्ट्स इसके उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन वितरण, उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। वहीं उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दिनों तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कीर्तिमान रचने वाले योगी आदित्यनाथ को साधू संतों ने बधाई दी है और उनकी दीर्घायु की कामना की है। योगी आदित्यनाथ ने लगातार आठ वर्ष चार महीने 10 दिन तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया है। श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानुजाचार्य शांडिल्य जी महाराज ने इस ऐतिहासिक पल के लिए योगी आदित्यनाथ को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने रामराज की स्थापना की है।

जनता दर्शन के साथ योगी ने की सावन के तीसरे सोमवार की शुरुआत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 60 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक की समस्याओं का समाधान कर खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना ही सरकार की प्राथमिकता है। सीएम ने 'जनता दर्शन' में आए लोगों की बात सुनी।

अवसानेश्वर मंदिर में करंट उतरने से भगदड़, दो की मौत

बाराबंकी, वार्ता

■ बाराबंकी में 30 से ज्यादा श्रद्धालु घायल

उत्तर प्रदेश में बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र में स्थित श्री अवसानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सोमवार को करंट उतरने से मची भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई जबकि 30 से अधिक घायल हो गए, जिनमें पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि सावन का तीसरा सोमवार होने के चलते श्रद्धालु प्रातः तीन बजे से मंदिर में जल अभिषेक करने के लिए कतारबद्ध थे कि इस बीच मंदिर के बाहर लगे टीन शेड पर बिजली का तार टूटकर गिर गया, जिससे करंट उतर आया और भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि भगदड़ में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक घायल हो गए, जिन्हें तत्काल हैदरगढ़ व त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया, जहां इलाज के दौरान एक और श्रद्धालु की मौत हो गई। पांच लोगों को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय भेजा गया है, जहां पर उनकी हालत चिंता जनक बताई जाती है। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक मौके में पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरु किया गया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार बंदर के बिजली के तार पर कूदने से तार टूट गया।

सेंसेक्स 80891.02
निफ्टी 24680.90

सोना रु. 98375
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 113207
प्रति किलो

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन बिकवाली सेंसेक्स 81 हजार अंक से नीचे उतरा

मुंबई, वार्ता

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपए में जारी गिरावट से घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। प्रमुख सूचकांकों में बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 572.07 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,891.02 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी. 50 भी 156.10 अंक (0.63 फीसदी) टूटकर 24,680.90 अंक पर आ गया। गिरावट में खुलने के बावजूद शुरुआती कारोबार में कुछ समय के लिए शेयर बाजार हरे निशान में रहे थे, लेकिन दोपहर बाद सूचकांक तेजी से गिरे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयर गिरावट में और शेष सात के बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों

में कोटक महिंद्रा बैंक में सबसे अधिक गिरावट रही। बाजार की अपेक्षा से कमजोर तिमाही परिणाम के कारण उसका शेयर 7.5 प्रतिशत टूट गया। बजाज फाइनेंस का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक गिरा। हिंदुस्तान यूनिलिवर का शेयर सबसे ज्यादा 1.23 प्रतिशत चढ़ा। मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव ज्यादा रहा। एनएसई में निफ्टी मिडकैप-50 का सूचकांक 0.49 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप- 100 का 1.26 प्रतिशत लुढ़क गया।

पहली तिमाही में सुस्त रही भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि: रिपोर्ट

नई दिल्ली। ऊर्जा, कोयला, सूचना प्रौद्योगिकी और इस्पात क्षेत्रों के सुस्त प्रदर्शन के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन में गिरावट आई है और उनकी राजस्व वृद्धि दर घटकर चार से छह प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। बाजार अध्ययन एवं निवेश सलाह कंपनी क्रिसिल की सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में 600 से ज्यादा कंपनियों के जारी वित्तीय परिणामों के अध्ययन के आधार पर यह बात कही गई है। इन 600 कंपनियों के कुल राजस्व में एक-तिहाई का योगदान इन्हीं चारों क्षेत्रों का है।

सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी के भाव गिरे

नई दिल्ली। सोमवार को सोने के दाम में मामूली गिरावट देखी गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 13 रुपए घटकर 98,375 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। चांदी की कीमत भी 1,135 रुपए कम होकर 1,13,207 रुपए प्रति किलो हो गई है।

देश के चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 1,00,080 और 22 कैरेट सोने का भाव 91,750 रहा, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,930 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 थी, वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,930 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रही, जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,930 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रही, जबकि भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,980 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,650 रही। इस साल 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,213 रुपए बढ़कर 98,375 रुपए पर पहुंच गया है। चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 27,190 रुपए बढ़कर 1,13,207 रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। हमेशा ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर छह अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है।

ग्रीन हाइड्रोजन और हरित ऊर्जा में मिलकर काम करेंगे यूपी और जापान

लखनऊ।

स्वच्छ और हरित भविष्य की दिशा में एक अहम पहल करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार जापान के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक सहयोग, तकनीकी हस्तांतरण और निवेश के अवसरों को साकार करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

प्रदेश सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान में मौजूद है, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी कर रहे हैं। उनके साथ इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद और यूपीनेडा (उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी) के निदेशक इंदरजीत सिंह भी शामिल हैं। प्रतिनिधि मंडल का लक्ष्य राज्य को स्वच्छ ऊर्जा नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। प्रतिनिधि मंडल की यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण टोयोटा मिराई नामक अगली पीढ़ी की हाइड्रोजन फ्यूल सेल कार के साथ गहन परिचर्चा रहा। यह वाहन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से ऊर्जा उत्पन्न करता है और अपशिष्ट में केवल जल उत्सर्जित करता है। यह प्रतिनिधिमंडल हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और सतत ऊर्जा एवं गतिशीलता में नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए संभावित साझेदारियों पर चर्चा कर रहा है। ये प्रयास उत्तर प्रदेश में हरित हाइड्रोजन और अन्य स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के लिए एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने यामानाशी विश्वविद्यालय के हाइड्रोजन और ईंधन सेल नैनोमटेरियल्स केंद्र का भी भ्रमण किया, जो उन्नत ईंधन सेल अनुसंधान के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। यूपीनेडा के निदेशक इंदरजीत सिंह ने राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग को विस्तार देने में गहरी रूचि जताई है। उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान विशेष रूप से सौर ऊर्जा, लघु जलविद्युत परियोजनाओं और बायोमास आधारित विद्युत उत्पादन जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की क्षमता को बढ़ाने पर केंद्रित है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राजनाथ का...

करना था, जिसे 22 मिनट में हासिल कर लिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए। यह पेशकश इस शर्त के साथ स्वीकार की गई कि यह अभियान सिर्फ रोका जा रहा है और अगर भविष्य में कोई दुस्साहस हुआ, तो अभियान फिर प्रारंभ होगा। रक्षा मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के लोग पूछते हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, यह सवाल राष्ट्रीय भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। जब लक्ष्य बड़े हों, तो अपेक्षाकृत छोटे मुद्दे पर सवाल नहीं किए जाते। इससे देश की सुरक्षा, सैनिकों के सम्मान और उत्साह से ध्यान हट सकता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष को यह सवाल पूछना चाहिए था कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के कितने विमानों को गिराया और कितने ठिकानों को ध्वस्त किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पेन और पेंसिल के टूटने की चिंता नहीं करनी चाहिए, बल्कि परीक्षाफल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आज अगर विपक्ष प्रश्न पूछने में असफल है, तो विपक्ष को मैं मदद करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि जनता ने जब हमें विपक्ष की भूमिका दी थी, तो हमने उसे निभाया था। उन्होंने कहा कि 1962 में जब चीन के साथ युद्ध हुआ था, जब दुखद परिणाम आया, तो हमने यह प्रश्न पूछा था कि हमारी देश की धरती पर दूसरे का कब्जा कैसे हुआ। हमने यह प्रश्न पूछा कि हमारे सैनिक कैसे बड़ी संख्या में मारे गए।

मशीनों और तोपों की चिंता न करके हमने देश की सीमा और सैनिकों की चिंता की। श्री सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) के तालमेल का बेमिसाल उदाहरण है और इसमें पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया गया। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले हर पहलू पर बहुत गहराई से अध्ययन किया गया था और यह विकल्प चुना गया था कि केवल आतंकवादियों और उनके ठिकानों को ही ध्वस्त करना है और पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। श्री सिंह ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में 2014 के बाद उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। भारत आतंकवाद के हर रूप को समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार और सेना सब मिलकर देश की एकता अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। रक्षा मंत्री ने बताया कि हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की और निर्णायक कार्रवाई की पूरी छूट दी। इसके बाद हमारी सेना ने आतंकवादियों को उनके ठिकानों में घुसकर मार गिराया। सेना ने हमारे देश की माताओं और बहनों के सिंदूर का बदला लिया है। यह सिंदूर अब सिर्फ एक प्रतीक नहीं, बल्कि शौर्य की गाथा बन चुका है। मैं बेहद सावधानी से कह रहा हूं, इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी और उनके हैंडलर मारे गए हैं। वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक हो सकता है, लेकिन हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी संख्या गलत न बताई जाए। श्री सिंह ने कहा कि हमने केवल जवाबी कार्रवाई की। पाकिस्तान ने हालांकि हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया, लेकिन भारत ने इन सभी हमलों को विफल कर दिया। उन्होंने बताया कि भारत की जवाबी कार्रवाई पूरी तरह संतुलित और आत्मरक्षा के तहत की गई। पाकिस्तान की ओर से सात मई से लेकर 10 मई की रात तक मिसाइल और लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया गया। उनके निशाने पर हमारे सैन्य अड्डे थे, लेकिन हमारी रक्षा प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने हर हमले को नाकाम कर दिया।

पाकिस्तान एक भी लक्ष्य को हिट करने में सफल नहीं हो पाया। पाकिस्तान की आक्रामकता के जवाब में भारत की कार्रवाई न सिर्फ साहसिक बल्कि निर्णायक भी थी। हमारे सैनिकों ने इस मिशन को पूरी सफलता के साथ अंजाम दिया और राष्ट्र की सुरक्षा को सुनिश्चित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि शेर अगर मेंढकों को मारे, तो उसका बहुत अच्छा संदेश नहीं जाता। भारत के सैनिक शेर हैं। पाकिस्तान जैसा, जो अपने अस्तित्व के लिए दूसरों पर आश्रित हो, उससे मुकाबले का मतलब है अपना स्तर कम करना। हमारी नीति है, आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना। हमारा पाकिस्तान विरोध उनकी आतंकवाद की नीति के कारण है। उन्होंने भगवान राम और कृष्ण का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी प्रवृत्ति भगवान राम और भगवान कृष्ण से प्रेरित है, जो हमें शौर्य भी सिखाती है और धैर्य भी सिखाती है। हमने भगवान कृष्ण से सीखा शिशुपाल की 100 गलतियां माफ की जा सकती हैं, लेकिन अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है। इस सीख का हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी विदेश और रक्षा नीति में प्रयोग कर रहे हैं। भारत पहले दोस्ती का हाथ बढ़ाता है, लेकिन अगर कोई देश उसे धोखा दे, तो वह उसकी कलाई भी मरोड़ना जानता है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे सामर्थ्य का प्रतीक था, जिसमें हमने दिखाया कि अगर कोई हमारे नागरिकों को मारेगा, तो भारत चुप नहीं बैठेगा। हमारा राजनैतिक तंत्र और नेतृत्व बिना किसी दबाव के काम करेगा। हमारी मिसाइलें भौतिक सीमाओं को पार करेंगी, वीर सैनिक दुश्मन की कमर तोड़ देंगे। हम आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप को समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य और साहस की सराहना करते हुए कहा कि छह-सात मई की रात हमारी सेना ने एक ऐतिहासिक ऑपरेशन को अंजाम दिया। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को अमानवीयता की चरम सीमा बताते हुए कहा कि हमलावरों ने लोगों की पहचान उनके धर्म के आधार पर की और उन्हें निशाना बनाया।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मतदान शांतिपूर्ण समाप्त, अब मतगणना की तैयारी

दूसरे व अंतिम चरण में हुआ करीब 65 फीसदी मतदान

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के सभी 12 जनपदों में (हरिद्वार को छोड़कर) त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के दूसरे व अंतिम चरण का मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सोमवार को पूरा हो गया। 31 जुलाई को सभी विकास खंडों पर एक साथ मतगणना होगी। दूसरे चरण में करीब 65 फीसदी मतदान हुआ है, हालांकि अंतिम आंकड़े खबर लिखे जाने तक राज्य निर्वाचन आयोग जारी नहीं कर सका था। त्रिस्तरीय पंचायतों के दूसरे चरण में 22, 429 पदों पर निर्विरोध प्रति. निधि चुन लिए गये थे। साथ ही दूसरे में सोमवार को कुल 11082 पदों के लिए मतदान हुआ। सुबह 8 बजे शुरू हुए मतदान में ज्यादातर पोलिंग बूथों पर 10 बजे के बाद से मतदाताओं की लाइन लगना शुरू हो गई थीं। अगर मतदान के प्रतिशत को देखते हुए हैं तो सुबह से ही मतदान की रफ्तार बढ़ती हुई दिशा में चलती रही। राज्य निर्वाचन आयोग ने पहले चरण के पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण बताते हुए संतोष जाहिर किया है।

गांव की सरकार चुनने का दिखा उत्साह

राज्य के कई राजनेताओं और वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने अपने पैतृक गांव में ही अपना वोट डाला। अपने-अपने गांव की सरकार चुनने और पंचायतों के प्रतिनिधि चुनने के लिए ग्रामीण मतदाताओं में उत्साह दिखाई दिया। राज्य के कई जिलों गुरुवार को बारिश के बावजूद पोलिंग बूथों मतदाता वोट डालने के लिए पहुंचते रहे।

मतदान प्रतिशत की स्थिति

गुरुवार की सुबह 08 बजे पहले चरण का मतदान शुरू हुआ। सुबह 10 बजे तक मतदान 12.42 फीसदी रहा। उसके दो घंटे बाद 12 बजे तक मतदान 29.22 फीसदी तक पहुंच गया था। दोपहर 2 बजे तक मतदान का प्रतिशत 41.95 फीसदी तक पहुंच गया। इसके बाद 4 बजे तक मतदान प्रतिशत 58.12 फीसदी तक पहुंच गया था। देर शाम तक मतदाताओं की लाईन कई बूथों पर लगी रही। जिनको मतदान का समय शाम 5 बजे समाप्त होने के बाद भी जो लोग बूथ में लाईन में लगे थे उनको मतदान कराया गया। हालांकि दूसरे चरण में करीब 65 फीसदी मतदान होने का अनुमान है, लेकिन खबर लिखे जाने तक मतदान प्रतिशत के अंतिम आंकड़े नहीं आ पाए थे।

THE World University Rankings 2025 RANKED 7TH IN INDIA
UPES UNIVERSITY OF TOMORROW
Admission and Scholarship based on CUET Scores# or Class 12th Board Marks# or Graduation Scores
100+ PROGRAMS
Engineering | Computer Science | Business | Law | Design
Health Sciences | Liberal Studies and Media
B.Tech. B.Sc. (Hons.) MCA
BBA BA (Hons.) MBA
LL.B. BA M.Sc.
B.Des. B.Com. M.Des.
B.Pharm. BCA LL.M.
and more...
800+ RECRUITERS | LIFETIME PLACEMENT^ | ₹1.3 CRORE HIGHEST PACKAGE**
Merit Scholarship^
Exclusive Scholarship for Girl Students^
25% Fee Concession for Bonafide Uttarakhand Students^
Limited Seats Available in Select Programs
APPLY BY JULY 30, 2025
UPES Dehradun | upes.ac.in | 040 68440685 (10 am to 7 pm)
^T&C apply | **Secured by Alumnus | #Applicable for UG Programs only

राज्य में प्रमुख धार्मिक स्थलों पर व्यवस्थाएं होंगी दुरुस्त

हरिद्वार की घटना के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश, भीड़ नियंत्रण को लेकर हों व्यवस्थाएं

■ श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए व्यवस्था हों सुनिश्चित: धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हरिद्वार के मनसा देवी मॉदर मार्ग में रविवार को मची भगदड़ की घटना के बाद से राज्य के प्रमुख मंदिर स्थलों की व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने गंभीरता दिखाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों हरिद्वार स्थित मनसा देवी – चंडी देवी मंदिर, टनकपुर स्थित पूर्णागिरि धाम, नैनीताल के कैंची धाम, अल्मोड़ा के जागेश्वर मॉदर, पौड़ी स्थित नीलकंठ महादेव मॉदर सहित अन्य प्रसिद्ध मॉदरों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मॉदरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालु पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन अनुभव प्राप्त हो। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगौली, एस.एन. पाण्डेय, सचिव एवं आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं के पंजीकरण की व्यवस्था करें: सीएम

सीएम पुष्कर धामी ने निर्देश दिए कि दोनों मंडलों के आयुक्तों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए। इस समिति में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष, एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से मनसा देवी मॉदर परिसर तथा अन्य प्रमुख मॉदर परिसरों के सुनियोजित विकास, धारण क्षमता में वृद्धि और व्यवस्थित दुकान प्रबंधन पर बल देते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को सुदृढ़, सुव्यवस्थित और सुगम बनाया जाए। श्रद्धालुओं का पंजीकरण अनिवार्य रूप से किया जाए तथा दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करते हुए चरणबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पंचायतीराज मंत्री महाराज ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए आभार जताया

देहरादून। पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने प्रदेश के 12 जनपदों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के बाद दूसरे और अंतिम चरण के मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और चुनावों के शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित सभी मतदाताओं, चुनाव आयोग, मतदान अधिकर्ताओं, सुरक्षा कर्मियों, कार्य कर्ताओं और देवतुल्य मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। महाराज ने मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने में लगे प्रशासन, पुलिस बल, निर्वाचन कर्मियों और समर्पित डयूटी में जुटे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है।

जिपं अध्यक्ष पदों पर कब्जे को भाजपा खरीद-फरोख्त की कर रही तैयारी: कांग्रेस

बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों के जीतने की उम्मीद: धस्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पंचायत चुनावों के दूसरे चरण संपन्न होते ही कांग्रेस ने जहां बड़ी संख्या में अपनी पार्टी के बड़ी संख्या में जिला पंचायत सदस्य चुने जाने का दावा किया वहीं इस बात की भी आशंका जताई कि जिला पंचायत अध्यक्ष पदों पर अपना कब्जा बनाने के लिए भाजपा धन बल सत्ता बल व राज्य निर्वाचन आयोग का भी दुरूपयोग कर सकती है।

दूसरे चरण का मतदान सम्पन्न होने के बाद पार्टी संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने दावा किया कि उनके द्वारा राज्य भर में जिला पंचायत के लिए दिए गए दो सौ समर्थित उम्मीदवारों में से बड़ी संख्या

में जिला पंचायत सदस्य जीत कर आएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ चुनाव संपन्न हुए तो कांग्रेस के कई जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष बनेंगे, मगर भाजपा ने अभी से अधिकांश सीटों को तोड़ते हुए उच्च न्यायालय की भी परवाह नहीं की और न्यायालय के आदेशों के बावजूद दो जगह वोटर लिस्ट में नाम वालों को चुनाव मैदान से हटाने की बजाय उनको सिंबल आवंटित कर चुनाव लड़ने दे कर न्यायालय की अवमानना की।

उम्मीदवारों से बातचीत शुरू कर उनको प्रलोभन देना शुरू कर दिया है और वे साम दाम दंड भेद की नीति अपना कर जीत पक्की करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। धस्माना ने कहा कि यही हाल अधिकांश क्षेत्र पंचायत का है। धस्माना ने कहा कि इस चुनाव में सबसे बड़ी हार राज्य निर्वाचन आयोग की होगी जिसने सारी सीमाएं तोड़ते हुए उच्च न्यायालय की भी परवाह नहीं की और न्यायालय के आदेशों के बावजूद दो जगह वोटर लिस्ट में नाम वालों को चुनाव मैदान से हटाने की बजाय उनको सिंबल आवंटित कर चुनाव लड़ने दे कर न्यायालय की अवमानना की।

उत्तराखंड व राजस्थान पर्यटन के बढ़ावे को मिलकर करेंगे काम: महाराज

तीज महोत्सव पर राजस्थान की उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन मंत्री का किया स्वागत

■ आज ही के दिन महादेव व पार्वती का शुभ विवाह त्रियुगीनारायण में हुआ था

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून/जयपुर। तीज का पवित्र पर्व मां पार्वती की 108 जन्मों की घोर तपस्या के बाद शिव को पति के रूप में पाने का साक्षी है। यह त्योहार पति पत्नी के एकत्व, दिव्य समर्पण का सर्वोच्च प्रतीक है। राजस्थान की तरह ही उत्तराखंड में भी तीज के त्योहार का विशेष महत्व है।

मान्यता है कि उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद स्थित त्रिजुग. नारायण में माता पार्वती एवं भगवान शिव शंकर का विवाह हुआ था जिसमें ब्रह्मा जी ने पुरोहित का तथा भगवान श्री हरि विष्णु जी ने भाई का दायित्व निभाया था।

इसलिए महिलाएं पति की लंबी उम्र और वैवाहिक सुख की कामना के लिए तीज के त्योहार को मनाती हैं। यह बात उत्तराखण्ड के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार की और से सोमवार को जयपुर स्थित पौंड्रिक पार्क में आयोजित दो दिवसीय तीज महोत्सव में प्रतिभाग करते हुए अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान में यह त्यौहार 298 वर्षों से हर वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है और जयपुर स्थापना के समय से ही भव्य तीज

के इस त्यौहार पर तीज माता की शोभा यात्रा भी निकाली जाती है। इस त्यौहार की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस त्यौहार को मनाने के लिए स्वयं राजस्थान सरकार का पर्यटन विभाग इस आयोजन को सम्पन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महाराज ने कहा कि उत्तराखंड एवं राजस्थान के बीच काफी गहरा संबंध रहा है। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी, उत्तराखंड की पूर्व कैबिनेट मंत्री अमृता रावत सहित राजस्थान पर्यटन विभाग के अनेक अधिकारी, लोक कलाकार, शिल्पी और महिलाएं आदि मौजूद थी।

ऊर्जा के क्षेत्र में अभी होने हैं बड़े निवेश: डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम

मंजिल सिर्फ 1 लाख करोड़ नहीं आगे बढ़नी है निवेश की ग्राउंडिंग

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। राज्य में निवेश को लेकर एक लाख करोड़ के प्रोजेक्ट धरातल उतरने का उत्सव कुछ दिन पूर्व मनाया गया। इनमें सबसे ज्यादा ऊर्जा विभाग के 40 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शामिल हैं। निश्चित तौर पर पुष्कर धामी सरकार द्वारा 3.56 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों के सापेक्ष ये एक बड़ी उपलब्धि है। इसी को लेकर हमने ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आर.मीनाक्षी सुंदरम से बातचीत की।

प्रश्न 1– ऊर्जा विभाग के सबसे ज्यादा एमओयू की ग्राउंडिंग हुई है, क्या-क्या प्रोजेक्ट हैं ?

उत्तर– ये सब सरकार द्वारा नीतियों में परिवर्तन से संभव हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में हाइड्रो पावर, पंप स्टोरेज, और सोलर एनर्जी में निवेश हुआ है। स्माल पावर प्रोजेक्ट में पो. लिसी को अट्रैक्टिव बनाया गया था। करीब 10 वर्ष बाद हम स्माल हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में बिड कर पाए हैं। सोलर एनर्जी की पॉलिसी भी हम लाए थे। मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा योजना लॉन्च की थी जिसमें हमने 2000 मेगावाट उत्पादन का लक्ष्य रखा था, 250 मेगावाट जेन. रेशन हो भी चुका है।

प्रश्न 2– निवेश करने वाली प्राइवेट कंपनियां या सरकारी हैं ?

उत्तर– उत्तराखंड की पंप स्टोरेज प्लांट पॉलिसी भारत सरकार के सुझाव पर बनी थी। हाइड्रो पावर की ग्राउंडिंग ज्यादा है। इसमें पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर दोनों की ही रुचि देखने को मिल रही है। टीएचडीसी एवं यूजेवीएनएल का संयुक्त उपक्रम भी शामिल है।

■ छत्तीसगढ़ में लगेगा उत्तराखंड का थर्मल पावर प्लांट, कोल ब्लॉक आवंटित

प्रश्न 3– थर्मल पावर प्लांट की बात भी कही गई थी, क्या तैयारी है ?

उत्तर– केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की रिसोर्स एडेक्वेट प्लान के अनुसार भविष्य की जरूरतों को देखते हुए हम एक थर्मल पावर प्लांट भी लगा रहे हैं, इसके लिए भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ में कोल ब्लॉक भी आवंटित कर दिया है। कोयले की सुविधा देखते हुए निवेशक वहीं प्लांट लगाएंगे, और हमारा उनसे पीपीए होगा। इसको लेकर बोली लगाने की प्रक्रिया चल रही है। 1320 मेगावाट थर्मल पावर की कोशिश है।

प्रश्न 4– निवेश का कब तक लाभ मिलेगा, क्योंकि अभी उत्पादन पर्याप्त नहीं है ?

उत्तर– देखिए, पावर प्रोजेक्ट के परिणाम आने में कुछ समय लगता है। इस प्रकार के निवेश में की प्रक्रिया पूरी करनी होती हैं। स्मॉल प्रोजेक्ट में 3–5 वर्ष लगते हैं और बड़े प्रोजेक्ट में 5–8 वर्ष का समय फल मिलने में लगता है। मुझे लगता है तब तक हम आत्मनिर्भरता हासिल कर लेंगे।

प्रश्न 5– भविष्य में कौन-कौन से एमओयू की ग्राउंडिंग होनी है ?

उत्तर– इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हमारा सबसे बड़ा एमओयू 15 हजार करोड़ का जिंदल ग्रुप के साथ हुआ था, लेकिन फिलहाल वे महाराष्ट्र में बिजी होने के चलते रुचि नहीं दिखा रहे हैं। अल्मोड़ा से संबंधित इन प्रोजेक्ट्स को अब हम टेंडर प्रक्रिया में लेकर जा रहे हैं।

प्रश्न 6– मुख्यमंत्री के क्या निर्देश मिले, और राज्य की आर्थिकी पर क्या असर होगा?

उत्तर– मुख्यमंत्री जी (पुष्कर धामी) ने लगातार नेतृत्व किया और कहा कि इन्वेस्टमेंट समिट केवल एक इवेंट मैनेजमेंट बनकर न रह जाए, बल्कि गंभीर प्रयास होने चाहिए। निवेशन विभाग को. शिश कर रहा है कि वर्ष 2022 की जीएसडीपी के मुकाबले वर्ष 2027 तक जीएसडीपी दो गुनी कर ली जाए।

अखिलेश को पत्नी के सम्मान से अधिक वोट बैंक प्यारा : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने एक मौलाना के टीवी पर एक महिला सांसद और उत्तराखंड की बेटी के लिए अश्लील शब्द के इस्तेमाल को समूची मातृ शक्ति का अपमान बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि, वेशक मुस्लिम वोटों के लालच में अखिलेश यादव को डिम्पल के लिए इस्तेमाल अपशब्दों से कोई फर्क नहीं पड़ता हो, लेकिन उत्तराखंड की जनता इसे कतई सहन नहीं करेगी। उन्होंने मांग कि आरोपी मौलाना को तत्काल अपने कृत्य के लिए सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया में वायरल एक न्यूज चैनल डिबेट का हवाला देते यह बात कही, जिसमें ऑल इंडिया इमाम एसोशिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी, संसद परिसर स्थित मस्जिद में बैठक के दौरान सपा सांसद डिंपल यादव की वेशभूषा को लेकर टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं।

उत्तराखंड में धर्मांतरण कानून होगा और भी सख्त

धर्मांतरण के कानून को और सख्त करने के मुख्यमंत्री के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाते हुए, जरूरी कदम भी उठाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सीमांत प्रदेश होने के साथ ही सनातन की पुण्य भूमि भी है। इसलिए यहां डेमोग्राफी में बदलाव की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस इस तरह की सांदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे।

■ मुख्यमंत्री धामी ने ऑपरेशन कालनेमि की निगरानी को कहा
■ निगरानी को पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित होगी एसआईटी

धर्मांतरण कराने वाले तत्वों के जाल में फंसे लोगों को उचित परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए, धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाए जाने की दिशा में तत्काल कदम उठाए जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऑपरेशन कालनेमि भी ऐसे तत्वों पर लगाम लगाने में सफल रहा है। इस मुहिम को आगे भी चलाए जाने की जरूरत है, इसलिए पुलिस मुख्यालय के स्तर पर, इसकी निगरानी के लिए एसआईटी का गठन किया जाए।

हेपेटाइटिस से बचने को सही जानकारी और जागरुकता जरूरी: डॉ. मयंक

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर लोगों को किया जागरुक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, देहरादून ने एक विशेष जनजागरूकता अभियान आयोजित किया । इस अभियान का उद्देश्य आम जनता को हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के बारे में जागरूक करना था, जिसमें हेपेटाइटिस के लक्षण, कारण, इलाज और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस हर वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई जैसी वायरल बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना है, जो लीवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं और कई मामलों में जानलेवा भी हो सकती हैं। यदि समय पर जांच और उपचार न किया जाए, तो क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी और सी विशेष रूप से सिरोसिस और लिवर कैंसर का सबसे अधिक खतरा पैदा करते हैं।

समय पर जांच व सही इलाज से हेपेटाइटिस को जड़ से कर सकते हैं समाप्त

डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा, "हमें विश्व हेपेटाइटिस दिवस को एक अवसर की तरह लेना चाहिए, ताकि हम खुद को और समाज को इस साइलेंट लेकिन खतरनाक बीमारी से बचा सकें। समय पर जांच, सही इलाज और जागरूकता से इसे जड़ से समाप्त कर सकते हैं।" हेपेटाइटिस और लिवर संबंधी रोगों के बारे में प्रारंभिक जांच, समय पर उपचार और व्यापक जागरूकता, क्रॉनिक लिवर रोगों के बोझ को काफी हद तक कम कर सकती है।

डॉ. मयंक गुप्ता, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने बताया कि "हेपेटाइटिस की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके शुरुआती लक्षण बहुत सामान्य होते हैं, या कई बार नजर ही नहीं आते। लेकिन अगर ध्यान दिया जाए तो थकान, कमजोरी, भूख में कमी, मतली, उल्टी, पेट में दर्द, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गाढ़े रंग का पेशाब और हल्के रंग का मल इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं। साथ ही हेपेटाइटिस ए और ई का इलाज सामान्य देखभाल से संभव है और यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी गंभीर रूप ले सकते हैं और इनके लिए विशेष एंटीवायरल दवाओं और निगरानी की आवश्यकता होती है। कुछ मामलों में लीवर ट्रांसप्लांट की जरूरत भी पड़ सकती है।" उन्होंने कहा कि "सही जानकारी और जागरूकता के जरिए इस बीमारी से बचा जा सकता है। इस अवसर पर मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून, उन्नत लिवर केयर प्रदान करने और समाज में जागरूकता बढ़ाकर एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को मजबूत करता है।

ये हैं हेपेटाइटिस के संक्रमण के मुख्य कारण

डॉ.मयंक गुप्ता ने हेपेटाइटिस के मुख्य कारणों और टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि "हेपेटाइटिस के संक्रमण के मुख्य कारणों में असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, दूषित पानी और भोजन का सेवन, एक ही सुई या रेजर का बार-बार इस्तेमाल तथा स्वच्छता ना रखना प्रमुख हैं।" हेपेटाइटिस ए और बी के लिए सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध हैं, इसके अलावा, स्वच्छ भोजन और पानी का सेवन, व्यक्तिगत साफ-सफाई को ध्यान रखना, सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाना और समय-समय पर जाँच कराना भी बेहद जरूरी है।

श्रीनगर में स्वच्छता के लिए लगाएं गये कूडेदान हो रहें गायब

श्रीनगर। **नगर निगम श्रीनगर द्वारा** नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए स्टील के कूड़ेदान अब या तो गायब हो चुके हैं या जर्जर हालत में हैं। अलकेश्वर घाट, शारदानाथ घाट, एनआईटी घाट समेत कई स्थानों पर लगाए गए कूड़ेदान अब अपनी जगह पर नहीं हैं। निगम ने इन कूड़ेदानों को लोहे के स्टैंड से जमीन पर ड्रिल कर स्थापित किया था, लेकिन कई स्थानों पर स्टैंड तोड़ दिए गए हैं और कुछ कूड़ेदान पूरी तरह से लापता हैं। कई जगहों पर बचे हुए कूड़ेदान टूट चुके हैं और उपयोग के लायक नहीं हैं। स्थानीय निवासी भोपाल चौधरी ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था के लिए लगाए गए कूड़ेदानों को नुकसान पहुंचाना अनुचित है। उन्होंने नगर निगम से इस पर ठोस कार्रवाई की मांग की है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कंट्रोल रूम पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के तहत सोमवार, 28 जुलाई को चार विकासखण्डों में द्वितीय चरण का मतदान शांतिपूर्वक और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो रहा है। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम का स्थलीय निरीक्षण कर संपूर्ण चुनावी गतिविधियों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने सभी मतदेय स्थलों से मतदान प्रक्रिया की स्थिति और व्यवस्थाओं का अपडेट प्राप्त किया और संतोष व्यक्त किया कि मतदान कार्य बिना किसी व्यवधान के तय समय पर शुरू हुआ है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी पोलिंग बूथों पर प्रातः समय से मतदान शुरू हुआ और समस्त केंद्रों पर शांतिपूर्ण रूप से मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। बारिश की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मतदान प्रक्रिया को सफल और सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही सुनिश्चित की गई थीं। बूथों पर सुरक्षा, बारिश से बचाव और मतदाताओं की सुविधा के मद्देनजर व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल, जिला विकास अधिकारी मोहम्मद असलम, नोडल कंट्रोल रूम प्रभारी बृजेश भट्ट, एडीईओ विजय तिवारी, त्रिस्तरीय पंचायत के एडीईओ अतुल भट्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रेष्ठा भाकुनी, जिला तकनीकी विकास अधिकारी एस.एस. राणा और एडीएसटीओ धारा सिंह सहित अन्य कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी करते हुए यह सुनिश्चित किया कि कहीं भी कोई समस्या उत्पन्न न हो और चुनाव निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो।

जिले में द्वितीय चरण के मतदान को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया और मतदाताओं के लिए सुरक्षा तथा सुविधा के पूर्ण प्रबंध किए गए थे। यह चुनाव न केवल तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टिकोण से सफल रहा बल्कि इससे जनमानस में लोकतंत्र के प्रति विश्वास और भी सुदृढ़ हुआ है।

मतदान केंद्रों का डीएम ने किया निरीक्षण

विभिन्न बूथों पर मतदान प्रक्रिया का लिया जायजा, मिली व्यवस्थाओं में संतुष्टि, शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा मतदान, प्रशासन रहा मुस्तैद

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने सोमवार को टिहरी जनपद के चम्बा विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया और वहां की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं को देखा और वहां मौजूद अधिकारियों से फीडबैक भी प्राप्त किया।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बूथ संख्या 95 स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय दिखौलगांव, बूथ संख्या 97 राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुल्डी, बूथ संख्या 105, 106 और 107 राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवताधार, बूथ संख्या 29 ग्राम पंचायत कोटिगाड़, बूथ संख्या 21 प्राथमिक विद्यालय बांगासुधार (उदयकोट), तथा राजकीय जूनियर विद्यालय जुगड़गांव (तंगला) में चल रही मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया। सभी केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित होता पाया गया, जिससे निर्वाचन अधिकारी ने संतोष व्यक्त किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित मतदान कर्मियों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और यह सुनिश्चित किया कि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की जा सके।

इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने निरीक्षण के दौरान चुनाव प्रक्रिया की निगरानी में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन की सख्त निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता के चलते मतदान केंद्रों पर पूरी तरह से अनुशासित और व्यवस्थित वातावरण बना रहा।

डीएम व एसपी ने किया पोलिंग बूथ का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण को पारदर्शी एवं निर्विघ्न तरीके से सम्पन्न करवाने को लेकर जिला अधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशांत आर्य ने पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशांत आर्य ने सभी मतदाताओं को अपने मत का उपयोग करने और निर्भय होकर मतदान करने की अपील की है। कहा कि प्रशासन पंचायत चुनाव को निष्पक्ष , पारदर्शिता और सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटा है।

वहीं पंचायत चुनाव को लेकर उत्तरकाशी पुलिस मुस्तैद रही है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती सरिता डोबाल स्वयं ग्राउंड

में उतरकर चुनाव प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा ।

विकासखंड भटवाड़ी के विभिन्न पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर उनके द्वारा सुरक्षा व मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस बल जोनल, सेक्टर पुलिस अधिकारियों तथा बूथ पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण चुनाव के सम्बन्ध में जरूरी निर्देश एवं हिदायतें दी गयी।

बूथ पर बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये गये।

पुलिस अधीक्षक ने सभी मतदाताओं से निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता निभाने की अपील की गयी।

पराग से गोशाला तक दूधिया रोशनी से जगमगाया श्रीनगर निगम

श्रीनगर। नगर निगम श्रीनगर क्षेत्रांर्गत पौड़ी रोड स्थित गंगा दर्शन से गौशाला तक के मार्ग दुधियां रोशनी से जगमगायेगा। सोमवार देर सांय महापौर आरती भंडारी ने विद्युत प्रकाश पथ का शुभारंभ किया। गंगा दर्शन से गौशाला तक 80 स्ट्रीट लाइट्स लगाई गई। जिससे अब यह मार्ग सुबह-शाम सुरक्षित सैर के लिए उपयुक्त बन गया है। पूर्व में इस क्षेत्र में अंधेरा रहने से गुलदार सहित अन्य जंगली जानवरों का भय बना रहता था, जिससे स्थानीय निवासी व राहगीर असहज महसूस करते थे। अब स्ट्रीट लाइट्स की सुविधा से न केवल शहरवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि पौड़ी मंडल मुख्यालय से जुड़े ग्रामीणों के आवागमन में भी सुविधा होगी। मेयर आरती भंडारी ने कहा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए वह संकल्पित है।

युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक मतदान के लिए दिखा उत्साह

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव को लेकर सोमवार को द्वितीय चरण की वोटिंग की गई। गांव की छोटी सरकार को चुनने को लेकर युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में मतदान के लिए खासा उत्साह देखा गया। बुजुर्गों ने विकास के मुद्दे पर मतदान करने की बात कही। जबकि युवाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए मतदान किया। मौसम विभाग भारी बारिश का अलर्ट के बावजूद भी ग्रामीण अपने छातों को लेकर सुबह आठ बजे से ही मतदान के लिए पॉलिंग बूथों पर पहुंचे। जिसके बाद मतदान के लिए लोगों की लम्बी-लम्बी कतारें देखने को मिलनी शुरू हुई। त्रिस्तरीय चुनाव में पहली बार मतदान करते हुए 20 वर्षीय अंशुल सिंह, 20 वर्षीय पुनम भंडारी और 23 वर्षीय सोनम ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर काफी खुशी हो रही है। उन्होंने अच्छी शिक्षा और रोजगार के मुद्दे को लेकर मतदान किया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय नैथाणा में 94 वर्षीय भगवती प्रसाद जोशी, 82 वर्षीय भुवनेश्वरी देवी ने कहा कि लो. कतंत्र में मतदान का काफी महत्व है। व्यक्ति का एक एक वोट काफी महत्वपूर्ण होता है। उनका प्रयास रहता है कि वह प्रत्येक चुनाव में मतदान करें। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए अपना मतदान किया। राजकीय इण्टर कॉलेज किलकिलेश्वर में मतदान करने पहुंचे 108 वर्षीय गुठाई चौरास के निवासी मंगल सिंह नेगी ने कहा कि वह पंचायत, विधानसभा, लोकसभा सभी चुनावों में वोट देते आए हैं। उन्हें उम्मीद है कि उनका दिया गया एक वोट अच्छे जनप्रति. निधि का चुनाव करेगा। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदार बनना चाहिए।

एक नजर .....

वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कोटद्वार। रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब कोटद्वार के संयुक्त तत्वावधान में हरेला पर्व के अन्तर्गत दूसरे चरण में यूनिकस अकादमी हल्दूखाता कोटद्वार में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मोरपंखी, आंवला, कनेर, सावनी, बोगन बेलिया, सागवान व विभिन्न प्रकार के फलदार व छायादार वृक्ष लगाएं गए । विद्यालय परिसर मे आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम के मेयर शैलेन्द्र सिंह रावत ने किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष हमे जीवन प्रदान करते है हमे अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए तथा लगाएं वृक्ष की देखभाल का प्रण लेना चाहिए। उन्होंने रोटरी क्लब के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कोटद्वार नगर को स्वच्छ बनाने मे सहयोग करने की अपील की ।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता का किया आयोजन

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के हल्दूखाता स्थित एवीएन सीनियर सेकंडरी स्कूल में नेगी ताइक्वांडो इंडिया, चंडीगढ़ के तकनीकी सहयोग से ताइक्वांडो बेल्ट प्रमोशन टेस्ट आयोजित किया गया। इस अवसर पर 46 छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर येलो बेल्ट प्राप्त की। इस परीक्षा में छात्रों को वर्ल्ड ताइक्वांडो मानकों के अनुरूप पूमसे, बेसिक तकनीक, आत्मरक्षा और फाइटिंग जैसे वर्गों में परखा गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के डायरेक्टर रजनीश शर्मा और संचालिका अनुराधा नैथानी शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन स्कूल के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा नियमित रूप से चलाए जा रहे समग्र विकास कार्यक्रमों का हिस्सा है। कहा छात्रों में शिक्षा के साथ ही खेलों का महत्वपूर्ण योगदान है जो छात्रों को जीवन मूल्यों में उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करता है ।परीक्षण का संचालन स्कूल के ताइक्वांडो कोच मुकेश कुमार ब्लैक बेल्ट, दक्षिण कोरिया के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें तकनीकी सहयोग नेगी ताइक्वांडो इंडिया, चंडीगढ़ की विशेषज्ञ टीम ने दिया। 46 छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता पूर्वक येलो बेल्ट प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में सफल छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित किये गए।

बाजारों की आर्टिफिशियल राखियां पहुंचाती हैं नुकसानः डीएम जैन

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय उत्पादों से स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही हैं। जंगलों के लिए यह पिरूल काफी हानिकारक और नुकसान देयक है, लेकिन ग्रामीण महिलाओं ने इस पिरूल का सदुपयोग करके अपने लिए स्वरोजगार के द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का यह कदम सराहनीय है। बाजारों में मिलने वाली ज्यादातर आर्टिफिशियल राखियां पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकती हैं। इन राखियों में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, रंग, और अन्य सामग्री आसानी से नष्ट नहीं होती और पर्यावरण में प्रदूषण फैलाती हैं। ऐसे में सभी लोगों को पिरूल की राखियों से रक्षाबंधन का त्यौहार मनाकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए।

औषधि निरीक्षक ने किया मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। औषधि विभाग की ओर से जिले के विभिन्न नगरों में स्थित मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण कर सभी दवा विक्रेताओं को सख्ती से नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए।औषधि निरीक्षक अमित आजाद ने जिले के तिलवाड़ा, सिल्ली और अगस्त्यमुनि में विभिन्न मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हिदायत दी कि दवाओं का सही से रख-रखाव कर भण्डारण किया जाए। साथ ही औषधि एवं प्रसाधन एक्ट 1940 के तहत प्रावधानों का अनुपालन किया जाना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहा कि एक्सपायर दवाइयों का विशेष ध्यान रखा जाए।

भट्ट ने किया अगस्त्यमुनि ब्लॉक के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मूसलधार बारिश से अगस्त्यमुनि ब्लॉक अंतर्गत चमेली, बगरधार, रूमसी और सिलकोट गांवों में हुई भीषण तबाही के बाद सीमांत अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।बता दें कि बीते शुक्रवार की देर रात विकासखण्ड अगस्त्यमुनि के कई गांवों में आई आपदा ने सबकुछ तहस-नहस करके रख दिया।

इसके बाद से क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों का दौरा जारी है। सोमवार को दर्जाधारी भट्ट ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने आपदा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उनका हालचाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने आपबीती साझा करते हुए बताया कि किस तरह रातोंरात उनका सबकुछ तबाह हो गया। कान, रास्ते, गौशालाएं और पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हुई है। चंडी प्रसाद भट्ट ने मौके से ही एसडीएम रुद्रप्रयाग, तहसीलदार तथा खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि से दूरभाष पर वार्ता कर प्रभावित गांवों की स्थिति से उन्हें अवगत कराया। अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हेपेटाइटिस से बचाव को लेकर छात्रों को किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में राजकीय आदर्श इंटर कालेज सिद्धसौड़ में आयोजित गोष्ठी में वायरल हेपेटाइटिस से कारण, बचाव व रोकथाम के उपाय के बारे में जागरूक किया गया।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सीमा टेकचन्दानी ने कहा कि हेपेटाइटिस विषाणु जनित रोग है, जो लीवर को क्षति पहुंचाता है। बताया कि हेपेटाइटिस बीमारी को लेकर जागरूकता के उद्देश्य के साथ ही 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस वायरस पांच प्रकार का होता है, जिसमें हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी व ई शामिल हैं। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित जल व भोजन के उपयोग से व हेपेटाइटिस बी व सी संक्रमित रक्त एवं रक्त उत्पादों से, असुरक्षित यौन संबंध से हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचने के लिए उन्होंने वैक्सीन लगवाने, अधिकृत ब्लड बैंक से ही रक्त लेने जैसे उपायों को अपनाने पर जोर दिया गया। ऐपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ शाकिब हुसैन ने वायरल हेपेटाइटिस के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बताया कि थकान लगना, भूख न लगना, जी मिचलाना, सिर दर्द, बदन दर्द, पेट दर्द व पीलिया आदि हेपेटाइटिस के लक्षण हैं। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस लीवर की बीमारी है, जो पांच प्रकार की होती है, जिसमें से हेपेटाइटिस बी व सी में लीवर सिरोसिस या कैंसर भी हो सकता है।

उन्होंने हेपेटाइटिस के लक्षण महसूस होने पर तत्काल निकटवर्ती चिकित्सालय में संपर्क करने की अपील की।

काउंसलर आरकेएस विपिन सेमवाल व जिला समन्वयक आईईसी हरेंद्र सिंह नेगी द्वारा द्वारा वायरल हेपेटाइटिस पर आधारित जागरूकता प्रचार सामग्री का वितरण करते हुए छात्र-छात्राओं को हेपेटाइटिस से बचाव व रोकथाम के लिए खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोने, पीने के लिए साफ पानी का इस्तेमाल करने, बाजार के खुले खाद्य पदार्थों का सेवन न करने जैसी आद. तों को अपने व्यवहार में अनिवार्य रूप से अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने व मक्खियों को ना पनपने देने को लेकर जागरूक किया। प्रधानाचार्य सैनपाल शर्मा ने जनपद के दूरस्थ विद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने पर स्वास्थ्य विभाग की पहल की सराहना की।

दूसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ा सैलाब

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी जनपद में सावन माह के दूसरे सोमवार को भगवान शिव की आराधना के लिए शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

अलसुबह से ही शिवभक्त मंदिरों की ओर रुख करते नजर आए और लंबी कतारों में खड़े होकर बारी-बारी से भगवान शिव को जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में शिव स्तोत्र, महामृत्युंजय मंत्र और ओम नमः शिवाय के मंत्रों के जाप से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जिले के प्रमुख मंदिरों कुं सत्तेश्वर महादेव मंदिर, त्रिदेव मंदिर, देवलसारी महादेव मंदिर और उत्तरवाहिनी भागीरथी तट पर स्थित सिद्धपीठ श्री कोटेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ देखी गई।

इन मंदिरों में श्रद्धा और आस्था का ऐसा दृश्य बना जो हर कमअव. जमम के मन को छू गया। कोटेश्वर महादेव मंदिर में विशेष रूप से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए पहुंचे। मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा विधियों का पालन किया गया और पंडितों द्वारा धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

कोटेश्वर महादेव मंदिर न केवल अपनी धार्मिक महत्ता के लिए, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है। यह स्थान निसंतान दंपतियों के लिए विशेष आस्था का केंद्र माना जाता है, जहां वे पुत्र प्राप्ति की कामना के साथ भगवान शिव की विशेष पूजा करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां कभी असफल नहीं जाती और भगवान शिव अपने भक्तों की मनोकामनाएं अवश्य पूरी करते हैं।

पूरे दिन शिवालयों में श्रद्धालु परिवार समेत आते रहे और श्रद्धा के साथ पूजा-पाठ करते रहे। मंदिरों में भक्तों की सेवा और व्यवस्था में स्थानीय समितियों और स्वयंसेवकों की भूमिका भी सराहनीय रही, जिन्होंने मंदिर परिसरों में सफाई, जल वितरण और मार्गदर्शन का कार्य पूरी निष्ठा से किया।

नगर पालिका को डंपिंग जोन की जरूरत पालिकाध्यक्ष ने की भूमि आवंटन की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने जिलाधिकारी से नगर क्षेत्र के लिए डंपिंग जोन आवंटित करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि नगर में भवन निर्माण और अन्य निर्माण कार्यों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

जिससे निर्माण सामग्री का मलबा कू जैसे मिट्टी, पत्थर और बालू क बड़ी मात्रा में निकल रहा है। डंपिंग जोन न होने के कारण यह मलबा सड़कों, नालियों और खुले स्थानों में अव्यवस्थित ढंग से फेंका जा रहा है, जिससे न केवल स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि बारिश के दौरान यह मलबा बहकर नालियों को जाम कर देता है और सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं।

रावत ने सुझाव दिया है कि हुंगीधार में वन विभाग की जो खाली भूमि पड़ी है, उस पर नगर पालिका को डंपिंग जोन स्थापित करने की अनुमति दी जाए।

यह स्थान डंपिंग जोन के लिए उपयुक्त है और इससे नगर की सफाई व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

राज भवन में सम्मानित हुआ एनसीसी कैडेट

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज का छात्र सचिन उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.)द्वारा देहरादून राजभवन में हुआ सम्मानित

पीएमश्री राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी के 12 वी के छात्र और एनसीसी कैडेट सचिन ने मात्र 16 वर्ष की आयु में 18 मई 2025 को प्रातः 4:06 पर विश्व के सर्वोच्च पर्वत शिखर माँउंट एवरेस्ट (8848. 863) जिसे नेपाल में सागरमाथा कहते है पर सफल आरोहण कर अपने विद्यालय पीएमश्री राजकीय आदर्श कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी सहित अपने माता पिता, अपने गांव दडमाली पुजारगांव धनारी ब्लॉक

डुंडा सहित सीमान्त जिला उत्तरकाशी एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग का नाम रोशन किया स

छात्र की यह उपलब्धि इसलिऐ भी महत्वपूर्ण है कि यह छात्र NCC Boys Girls Mount Everest pedition 2025 में सबसे कम उम्र का एवरेस्ट विजेता पर्वतारोही रहा, साथ ही यह छात्र उत्तराखण्ड राज्य का अभी तक का सबसे युवा एवरेस्ट विजेता है जिसने एवरेस्ट पर अपने देश भारत, अपने प्रदेश उत्तराखंड, एनसीसी और अपने विद्यालय झंडा फहराया हैं यह युवा आज के छात्र छात्राओं के लिए एक प्रेरणा श्रोत हैं ।

देहरादून राजभवन में आयोजित सम्मान समारोह में उत्तराखंडी के राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज के छात्र कैडेट सचिन को उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.)द्वारा इस ऐतिहासिक उपलब्धि एवं उत्कृष्ट प्रदशन हेतु सम्मानित किया गया।

सीमान्त उत्तरकाशी जनपद के छात्र सचिन को राजभवन में राज्यपाल द्वारा सम्मानित होने पर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, जिला शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र अमोली, बीईओ भटवाड़ी हर्षा रावत, सहित एनसीसी बटालियन उत्तरक. शी कमान अधिकारी कर्नल मयंक धस्माना, एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल एल.बी.मल्ल, कीर्ति इंटर के प्रधानाचार्य एवं एनसीसी अधिकारी कैप्टेन एल.पी.एस. परमार ने खुशी जाहिर की और इस अवसर पर उत्तराखंड के सबसे युवा एवरेस्ट विजेता छात्र कैडेट सचिन से छात्र छात्राओं एवं युवाओं को प्रेरणा लेने हेतु अपील की।

विद्यालय प्रधानाचार्य परमार ने बताया की राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी ने उत्तराखंड के सबसे युवा एवरेस्ट विजेता सचिन के अलावा भी ग्राम नाकुरी बरसाली निवासी प्रथम भारतीय महिला एवरेस्ट विजेता बचेंद्री पाल एवं एवरेस्ट सहित विश्व की पांच सर्वश्रेष्ठ पर्वत चोटी पर फतह करने वाले रिकॉर्ड बनाने वाले अगोड़ा निवासी प्रवीन राणा भी इस विद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं।

श्वेता बेंजवाल व अंकिता नेगी का राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान मुंबई द्वारा आयोजित नॉर्थ जोन स्तरीय राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2025 में डॉ पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के दो छात्राओं श्वेता बेंजवाल व अंकिता नेगी का चयन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता हेतु हुआ है । प्रतियोगिता के संदर्भ में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डीएस नेगी ने बताया कि एन.आई. एस.एम. द्वारा छात्र-छात्राओं को स्टॉक मार्केट की जानकारी देने हेतु माह सितंबर 2024 में महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं आई.क्यू.एसी. के संयुक्त तत्वावधान मे 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें 107 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था।

इसके पश्चात कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ ऋचा जैन ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता गत दिवस 26 एवं 27 जुलाई को एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम में आयोजित की गई जिसमें नॉर्थ जोन की 55 टीमों ने प्रतिभाग किया था । प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर स्तर पर एमए अर्थशास्त्र की छात्रा श्वेता बेंजवाल व अंकिता नेगी ने अपने ज्ञान का परिचय देते हुए अंतिम चरण की बाधा पार करते हुए उच्च स्तर हेतु चयनित हुए हैं, अब ये छात्राएं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी ।

सूबे के 550 सरकारी स्कूलों को गोद लेंगे उद्योगपतिः डॉ. रावत

आगामी 30 जुलाई को राज्यपाल व मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होगा एमओयू

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड के करीब 550 राजकीय विद्यालयों को कॉरपोरेट समूह गोद लेकर उन्हें साधन सम्पन्न बनायेंगे। इसके लिये राज्य सरकार ने उत्तराखंड के विभिन्न उद्योग समूहों से वार्ता कर पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। आगामी 30 जुलाई को उत्तराखंड राजभवन में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में राज्य के 550 से अधिक उद्योग. पतियों को आमंत्रित किया गया है। जहां पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कॉरपोरेट समूहों व शिक्षा विभाग के मध्य राज्य के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों को गोद लेने को लेकर एमओयू हस्ताक्षरित किये जायेंगे।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि राज्य सरकार शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने के लिये उद्योग जगत के साथ मिलकर एक नई पहल शुरू करने जा रही है। जिसके तहत सूबे के करीब 550 राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों को कॉरपोरेट समूह से जोड़ा जा रहा है। इनमें से अधिकतर विद्यालय पर्वतीय क्षेत्र के शामिल किये गये हैं, ताकि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अवस्थित इन विद्यालयों में सीएसआर फण्ड से अवस्थापना सुविधाओं के साथ-साथ मॉडल क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, साइंस लैब, पुस्तकालय, फर्नीचर, शौचालय, खेल सामग्री, खेल मैदान व चाहरदीवारी आदि सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके। राज्य सरकार ने सूबे के करीब 550 उद्योग. पतियों से सम्पर्क कर इस संबंध में सैद्धांतिक सहमति बना ली है।

जिसके क्रम में आगामी 30 जुलाई को उत्तराखंड राजभवन में राज्यपाल ले.ज. (से.नि.) गुरमीत सिंह की अध्यक्षता एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में उद्योग समूहों के साथ एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सूबे के विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रदेशभर के उद्योग समूहों के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड के माध्यम से सूबे के विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं के साथ एक नई पहचान दिलाना है। इस पहल के तहत प्रत्येक उद्योग समूह एक प्राथमिक व एक माध्यमिक विद्यालय को गोद लेकर उनमें सभी आधारभूत एंव आधुनिक सुविधाएं मुहैया करायेंगे। ताकि पर्वतीय क्षेत्रों के दुर्गम विद्यालयों में अध्ययरत प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं को आज की आवश्यकताओं एवं नई शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। डॉ. रावत ने बताया कि सूबे में करीब 559 विद्यालय ऐसे हैं जिनमें विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। ऐसे विद्यालयों को उद्योग समूहों से जोड़ने के उपरांत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप और बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

प्रवासी उत्तराखंडी भी जुड़ सकते हैं इस मुहिम से

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि उद्योगपतियों के साथ-साथ देश-विदेश में बसे प्रवासी उत्तराखंडी भी इस अभियान में भाग ले सकते हैं। उन्होंने प्रवासी उत्तराखंडियों से अपील की कि वे आगे आकर राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों को गोद लें और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में योगदान दें। डॉ. रावत ने कहा कि समृद्ध व सक्षम प्रवासी उत्तराखंडी आगामी 30 जुलाई को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर इस मुहिम का हिस्सा बन सकते हैं, या फिर शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर अपने गांव या आसपास के किसी एक सरकारी स्कूल को गोद लेकर वहां आधुनिक संसाधन उपलब्ध करा सकते हैं।

मनसा देवी घटना पर मंदिर समिति पर हो हत्या का मुकदमाः चमोली

मात्र प्रबंधन कमेटी धन अर्जित करने के लिए नहीं बनाई गईः संदीप

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट संदीप चमोली का कहना है कि हरिद्वार में माँ मनसा देवी में जो घटना घटी है वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। 8 श्रद्धालु की मृत्यु हो गई और सैकड़ों श्रद्धालु घायल हैं। कहीं ना, कहीं मंदिर का संच. ालन करने वाली प्रबंधन कमेटी मात्र आर्थिक सहायता की घोषणा करके अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती।

संदीप चमोली ने कहा कि मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालु की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी पूर्ण रूप से प्रबंधन कमेटी पर होती है, जिसमें प्रबंधन कमेटी पूर्ण रूप से विफल रही है। सरकार को तत्काल प्रभाव से मनसा देवी मंदिर का संचालन बीकेटीसी को देना चाहिए व साथ ही साथ, घटना में मंदिर समिति की जिम्मेदारी तय करते हुए मुकदमा दर्ज करना चाहिए। मात्र प्रबंधन कमेटी धन अर्जित करने के लिए नहीं बनाई गई है। इनका मुख्य काम श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुविधा करना होता है, मगर सुविधाओं के नाम पर सुरक्षा के नाम पर मंदिर समिति कोई भी कार्य नहीं करती है।

नगर आयुक्त ने किया निगम वर्कशॉप का औचक निरीक्षण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर निगम देहरादून की नगर आयुक्त नमामि बंसल ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के नियमित रख-रखाव में लापरवाही की शिकायतों के मद्देनजर मयूर विहार स्थित नगर निगम वर्कशॉप का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त नमामि बंसल ने वर्कशॉप में तैनात कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और स्पष्ट रूप से आदेशित किया कि तीन दिनों के भीतर सभी डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों की मरम्मत और रख-रखाव कार्य पूरा किया जाए। इसके अतिरिक्त, जो वाहन तीन दिनों के भीतर वर्कशॉप में ठीक नहीं किए जा सकते, उनकी अलग से रिपोर्ट तैयार कर संबंधित कंपनियों को भेजने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें तत्काल ठीक करवाकर सेवा में पुनः लगाया जा सके। नगर आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सेवा में किसी प्रकार की बाधा या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा, और इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर उत्तरदायित्व तय किया जाएगा।

'द डिफरेंस इज डायसन' का किया प्रदर्शन

देहरादून। ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी, डायसन ने आज अपना 'द डिफरेंस इज डायसन' कैंपेन शुरू किया। इस फिल्म में डायसन ब्यूटी एम्बेसडर दीपिका पादुकोन हैं। डायसन के इस कैंपेन में हर तरह के हेयर टाइप वाले लोगों को डायसन के प्रोडक्ट्स द्वारा बिना किसी हीट डैमेज के बेहतरीन स्टाइलिंग का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। डायसन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, अंकित जैन ने कहा, "हमारा कैंपेन 'द डिफरेंस इज डायसन' विभिन्न व्यक्तित्वों को आमंत्रित करके उन्हें निखारता है। यह इनोवेशन के लिए डायसन की प्रतिबद्धता पर जोर देता है, तथा हेयर स्टाइलिंग रेंज ग्राहकों के करीब लेकर आता है।

राज्य में त्योहारों को लेकर आईजी गढ़वाल अलर्ट, किए आदेश जारी

गढ़वाल परिक्षेत्र के समस्त पुलिस कप्तानों को दिए निर्देश, कहा- लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। गढ़वाल परिक्षेत्र के सभी जनपद प्रभारियों को विभिन्न अवसरों पर आयोजित होने वाले त्यौहारों, पर्वो, स्नान, धार्मिक कार्यक्रमों आदि के फलस्वरूप जनपदों में श्रद्धालुओं के सुचारू आवागमन एवं व्यवस्थित संचालन के चलते गढ़वाल परिक्षेत्र के सभी जनपद प्रभारियों को पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गढ़वाल परिक्षेत्र के आईजी ने बताया कि परिक्षेत्र के जनपदों में स्थित धार्मिक स्थलों में धार्मिक आस्था का आयोजन होता है तथा अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं / आस्थावान व्यक्तियों का धार्मिक स्थलों पर आवागमन बना रहता है जिस कारण धार्मिक स्थलों पर भारी संख्या में भीड़ एकत्रित हो जाती है। ऐसे आयोजनों के अवसर पर पूर्व में कतिपय स्थानों पर भगदड़ जैसी घटनायें घटित होनी भी प्रकाश में आयी हैं। जनपदों में स्थित धार्मिक स्थलों पर किसी भी सम्भावित भगदड़ अथवा घटना के चलते निर्देश दिए गए हैं कि न धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, किसी आकस्मिक घटना की रोकथाम के सम्बन्ध में अपने-अपने जनपदों में ठोस कार्ययोजना तैयार कराकर तदनुसार धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए व्यवस्थायें सुनिश्चित करायी जाये। जनपदों में स्थित प्रत्येक धार्मिक स्थलों का स्थानीय पुलिस एवं अभिसूचना इकाई के माध्यम से चिन्हींकरण कराया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करा लिया जाये कि किन-किन धार्मिक स्थलों पर किन पर्व, त्यौहार अथवा सामान्य अवसरों पर कितनी-कितनी भीड़ एकत्रित होती है, और तदनुसार पर प्रत्येक धार्मिक स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए ठोस कार्ययोजना (एसओपी) तैयार करायी जाये।तैयार की गयी कार्ययोजना के अनुरूप धार्मिक स्थल के लिए भीड़ का आंकलन कर स्थानीय जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर प्रत्येक 15 दिवस में क्षेत्राधिकारी के माध्यम से सुरक्षा ऑडिट कराया जाये।

इस सुरक्षा ऑडिट में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं किसी अन्य घटना के दृष्टिगत सभी पहलुओं पर गहनता से समीक्षा करते हुये तदनुसार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये।धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में स्थानीय अभिसूचना इकाई के माध्यम से भी सूचनाओं का संकलन करायें तथा प्राप्त महत्वपूर्ण सूचनाओं के आधार पर यथोचित कार्यवाही समय से करायी जाये।

नेपाली को दून वासी बनाकर करा दिया जमीन का बैनामा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। अभिलेखों में छेड़छाड़ कर दिल बहादुर व्यक्ति का खिम बहादुर बनाकर जमीन का बैनामा करने के बाद घोटाला करने वाली पूर्व महिला प्रधान लीला शर्मा के विरुद्ध पीड़ित जितेंद्र कुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर इस मामले की जांच व आरोपी पूर्व महिला प्रधान के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की मांग की।जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए जितेंद्र कुमार निवासी विवेक विहार बल्लीवाला चौक ने बताया कि ग्राम सभा गल्जवाड़ी थाना कैंट में स्थित एक जमीन का फर्जीवाड़ा कर पूर्व प्रधान लीला शर्मा ने नेपाल से एक व्यक्ति को बुलाकर उसका नाम बदलकर देहरादून का वासी दिखाने के बाद जमीन का बैनामा करा दिया था।

आरोप है कि पूर्व प्रधान लीला शर्मा ने तत्काल प्रधान रहते हुए नेपाल से एक व्यक्ति को बुलाया जिसका नाम खिम बहादुर पुत्र जय नारायण निवासी गल्जवाड़ी दर्शाकर जमीन के असली मालिक दिल बहादुर की जगह दर्शाकर बैनामा कराया था। बताया गया है कि नेपाल में उक्त व्यक्ति का नाम याम बहादुर पांडेल छेत्री पुत्र नर बहादुर छेत्री है। वर्ष 2011 में उक्त नेपाली आरोपी व्यक्ति का खाता खुलवाकर भूमि विक्रिया कराया गया। यह मामला जब सामने आया तो पीड़ित ने भी इस मामले की एसआईटी मे जांच कराई।जांच में भी यह मामला साफ हो गया कि जमीन के इस मामले में पूर्व प्रधान ने अपना खेल खेला है और प्रशास. निक अधिकारियों से साथ गांठ कर धोखाधड़ी के इस मामले को दबाने का प्रयास किया गया।

अब पीड़ित ने जिलाधिकारी सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी इस मामले में पूर्व महिला प्रधान लीला शर्मा के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की मांग की है। धोखाधड़ी कर फर्जी तरीके से नाम बदलकर जमीन को बेचने का यह मामला ग्राम गल्जवाड़ी में चर्चाओं का विषय बना है।

ग्राम गल्जवाड़ी का है ये मामला

कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम गल्जवाड़ी में तत्कालीन प्रधान लीला शर्मा पर आरोप लगा है कि अभिलेखों में छेड़छाड़ कर खाता खतौनी संख्या 99 फसली वर्ष 1383 खसरा संख्या 41 व 362 स्थित मौजा गल्जवाड़ी परगना केंद्रीयदून में फर्जीवाड़ा किया गया। आरोप है कि इस जमीन का 2011 में नेपाल निवासी याम बहादुर पांडेल छेत्री को फर्जी तरीके से निवासी गल्जवाड़ी दर्शाकर फर्जी तरीके से बैनामा कराया गया। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी पूर्व प्रधान सहित कई के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही के लिए शिकायती पत्र दिए।

डीएम के दरबार में अपनी शिकायत लेकर पहुंचा फरियादी

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता ऋषिपर्णा सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता दर्शन में अधिकतर शिकायत आपसी विवाद, भूमि, कब्जा अतिक्रमण सहित पुलिस, एमडीडीए, नगर निगम, सिंचाई, जल संस्थान आदि विभागों से सम्बन्धित प्राप्त हुई। तहसील त्यूनी निवासी बंसत शर्मा ने अपनी शिकायत में बातया कि नवोदय विद्यालय एन्टरेंस एक्साम के लिए सेंटर चकराता में है जबकि बच्चों को त्यूनी से चकराता आना पड़ता है पिछली बार जिला प्रशासन ने वाहन की व्यवस्था कराई थी तथा 27 बच्चों का चयन हुआ था।

गर्भावस्था में हेपेटाइटिस का टीका लगाना जरूरी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वर्ल्ड हेपेटाईटिस डे के अवसर पर सोसायटी फॉर हैल्थ एजुकेशन एंड वूमैन इमपावरमेन्ट ऐवेरनेस की और से संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन एवं मैटरनिटी सेन्टर में गर्भावस्था के दौरान हेपेटाइटिस रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता 100 अचीवर्स ऑफ इंडिया से सम्मानित डॉ. सुजाता संजय स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बीमारी है।

विश्व भर में लगभग 500 मिलियन व्यक्ति हेपेटाइटिस 'बी' अथवा हेपेटाइटिस 'सी'(प्रत्येक 12 व्यक्ति में 1) नामक वायरस से प्रभावित हैं एवं वर्ष भर में लगभग 1 मिलियन व्यक्ति इसके कारण मौत का शिकार हो रहे है। हर साल भारत में लगभग ढ़ाई लाख लोग इस बीमारी से मौत का शिकार बनते हैं। 70 से 80 फीसदी लोगों में हेपेटाइटिस के लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। लीवर या जिगर शरीर के सबसे बड़े आंतरिक अंगों में से एक है और यह शरीर को विषाक्त पदार्थो से छुटकारा दिलाने सहित 500 से अधिक तरह के कार्य करता है।

देहरादून में ओर खुली 17 नई सस्ता गल्ला दुकानें

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के प्रयासों से शहरी क्षेत्र में 17 नई राशन की सस्ते गल्ले की दुकानें खुल गई हैं। जिलाधिकारी ने पूर्ति कार्यालय में सरकारी सस्ते गल्ले की नई दुकानों के लिए प्रस्तावित दबी फाईल को निकालते हुए टैण्डर प्रक्रिया जारी करवाई थी फलस्वरूप अब नई दुकाने खोली जा रही हैं जिसस परिवारों को रोजगार के साथ ही महिलाएं, बजुर्ग; वांछित वर्ग को सहूलियत मिलेगी। जिलाधिकारी ने नई सस्ता गल्ला की राशन दुकानों के लिए टेण्डर करने के निर्देश दिए थे जिसके क्रम में समुचित प्रक्रिया सम्पादित करते हुए 17 दुकानों के आवंटन कर दिए गए है।

भाजपा प्रत्याशी बनाएंगे नया रिकॉर्ड : जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत द्वितीय चरण के मतदान दिवस के अवसर पर मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया की जानकारी ली।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड में विकास के जो ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, उनका सीधा प्रभाव इस पंचायत चुनाव में देखने को मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी इस बार रिकॉर्ड मतों से विजय हासिल करेंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र मसूरी में जिला पंचायत की तीनों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों की दमदार जीत हो रही है।

मंत्री जोशी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के कल्याण के लिए जो योजनाएं धरातल पर उतारी हैं, उससे जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। यही विश्वास इस पंचायत चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत का आधार बनेगा।

जोशी ने सपत्नीक किया भगवान शिव का जलाभिषेक

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने श्रावण मास के सोमवार के पावन अवसर पर न्यू कैंट रोड स्थित माता मंदिर में धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वोत्तम काल है। उन्होंने कहा कि सावन में शिवजी का जलाभिषेक करने से मन की शांति मिलती है और सभी प्रकार के कष्टों का निवारण होता है।

माया देवी विवि में 'राआबेस्ड-2025' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। माया देवी विश्वविद्यालय देहरादून में पर्यावरण-अनुकूल विकास के लिए कृषि, जैविक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञानों में नवीनतम प्रगति (राआबेस्ड-2025) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय 11वां अंत. रराष्ट्रीय सम्मेलन समाप्त हो गया है। सम्मेलन का उद्देश्य कृषि, जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञानों में सतत नवाचारों तथा पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देना रहा।

इस सम्मेलन में भारत और नेपाल सहित कई देशों के विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के संरक्षक कुल. पति प्रो. (डॉ.) आशीष सेमवाल रहे, जबकि प्रतिकुलपति प्रो. संदीप विजय सह-संरक्षक के रूप में उपस्थित थे। वहीं, डॉ. छत्रपाल सिंह, अध्यक्ष, एईडीएस (आयोजन सचिव) डॉ. सर्वेश रुस्तगी, प्रोफेसर, माया देवी विवि (मुख्य संयोजक), डॉ. संजय कुमार झा, त्रिभुवन विवि, नेपाल (प्रमुख अंत. रराष्ट्रीय सलाहकार समिति सदस्य) आदि ने मुख्य भूमिका निभाई। सम्मेलन के दौरान जलवायु-अनुक. ूल तकनीक, कृषि उद्यमिता, पर्यावरणीय जैव-प्रौद्योगिकी और सतत कृषि जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र, मुख्य भाषण और विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। इस आयोजन को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आईजीएफआरआई झांसी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पासीघाट, हिमालयी घासभूमि अनुसंधान केंद्र पालमपुर व एईडीएस रामपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग प्राप्त हुआ।

दूसरे दिन की मुख्य अतिथि डॉ. तृप्ति जुयाल सेमवाल रहीं, जिन्होंने पर्यावरण-अनुकूल वैज्ञानिक प्रयासों की सराहना करते हुए अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ने माया देवी विश्वविद्यालय की वैश्विक सहभागिता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और पर्यावरण के प्रति समर्पण को उजागर किया।

तेज रफ्तार बस ने छीनी बेटी की जिंदगी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दून शहर में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। शिमला बायपास चौक पर तेज गति और लापरवाही से आ रही एक बस ने स्कूटी सवार युवती को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय लाइबा नूर पुत्री वाकत खान निवासी मानकमऊ, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) सोमवार को स्कूटी पर सवार होकर आईएसबीटी देहरादून की ओर जा रही थी। जैसे ही वह शिमला बायपास चौक पर पहुँची, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक लापरवाह बस ने उसे टक्कर मार दी और कुचलते हुए निकल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी सदर अंकित कंडारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुँची और बस चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। वहीं, युवती के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।घटना की खबर जैसे ही मृतका के परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित वैधता के बीच वक्फ संपत्तियों की अपलोडिंग का प्रशिक्षण शुरू

'उम्मीद पोर्टल' पर वक्फ संपत्तियों की अपलोडिंग का दिया जा रहा प्रशिक्षण

उत्तराखंड में 200 से अधिक वक्फ प्रबंधकों को मिलेगा प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, फिर भी भारत सरकार ने इस कानून के तहत वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 5 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की स्वीकृति के साथ यह कानून प्रभावी हुआ, जिसे पहले 8 अगस्त 2024 को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया था। अब यह 8 अप्रैल 2025 से संपूर्ण भारत में लागू हो चुका है। भारत सरकार ने सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने वक्फ प्रबंधकों (मुतवल्ली, प्रशासक, अध्यक्ष) को 'उम्मीद पोर्टल' के माध्यम से वक्फ संपत्तियों की जानकारी अपलोड करने को प्रशिक्षित करें।

वही ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मामले के सुप्रीम कोर्ट में होने का हवाला देते हुए अभी उम्मीद पोर्टल पर वक्फ जायदादों का विवरण जमा कराने से बचने को कहा है। जहाँ एक ओर सरकार वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता के नाम पर डिजिटलीकरण को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय के कई संगठनों की ओर से इस प्रक्रिया को लेकर कानूनी और संवैधानिक आपत्तियाँ जताई जा रही हैं।

29 जुलाई से 2 अगस्त तक चलेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

देहरादून। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सैयद शिराज उस्मान के अनुसार, पहले चरण में 200 से अधिक वक्फ प्रबंधकों को आईसीटी लैब, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ननूरखेडा देहरादून में प्रशिक्षित किया जाएगा। 29 जुलाई को जिला उधमसिंह नगर, 30 जुलाई को देहरादून, 31 जुलाई को हरिद्वार व 2 अगस्त को नैनीताल और अन्य पर्वतीय जनपद के प्रबंधकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। बाद में अन्य शेष प्रबंधकों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

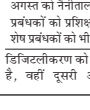

क्या है प्रशिक्षण का उद्देश्य

देहरादून। मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी के माध्यम से पोर्टल एक्सेस करना अनिवार्य किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान वक्फ प्रबंधकों को सिखाया जाएगा कि कैसे वे अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी के जरिए ओटीपी द्वारा प्रमाणीकरण कर उम्मीद पोर्टल पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके बाद वे अपने अधीनस्थ वक्फ और संपत्तियों की जानकारी पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। प्रत्येक वक्फ प्रबंधक को प्रत्येक वक्फ संपत्ति की जानकारी अलग-अलग दर्ज करनी होगी। यह प्रणाली भविष्य में पोर्टल के निरंतर उपयोग के लिए एक बुनियादी ढांचा तैयार करेगी।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने उठाया आपत्ति का स्वर

देहरादून। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने स्पष्ट किया है कि चूंकि वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और इसके खिलाफ कई संवैधानिक याचिकाएं दायर हैं, इसलिए उम्मीद पोर्टल पर संपत्तियों का पंजीकरण फिलहाल न किया जाए। बोर्ड का कहना है कि सरकार की ओर से मुतवल्लियों पर पंजीकरण का दबाव डालना अदालत की अवमानना जैसा है और यह कानून संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है।

मनसा देवी मंदिर में हादसे के बाद सजग हुआ प्रशासन

डीएम व एसएसपी ने मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर में हुए हादसे में 8 लोगों की मौत और 30 लोगों के घायल होने के बाद प्रशासन सजग हो गया है। सोमवार को मां मनसा देवी एवं चण्डी देवी में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन करने एवं सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थति ढंग से करने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने मनसा देवी का पैदल निरीक्षण कर मन्दिर समिति एवं सम्बन्धित अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मनसा देवी का निरीक्षण करते हुए मन्दिर समिति के पदाधिकारियों को निर्देश दिये कि मन्दिर परिसर में जो भी दुकानें संचालित हो रही हैं उन दुकानों को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रथम तक में स्थापित दुकान को श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु बंद करते हुए बैठने की व्यस्था करने व प्राथमिक उपचार संबंधी सुविधाएं विकसित करने को कहा। उन्होंने मन्दिर समिति एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थति ढंग से दर्शन कराये जाने हेतु बैठक कर इसका प्लान तैयार कर ले। उन्होंने निर्देश दिये कि मन्दिर परिसर में उपलब्ध स्थान के अनुसार ही श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जाए। अनावश्यक

भीड़ न लगने दी जाएं, श्रद्धालुओ की संख्या सीमित कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पैदल मार्ग में किसी भी प्रकर का अतिक्रमण न हो ताकि श्रद्धालुओं के सरल सुगम आवागमन हेतु प्रॉपर स्थान मिले। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पुजारी व अन्य स्टाफ के वाहन मनसा देवी परिसर के स्थान पर मनसा देवी चौकी के पास ही पार्क किए जाएं। मन्दिर परिसर एवं सड़क किनारे वाहन किसी भी दशा में खडे न किए जाये। उन्होंने मन्दिर परिसर से लेकर पैदल मार्ग में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने पैदल मार्ग में श्रद्धालुओं को पीने के पानी की व्यवस्था एवं बैठने की व्यवस्था एवं शौचालय की व्यवस्था को स्थान चिन्हित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मनसा देवी हेतु पैदल यात्रा के लिए सीढ़ियों के स्थान पर दूसरे पैदल मार्ग का उपयोग करने, सीढ़ी मार्ग को आपात स्थिति के लिए रिजर्व रखने के निर्देश दिए।

चण्डी देवी मन्दिर का निरिक्षण के दौरान मन्दिर समिति के प्रदाधिकारियों को मन्दिर परिसर में जो भी दुकानें मार्ग को अवरूद्ध कर रही हैं उन्होंने हटाने के निंदेश दिये। जिससे कि श्रृदालुओं को सुगमता से मां चण्डी देवी के दर्शन हो सके। उन्होंने कहा कि मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन के लिए व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कराये जाने के लिए मन्दिर के पदाधिकारियों पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाए जिसके लिए सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थति ढंग से किया जा सकें। निरीक्षण के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी वैभव कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर पंकज गैरोला, पुलिस उपाधीक्षक नगर शिशुपाल सिंह नेगी, सीओ एसपी बलूनी, महंत भवानी नन्द गिरी, पुजारी महेश दूबे, हरिद्वार कोतवाली एसएचओ रितेश शाह, श्यामपुर एसएचओ नितेश शर्मा, हरकी पौड़ी चौकी इंचार्ज संजीत कंडारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सैनी आश्रम को लेकर जारी विवाद के बीच सैनी समाज ने की बैठक

अलग-अलग संस्थाएं हैं जिला सैनी सभा और सैनी आश्रम : अजय कुमार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सैनी आश्रम को लेकर जारी विवाद के बीच ग्राम शाहपुर शीतलाखेड़ा में सैनी समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रबंध समिति के मंत्री इंजीनियर अजय कुमार ने कहा कि जिला सैनी सभा और सैनी आश्रम अलग-अलग संस्थाएं हैं। सैनी आश्रम की नियमावली अलग बनाए जाने के लिए जिला सैनी सभा ने पांच बार प्रस्ताव पास किया। अजय कुमार ने कहा कि जिला सैनी सभा ने एक प्रस्ताव पास कर उन्हें सैनी आश्रम की नियमावली बनाकर उसे उसे उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत कराने के लिए अधिकृत किया था। इसके उपरांत नियमावली बनाकर पंजीकृत कराया गया। नियमावाली में कुछ शंकाएं थी। जिनका प्रबंध समिति की बैठक में प्रस्ताव पास कर निराकरण कर दिया गया। इस प्रस्ताव के तहत सैनी समाज का कोई भी व्यक्ति प्रबंध समिति में आजीवन या साधारण सदस्य बन सकता है और किसी भी पद पर चुनाव लड़ सकता है। अजय कुमार ने कहा कि कुछ लोग जो सैनी आश्रम के पैसे को हड़पना चाहते हैं। कमेटी चोरी से बनायी गयी। लोगों के हस्ताक्षर असली नहीं है। मंत्री ने कमेटी में अपने सभी रिश्तेदारों को रख लिया है आदि दुष्प्रचार कर समाज में अनेक प्रकार की भ्रांतिया फैला रहे हैं। प्रबंध समिति में पूर्व मंत्री रामसिंह सैनी सदस्य नहीं है। केवल उनके पोत्र प्रोफेसर देवेंद्र प्रताप सिंह समिति के सदस्य हैं। अजय कुमार ने कहा कि सैनी आश्रम की नियमावली को पहली बार अलग से बनाया गया है तो यह एक फाउंडर कमेटी है। विधि विशेषज्ञों की राय लेकर नियमानुसार नियमावली बनायी गयी और कमेटी का गठन किया गया। इसलिए कमेटी को भंग करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग गुंडागर्दी के बल पर सैनी आश्रम पर कब्जा करना चाहते हैं। उन्हें उनकी भाषा में जवाब दिया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता टेकचंद सैनी और संचालन शेषराज सैनी ने किया। बैठक में पूर्व ब्लाक प्रमुख बीरसिंह सैनी, संजय कुमार सैनी, विकास प्रधान, रणवीर सैनी, पवन सिंह, राजवीर, सूर्यकांत सैनी, राजू, बाबूराम सैनी, डा.ऋषिपाल सैनी, मनोज सैनी, केपी सैनी, अनिल कुमार, अजय कुमार सैनी, चन्द्रमोहन राणा, आदेश सैनी, बोबी सैनी, विजयपाल सैनी, जगपाल सैनी, डा.राजेंद्र सैनी, पदम आदि मौजूद रहे।

मनसा देवी और बाराबंकी मंदिर हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुनील सेठी एवं श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने मनसा देवी मंदिर एवं यूपी के बाराबंकी में मंदिर में हुई घटना पर शोक व्यक्त करते हुए गंगा में दीपदान कर मृतक श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि दी और मृतकों आत्मा की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। इस दौरान पंडित अधीर कौशिक एवं सुनील सेठी ने केंद्र सरकार से मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ठोस नीति लागू करने की मांग भी की। सुनील सेठी ने कहा कि मां मनसा देवी मंदिर और बाराबंकी में मंदिर में घटनाओं से सबक लेते हुए मंदिरों में भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्थाएं करने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो उसके लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि मंदिर परिसरों में ऐसी घटनाओं से श्रद्धालुओं में डर का माहौल है। मासूम लोग आस्था के साथ मंदिरों में आते है। मंदिरों में भगदड़ की घटनाओं में अपनो को खोने वाले परिवारों को कोई नहीं समझ सकता है। मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उपाय लागू किए जाएं। जिससे मंदिरों और तीर्थों पर जाने वाले श्रद्धालु बेफिक्र होकर अपनी यात्रा संपन्न कर सके। इस दौरान प्रीतकमल, सोनू चौधरी, युवराज बिष्ट, कुलदीप कृष्ण चौहान, विनोद जोशी, बृजमोहन शर्मा, सुनील मनोचा, एसएन तिवारी, लालजी यादव, एसके सैनी आदि शामिल रहे।

भगवान शिव और मां काली की कृपा से मिलती अटूट साधना की शक्ति : कैलाशानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री दक्षिण काली मंदिर में आयोजित निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी की पूरे सावन चलने वाली शिव साधना निरंतर जारी है। सोमवार को स्वामी कैलाशानंद गिरी ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मनसा देवी हादसे के मृतकों को शिवधाम में स्थान देने की प्रार्थना की। स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव और मां काली की कृपा से उन्हें लगातार अटूट साधना करने की शक्ति मिलती है। भक्तों के एक लोटा जल अर्पित करने से ही प्रसन्न हो जाने वाले भगवान शिव अत्यन्त सरल और भोले हैं। इसलिए उन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए अधिक कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। सद्मार्ग पर चलते हुए विधिवत भगवान शिव की आराधना करें। सोमवार को स्वामी कैलाशानंद गिरी ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मनसा देवी हादसे के मृतकों को शिवधाम में स्थान देने की प्रार्थना की। स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव और मां काली की कृपा से उन्हें लगातार अटूट साधना करने की शक्ति मिलती है। भक्तों के एक लोटा जल अर्पित करने से ही प्रसन्न हो जाने वाले भगवान शिव अत्यन्त सरल और भोले हैं। इसलिए उन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए अधिक कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। सद्मार्ग पर चलते हुए विधिवत भगवान शिव की आराधना करें। जरूरतमंदों की मदद करें। माता पिता की सेवा करें। सद्मार्ग पर चलने वालों पर भगवान शिव हमेशा कृपा करते हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी के शिष्य स्वामी अर्वतिकानंद ब्रह्मचारी ने कहा कि श्री दक्षिण काली मंदिर में मां काली के साथ भगवान शिव भी साक्षात रूप से विराजमान हैं। मंदिर में विधि विधान से आराध ना करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

दहेज उत्पीड़न : महिला ग्राम प्रधान से पति ने की मारपीट, घर से निकाला

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। दहेज उत्पीड़न को लेकर महिला ग्राम प्रधान के साथ मारपीट कर घर से निकाला मामले में पीड़ित महिला प्रधान ने पुलिस को तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई है। सोमवार को महिला ग्राम प्रधान बादशाहपुर ने पथरी पुलिस को तहरीर देकर बताया मेरा विवाह दिनांक आठ अप्रैल 2017 को जावेद उर्फ गुड्डू पुत्र जाफिर निवासी ग्राम बादशाहपुर के साथ मुस्लिम रिति रिवाज के अनुसार हुआ था। विवाह में प्रार्थीया के मायके वालों ने लगभग 7 लाख रूपये खर्च करके जावेद उर्फ गुड्डू के परिवार वालों को काफी दान दहेज दिया था परन्तु जावेद उर्फ गुड्डू के पिता जाफिर, माता बरजलीसा, भाई जहांगीर, शादी में दिये गये दान दहेज से खुश नही थे और शादी के समय से ही महिला के साथ ताना कशी व मारपीट किया करते थे तथा मायके से स्विफट कार लाने के लिए कहा करते थे। महिला ग्राम बाहदशाहपुर की निर्वाचित ग्राम प्रधान है। पति जावेद उर्फ गुड्डू व ससुर जाफिर महिला प्रधान के फर्जी हस्ताक्षर पंचायत के दस्तावेजों पर करते है। इन लोगों को कई बार मना किया तो इन लोगों ने दिनांक रविवार को करीब सुबह 9 बजे इन सब लोगों ने प्रार्थीया को कहा कि अपने पिता से 8 लाख रूपये लाने को कहा प्रार्थीया ने मना किया तो जावेद उर्फ गुड्डु उसके पिता जाफिर, माता बरजलीसा, भाई जहांगीर, ने मां-बहन की गन्दी गन्दी गाली देते हुए प्रार्थीया को मारना पीटना शुरू कर दिया और फिर कमरे में बन्द कर दिया और शाम को घर से निकाल दिया। किसी तरह अपने मायके पहुंची और फेरूपुर चौकी पर गयी जहां से मेडिकल के लिए पर्ची देकर पुलिस ने सरकारी अस्पताल जाने को कहा प्रार्थीया ने सरकारी अस्पताल हरिद्वार में अपना मेडिकल कराया। मेडिकल के साथ तहरीर देकर इन लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। फेरुपुर चौकी प्रभारी अशोक सिरसवाल ने बताया तहरीर आई है। जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

अमित कुमार ने ज्वालापुर विधानसभा के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं की ली जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा नेता अमित कुमार उर्फ बिट्टू ने ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र के कई गांवो में लोगों के साथ आगामी चुनाव को लेकर बैठक की। उनके द्वारा इस दौरान क्षेत्रीय लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही लोगों को निराकरण के लिए अश्वस्त किया। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर ज्वालापुर विधानसभा के दुर्धम क्षेत्र गढ़मीरपुर, हजारा ग्रंट, बंदरजूड़, कुड़कावाला, दौड़बसी इत्यादि गांव में चुनाव की तैयारी कर रहे भाजपा नेता अमित कुमार बिट्टू ने लोगों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने स्थानीय लोगों से मिल कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लोगों को समस्याओं को निराकरण के लिए अश्वस्त किया। साथ ही भाजपा की जनकल्याण कारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओ के साथ विधानसभा क्षेत्र में स्थित दरगाह शाह मंसूर में हाजिरी पेश की। वहां के लोगों की प्रमुख समस्याओं को

जाना। इस मौके पर अमित कुमार ने कहा कि दुर्धम क्षेत्र होने के कारण यहां परिवहन एवं रोजगार की समस्या है। सड़के बदहाल और टूटी होने के कारण लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है। सरकार एवं जिला प्रशासन के माध्यम से सड़कों को ठीक कराने का प्रयास किया जाएगा। क्षेत्र में अस्पताल की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं जिलाधिकारी से मुलाकात कर अवगत कराया जाएगा। क्षेत्र को विकास के पथ पर जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यों को कराने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान पवन दबोड़िया, सूफी इस्लामिक बोर्ड के जिलाध्यक्ष शाकिर हुसैन, अकील कुमार, ओवेश, जुबेर प्रधान, जुल्फीकार प्रधान व मिथुन राठौर आदि मौजूद रहे।

मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर को श्राईन बोर्ड के अधीन लाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए सरकार से मृतकों के परिजनों और घायलों को दी जाने वाले मुआवजा राशि बढ़ाने तथा मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर का अधिग्रहण कर मां वैष्णो देवी श्राईन बोर्ड की तर्ज पर श्राईन बोर्ड गठित कर दोनों मंदिरों का संचालन करने की मांग की है। मोर्चा के मुख्य संयोजक सुरेंद्र तेश्वर ने कहा कि मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत और दर्जनों के घायल होने की घटना बेहद हृदय विदारक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए सरकार को मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर का अधिग्रहण कर श्राईन बोर्ड के अधीन कर व्यवस्थित तरीके से संचालन करना चाहिए।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र अयोध्या के महामंत्री चंपतराय ने एम्स पहुंचकर जाना घायलों का हाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर पैदल मार्ग पर हुई भगदड़ में 8 श्रद्धालुओं की आकस्मिक मृत्यु पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र अयोध्या के महामंत्री एवं विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उत्तराखंड प्रवास पर आए चंपतराय ने घटना की जानकारी मिलते ही विहिप के प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार के साथ ऋषिकेश एम्स पहुंचकर घायलों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद दुख की इस घड़ी में शोकसंतप्त परिवारों एवं दुर्घटना में घायल परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की

पुनरावृत्ति रोकने के लिए भीड़ प्रबंध न और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की मांग भी की।

हद दुखद है मनसा देवी हादसा : ब्रह्मस्वरूप

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में आठ लोगों की मौत पर संत समाज ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी और मां गंगा से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। जयराम पीठाधीश्वर ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने कहा कि मनसा देवी मंदिर पर हुआ हादसा बेहद दुखद है। हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने से संत समाज दुखी है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना दोबारा ना हो। इसके लिए सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए और श्रद्धालुओं की सुरक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए। महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद सरस्वती, भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी आदियोगी पुरी ने मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हादसा बेहद दुखदायी है। मां गंगा सभी मृतकों को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करे। उन्होंने मनसा देवी घटना के अगले ही दिन यूपी के बाराबंकी में मंदिर में भगदड़ की घटना सामने आयी है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ठोस नीति बनानी चाहिए। जिससे लगातार हो रही घटनाओं का रोका जा सके।

जुजुत्सु में फर्स्ट रैंक नव्या पांडे ने दिया बच्चों को दिया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जुजुत्सु में फर्स्ट रैंक लाने वाली नव्या पांडे ने हरिद्वार पहुंचकर वंदना कटारिया स्टेडियम मे बच्चों को जुजुत्सु का प्रशिक्षण दिया और बताया की किस तरह से आज के माहौल में अपने आप को और लोगों को बचाया जा सकता है। मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली नव्या पांडे ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत संघर्ष किया है। तब जाकर वह इस मुकाम को हासिल कर पायी हैं। उन्होंने बताया हरिद्वार एक ऐसी जगह है। जहां से बच्चों में हुनर निकाल कर आता है। उन्होंने बताया कि सीएम धामी 2037 तक हरिद्वार को देवभूमि के साथ खेल भूमि भी बनाना चाहते हैं और ओलंपिक भी हरिद्वार में कराने का संकल्प लिया है। जुजुत्सु का प्रशिक्षण ले रहे नन्हे निवान ने

बताया कि वह बड़े होकर आईपीएस अधिकारी बनना चाहते हैं और जुजुत्सु सीख अपनी और लोगों की रक्षा करना चाहते हैं। कोच करूणानिधि पांडे ने बताया कि हरिद्वार के गांव से लेकर शहर तक बच्चों में जिज्ञासा है कि वह खेल के मैदान में आकर कुछ नया करें। पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री सीएम धामी का सपना है। देवभूमि को एक दिन खेल भूमि भी बनाएंगे। इससे बच्चों को प्रेरणा मिल रही है और वे सीएम के सपने को साकार करने के लिए तैयार हैं।

सेफ्टी क्लीनिक कार्यशाला का किया आयोजन

छात्राओं को रसोई गैस उपयोग के लिए दी गई विस्तृत जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज बहादुरपुर जट्ट में सिद्धि विनायक गैस एजेंसी ज्वालापुर की ओर से सेफ्टी क्लीनिक कार्यशाला का आयोजन छात्राओं के लिए किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को रसोई गैस उपयोग के लिए विस्तृत जानकारी दी गई।

इस दौरान सेफ्टी क्लीनिक कार्यशाला में संजय शर्मा, रिशु त्यागी और पुनीत रस्तोगी ने छात्राओं को गैस उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गैस सिलेंडर को हमेशा सीधा खड़ा रखे, गैस चूल्हा सिलेंडर से कम से कम 6 इंच ऊपर किसी समतल स्थल पर रखे रसोई में गैस सिलेंडर के अलावा किसी अन्य ज्वलनशील वस्तुओं का उपयोग न करे चूल्हा जलाते समय पहले माचिस की तीली जलाए उसके बाद गैस ऑन करे भोजन बनाते समय कोई और अन्य कार्य न करे बल्कि चूल्हे के पास मौजूद रहे हमेशा सूती वस्त्र पहनकर ही खाना बनाए और बताया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं रेगुलेटर और गैस पाइप के लीकेज होने से होती हैं कुछ सावधानियों का प्रयोग कर हम इन दुर्घटनाओं से बच सकते है हमें गैस का प्रयोग करने के बाद सिलेंडर को ऑफ कर देना चाहिए और समय-समय पर गैस पाइप को चेक करते रहना चाहिए अच्छी कंपनी के पाइप का ही प्रयोग करना चाहिए रेगुलेटर मैं कोई भी कमी होने पर उसे बदला जा सकता है इसके लिए कोई भी शुल्क नहीं देना होगा रेगुलेटर पर लिखी सावधानी प्रयोग करना चाहिए साथ ही सभी

छात्राओं से अनुरोध किया कि उक्त बातों की जानकारी अपने घर परिवार में दे ताकि सुरक्षित गैस का उपयोग किया जा सके। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह चौहान ने सिद्धिविनायक की ओर से कार्यशाला आयोजित करने पर धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि बताई गई सावधानियों का प्रयोग करके हम दुर्घटना से बच सकते हैं उन्होंने सभी -छात्राओं को बताई गई सावधानी को अपने घर पर भी साझा करने के लिए कहा।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मेरा पुत्र मुस्तफा व पुत्रवधु मेरे व मेरे परिवार के हमारे कहने सुनने में नहीं है। इसलिए तंग आकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य मे इन दोनों कि किसी भी कृत्य व लेन-देन की जिमेदारी मेरी व मेरे परिवार की नही होगी। श्रीमती संजीदा पत्नी स्व. महमूद, निवासी ग्राम सराय, ज्वालापुर, हद्दिार।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मैं पुत्रवधु कुसुम की वजह से शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित हूँ, इस कारण मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से अपनी पुत्रवधु को बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में इसके किसी भी कृत्य व लेन-देन की जिमेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। चम्पा देवी पत्नी स्व. बाबूराम, निवासी शिवलोक कॉलोनी, वाटर वर्कस, रानीपुर, हरिद्वार

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्प्लेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
ब्यूरो चीफ
डी.एस. वर्मा
मो.: 9411100741
संतोष कुमार
मो.: 9760287392

कांग्रेस ने की मनसा देवी हादसे की हाईकोर्ट के सीटिंग जज की निगरानी में जांच की मांग

मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा और घायलों के इलाज का खर्च उठाए सरकार : अमन गर्ग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना के लिए कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया है। प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग ने घटना की हाईकोर्ट के सीटिंग जज की निगरानी में जांच और जिम्मेदार अधिकारियों और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि सरकार की ओर से घोषित की गयी मुआवजा राशि बेहद कम है। मृतकों के परिजनों को एक करोड़ रूपए मुआवजा दिया जाए और घायलों के उपचार का पूरा खर्च सरकार उठाए। मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन के लिए

स्थायी और ठोस नीति बनाए जाए। उन्होंने कहा कि मृतकों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक की जाए और हादसे की पूरी सच्चाई जनता के सामने लायी जाए।

अमन गर्ग ने कहा कि कांवड़ मेला संपन्न होने के बाद प्रशासन अति उत्साह में था और पूरे सावन चलने वाले मेले के लिए कोई पुख्ता तैयारी नहीं की। अधिकांश पुलिसकर्मी प्रदेश में पंचायत चुनाव में ड्यूटी पर थे। पर्याप्त पुलिस होता तो इस घटना को रोका जा सकता था। उन्होंने कहा कि मनसा देवी मंदिर में भीड़ नियंत्रण के मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। भीड़ बढ़ने पर सीढ़ी वाले रास्ते को हमेशा बन वे किया जाता है। लेकिन घटना वाले दिन दोनों ओर से आवाजाही शुरू रखी गयी। जिससे अफरातफरी मची और बड़ा हादसा हो गया। आरोप लगाया कि हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन की राहत टीमें देरी से पहुंचे। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले रेस्क्यू शुरू किया। अमन गर्ग ने कहा कि जो सरकार मनसा देवी मंदिर के मार्ग का रखरखाव नहीं कर सकती। ऐसी सरकार को मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी को चंदा नहीं देना चाहिए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुरली मनोहर ने कहा कि मंदिर मार्ग पर अतिक्रमण भी हादसे की वजह है। इसकी जांच होनी चाहिए। वरूण बालियान ने कहा कि मंदिर प्रबंधन को केवल दान लेने तक सीमित रहने के बजाए श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। जवाबदेह लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए। दीपक टंडन ने कहा कि पूरे मनसा देवी क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। वाहन पार्किंग की व्यवस्था को लागू किया जाए। यात्रीयों की संख्या एवं भीड़ के दबाव को समय-समय पर चेक किए जाने की व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओं की गणना के लिए कम्प्यूटराईज्ड कांउटिंग मशीन लगायी जाए। पत्रकारवार्ता में पूर्व विधायक रामयश सिंह, महेश प्रताप राणा, वरिष्ठ कांग्रेसनेत्री संतोष चौहान, मनोज सैनी, दीपक टंडन, पार्षद रोहित सेठी, सुनील कुमार, कैलाश भट्ट, सतेंद्र वर्मा, पुनीत कुमार, याज्ञिक वर्मा सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ने युवक को मारी टक्कर, हालत गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शांतरशाह में एक दर्दनाक सड़क हादसे में अमन नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार 5 जुलाई की सुबह लगभग 11:30 बजे अमन हरिश्चन्द्र के मकान के पास सड़क किनारे खड़ा था, तभी श्यामवीर पुत्र महेन्द्र पटवारी, जो ट्रैक्टर चला रहा था, ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए अमन को टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद मनोज, सुरेश और हरिचन्द ने घायल अमन को उठाकर जया मैक्सवेल हॉस्पिटल, बहादराबाद में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि अमन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज लगातार जारी है। परिजनों द्वारा थाना बहादराबाद में रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में दिखा उत्साह

सहसपुर में वोटिंग को उमड़ा जनसैलाब दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, प्रशासन और निर्वाचन विभाग की टीमें पूरे इलाके में निगरानी बनाए हुए थी

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में सहसपुर विकासखंड में मतदान की प्रक्रिया सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। एक्का दुक्का जगहों पर मतदान प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशी व उनके समर्थकों में मतदान को लेकर कहासुनी जैसी घटनाएं सामने आई। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने दो पक्षों को शांत कराया। जिसके चलते मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिली हैं।

खासतौर पर युवाओं और महिलाओं में वोटिंग को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया।

सहसपुर विकास खंडों में मतदान केंद्रों पर सुबह आठ बजे से पहले ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

सहसपुर विकासखंड की 50 ग्राम पंचायतों के लिए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य पदों पर वोट डाले गए। इस चरण में सहसपुर विकासखंड में कुल 128515 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं, जिनके लिए 247 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें से 130 अति संवेदनशील व 30 बूथ संवेदनशील थे। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, प्रशासन और निर्वाचन विभाग की टीमें पूरे इलाके में निगरानी बनाए हुए थी। वोट डालने पहुंचे प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं। मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण और उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। समाचार लिखे जाने तक दूसरे चरण में सहसपुर ब्लाक में शाम चार बजे तक कुल 68 प्रतिशत मतदान हुआ।

ब्लाक में कुल 50 ग्राम प्रधान, 40 बीडीसी, पांच जिला पंचायत व ग्राम सभा सदस्य के लिए 569 पदों के लिए चुनाव हुआ। मुस्लिम बाहुल्य इलाको में सुबह से ही मतदाताओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

मतदान के लिए लोगों का सुबह से ही मतदान स्थलों पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। और दिन में मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में महिलाओं के साथ पुरुषों की अच्छी खासी भीड देखने को मिली।

नाबालिग का अपहरण कर दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

सेलाकुई। थाना सेलाकुई पुलिस ने चंद घंटो मे किया नाबालिक का अपहरण कर दुराचार का आरोपी को गिरफ्तार। कब्जे से अपहृता को किया बरामद। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

वादिनी निवासी सेलाकुई के द्वारा थाना सेलाकुई पर सूचना दी गयी कि उनकी नाबालिक 16 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है जो वापस नहीं आई है। प्राप्त सूचना के आधार पर थाना सेलाकुई पर धारा 137(2) बीएनएस मुक. दमा दर्ज करते हुये विवेचना प्रारम्भ की गई। मामले की गम्भीरता को देखते हुये थानाध्यक्ष थाना सेलाकुई

द्वारा थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन कर अपहृता को सकुशल बरामद करने के लिए रवाना किया गया। गठित पुलिस टीम ने मुखबिर खास की मदद से आज सोमवार को आरोपी साहिल कुमार पुत्र राज. कुमार निवासी बड़ा रामपुर थाना सहसपुर के कब्जे से अपहृता को सेलाकुई से सकुशल बरामद किया गया है।

विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान नाबालिक पीडिता के साथ घटित अपराध व साक्ष्यो के आधार पर मुकदमा मे धारा-64 बीएनएस व 3/4 पोक्सो अधिनियम बनाम साहिल कुमार की बढोतरी की गई है। पुलिस टीम म0उ0नि0 मीना रावत (विवेचक), सिपाही मुकेश कुमार, फरमान अली, आशीष (एसओजी) शामिल रहे।

गोष्ठी में दी गई हेपेटाइटिस से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राष्ट्रीय वायरल हेपिटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डॉ मनोज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएमओ डॉ शर्मा ने हेपेटाइटिस रोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि जनपद देहरादून के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में हेपेटाइटिस बी तथा हेपेटाइटिस सी की निशुल्क जांच उपलब्ध है। डॉ मनोज कुमार वर्मा नोडल अधिकारी एनवीएचसीपी ने हेपेटाइटिस कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी दी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एनएचएम डॉ निधि रावत ने हेपेटाइटिस से बचाव के लिए आम जनता से भी उपाय अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जनपद देहरादून में वर्ष 2024 में कुल 9625 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें हेपेटाइटिस बी के 344 रोगी धनात्मक पाए गए। हेपेटाइटिस सी में कुल 10252 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 854 रोगी धनात्मक आ गए तथा वर्ष 2025 में कुल 2600 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें हेपेटाइटिस बी के 86 रोगी धनात्मक पाए गए जबकि हेपेटाइटिस सी में कुल 2709 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 236 रोगी धनात्मक पाए गए। इस कार्यक्रम में डॉ वंदना सुंदरियाल उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी देहरादून, डॉ दिनेश चौहान, डॉ कैलाश गुंजियाल, डॉ प्रदीप राणा, तथा जनपद देहरादून के समस्त एनएचएम कार्यक्रम से संबंधित स्टाफ मौजूद रहा।

एकल महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। बाल विकास परियोजना चकराता के अंतर्गत सेक्टर-1 केंद्र में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं को मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना और विवाह पंजीकरण से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप. रवाइजर फिरदौस ने की।

इस अवसर पर सुपरवाइजर फिरदौस ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना' चला रही है। इस योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाता है। यदि कोई महिला स्वयं का

व्यवसाय शुरू करना चाहती है, तो दो लाख रुपये की लागत पर 75 प्रतिशत तक का अनुदान उपलब्ध होगा।

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ वे महिलाएं ले सकती हैं जो एकल, निराश्रित, अविवाहित, विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा, किन्नर, अपराध या एसिड हमले की पीड़िता हैं, और जो परिवार पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, वे महिलाएं भी योजना में शामिल हो सकती हैं जो अपने अविवाहित बच्चों या पुत्रियों का पालन-पोषण अकेले कर रही हैं और आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

योजना के अंतर्गत कृषि, बागवानी, पशुपालन, कुक्कुट पालन, भेड़-बकरी पालन, मत्स्य पालन, फल प्रसंस्करण, ब्यूटी पार्लर, बुटीक, सिलाई, रिपेयरिंग, जनरल सर्विस, कैंटीन, कैटरिंग, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, डाटा एंट्री, कंप्यूटर हार्डवेयर रिपेयरिंग, टेली कॉलिंग, हिंदी कॉल सेंटर सहित अन्य निजी व्यवसायों को स्वरोजगार के रूप में चुना जा सकता है।

बैठक में विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि 26 मार्च 2010 के बाद होने वाले विवाहों का पंजीकरण अनिवार्य है। इसके लिए दंपती के आधार कार्ड, दो गवाह, पता प्रमाण पत्र और युगल की संयुक्त फोटो जैसे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना जरूरी है।

एक नजर ....

तीज पर्व पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज डाकपत्थर में तीज पर्व के शुभ अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की क्लास फोर्थ से क्लास 12 तक की लगभग समस्त छात्रों ने प्रतिभाग किया। मेहंदी प्रतियोगिता के तहत छात्रों ने अपने हाथों पर तरह-तरह की और भिन्न-भिन्न प्रकृति आकृति की मेहंदी लगाई थी जिन्होंने सभी का ध्यान उनकी तरफ आकर्षित किया। निर्णायक मंडल में सामाजिक कार्यकर्ता सुषमा राणा, राखी अग्रवाल, कोमल प्रजापति और पिंकी प्रजापति शामिल थी। प्रतियोगिता में बाल वर्ग में प्रथम स्थान तनवी, द्वितीय स्थान अनुष्का और तृतीय स्थान लक्ष्मी ने प्राप्त किया। किशोर वर्ग में प्रथम स्थान माही, वैष्णवी द्वितीय स्थान, प्रतिज्ञा और गुरबीर और तृतीय स्थान अमरीन ने प्राप्त किया जबकि विद्यालय की सबसे बड़ी कक्षा तरुण वर्ग में सना और खुशनुमा ने प्रथम स्थान, खुशी ने द्वितीय स्थान और वंशिका जोशी और अलीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर निर्णायक मंडल ने कहा कि जीवन में इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा करने से ही सक्सेस मिल सकती है।

छात्रों ने कबड्डी व खो-खो में अपने विद्यालय का किया नाम रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नथुआ वाला में संचालित संकुल स्तरीय कबड्डी व खो-खो प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाबूगढ़ विकासनगर की टीम अंडर-19 कबड्डी में प्रथम, अंडर 14 कबड्डी में द्वितीय तथा अंडर 17 खो-खो में द्वितीय स्थान पर रहीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट ने सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया तथा शुभकामनाएं दीं।

सावन सोमवार पर केदारनाथ धाम में उमड़ी भक्तों की भीड़

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग खुलने के बाद भक्तों की भीड़ केदारनाथ में उमड़ पड़ी है। पहाड़ों में सावन के तीसरे सोमवार पर शिवालयों में भक्तों का जमावड़ा लगा रहा, जबकि, केदारनाथ बाबा का जलाभिषेक करने के लिए भक्त भारी संख्या में भक्त केदारनाथ धाम पहुंचे और सुबह से ही बाबा केदार के दर्शनों के लिए लाइन में खड़े रहे।

आपदा प्रभावितों को त्वरित सहायता को लेकर प्रशासन तत्पर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राजस्व उपनिरीक्षक क्षेत्र अगस्त्यमुनि में हुई आपदा का जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्र में त्वरित राहत एवं पुनर्वास कार्य संचालित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने बताया कि आपदा ग्रस्त क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर पाया गया कि आपदा से प्रभावित ग्राम सभाओं में कुछ परिवारों के आवासीय मकानों एवं गौशालाओं के नीचे भू धंसाव हुआ है। प्रभावित परिवारों को जिला प्रशासन की ओर से तत्काल राहत किट एवं त्रिपाल आदि वितरित किए गए हैं। ग्राम पंचायत अमोठा सौड़ी के बगड़तोक में आठ परिवारों को आंशिक

नुकसान की सूचना पर तत्काल राहत कार्यवाही की गई। इनमें महेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, नारायणी देवी, यशवीर सिंह, दीपक सिंह, दिलीप सिंह, जगजीत सिंह के परिवारों को खाद्यान्न राहत किट एवं त्रिपाल वितरित की गई तथा राहत के लिए पंचायत भवन में अस्थाई रूप से ठहरने की व्यवस्था की गई। उक्त परिवारों को राशन एवं सोलर लाइट देने की कार्यवाही गतिमान है। आपदा के अंतर्गत कोई पशु हानि एवं जनहानि नहीं हुई है। ग्राम चमेली में दो मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनके स्वामी विनोद लाल पुत्र भादू लाल व बलबीर लाल पुत्र तोंगी लाल के परिवारों को मुआवजा की कार्यवाही राजस्व उप निरीक्षक की ओर से की गई है तथा इन्हें खाद्यान्न राहत किट, टेंट तथा त्रिपाल उपलब्ध कराए गए हैं। ग्राम रूमसी में पेयजल लाइन पैदल सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त को लेकर पुनर्निर्माण कार्य प्रभावी रूप से गतिमान है, ग्राम धान्यो में निवासरत परिवार की दीवार की क्षति के संबंध में राजस्व उप निरीक्षक अगस्तमुनि की ओर से निरीक्षण किया गया।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत लाइन, सड़क मार्ग की मरम्मत के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशों के क्रम में प्रभावित परिवारों को हर संभव त्वरित सहायता एवं पुनर्वास सुविधा प्रदान करने को लेकर प्रशासन की ओर से स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

उत्तरकाशीः तीनों ब्लॉकों में 75.9 प्रतिशत हुआ मतदान

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी 28 ,जुलाई : जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण का मतदान सोमवार को ठीक आठ बजे से शुरू हो गया। रिमझिम बारिश के बीच मतदाताओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा था। जिले में द्वितीय चरण की मतदान प्रक्रिया जनपद के भटवाड़ी, डुंडा और चिन्यालीसौड़ विकासखंडों में शांतिपूर्ण व सकुशल हो गया है। कंट्रोल रूम से प्राप्त सूचना के अनुसार द्वितीय चरण में भटवाड़ी, डुंडा और चिन्यालीसौड़ तीनो विकासखंडों में लगभग 75.9 प्रतिशत मतदान हुआ। भटवाड़ी विकासखण्ड में लगभग 79.5 , डुंडा विकासखण्ड में 74.8 तथा चिन्यालीसौड़ विकासखण्ड में 74.14 प्रतिशत मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ।

गौरतलब है कि पूर्वाह्न 10 बजे तक तीनों विकासखंडों में कुल लगभग 8.49 प्रतिशत ,वहीं 12 बजे तक 22.19 प्रतिशत, दोपहर 2 बजे तक कुल 42.85 , अपराह्न 4 बजे तक भटवाड़ी ब्लॉक में 62.45 , डुंडा में 62.62 और चिन्यालीसौड़ में 65.61 प्रतिशत के साथ कुल 63.47 प्रतिशत , वहीं तीनो विकासखंडों में लगभग 75.9 प्रतिशत मतदान संपन्न हुआ।

वहीं 24 जुलाई को प्रथम चरण में जिले के नौगांव, पुरोला और मोरी विकासखंडों में कुल 82.49 प्रतिशत मतदान हुआ था।

स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी व एसटीएफ करेगी नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी के साथ मिलकर एसटीएफ की टीम नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण करेगी।वही गैर पंजीकृत नशा मुक्ति केंद्रों पर भी कार्रवाई की जाएगी।उत्तराखंड में नशे की सप्लाई एवं डिमांड को रोकने के लिए स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एनसीबी एवं एफडीए द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाएगी। उत्तराखंड एसटीएफ की टीम एनसीबी एवं एफडीए के साथ मिलकर प्रोकर्सर केमिकल और साइकोट्रोपिक ड्रग्स में प्रयोग होने वाले केमिकल का भंडारण/उत्पादन करने वाली उत्तराखंड में स्थित फार्मा कंपनियों का संयुक्त निरीक्षण करेंगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर, के साथ उत्तराखंड स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी के संयुक्त निदेशक डॉ. एस. डी.बर्मन, सहायक निदेशक डॉ.पंकज सिंह, क्षेत्रीय इकाई, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल निदेशक देवानंद, उत्तराखंड खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग देहरादून के सहायक औषधि नियंत्रक, मुख्यालय डॉ. सुधीर कुमार के साथ संयुक्त बैठक कर उत्तराखंड में हो रही ड्रग की सप्लाई एवं डिमांड चैन को रोकने के लिए आवश्यक विचार विमर्श कर आगामी दिनों में कार्रवाई की योजना तैयार की गई है।उपरोक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में उत्तराखंड में स्थित नशा मुक्ति केंद्रों में स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी की टीम के द्वारा निरीक्षण के दौरान उन्हें एसटीएफ टीम का सहयोग प्रदान किया जाएगा जहां पर देखा जाएगा की नशा मुक्ति केंद्र द्वारा उत्तराखंड में उनके लिए जारी का पूर्णतया पालन किया जा रहा है या नहीं। इसके अलावा की टीम के साथ एक लैब टेक्नीशियन को भी साथ रखा जाएगा जिससे वहां पर भर्ती मरीजों की यूरीन सैंपल की जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि उस नशा मुक्ति केंद्र में उसके इलाज से कुछ अच्छे परिणाम प्राप्त हो रहे हैं या नहीं।

मतगणना को लेकर द्वितीय रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया संपन्न

रुद्रप्रयाग। पंचायत चुनाव मतगणना को लेकर कार्मिकों के द्वितीय रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया जिला कार्यालय स्थित एनआईसी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (उप जिला निर्वाचन अधिकारी) राजेंद्र रावत की अध्यक्षता में संपन्न की गई। इस दौरान जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया से जुड़े रहे। प्रक्रिया के तहत मतगणना प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से रिजर्व सहित कुल 470 मतगणना कार्मिकों का चयन किया गया।

जलभराव की समस्या से मिलेगा छुटकाराः कुमकुम

दून, ऋषिकेश और डोईवाला में डीएम के निर्देश पर जल निकासी के लिए हर पल सक्रिय, जिला प्रशासन की क्यूआरटी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कसते हुए टीम बनाकर सर्वे करने के बाद कार्यवाही शुरू कर दी है। देहरादून, ऋषिकेश, और डोईवाला शहरों में जल भराव समस्या के समाधान के लिए 30 लाख लागत के 17-हाई प्रेशर डी-वाटरिंग पंप लिए है। सोमवार को जिलाधिकारी ने जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से इन सभी डी-वाटरिंग पंपों को संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध करा दिया है। जिलाधिकारी ने एजेंसियों को निर्देश दिए कि शहरी इलाकों में चिन्हित संवेदनशील चौक, चौराहे और जंक्शनों पर शीघ्र डी-वाटरिंग पंप स्थापित किए जाए और अतिवृष्टि में जलभराव होने पर कम से कम रिस्पांस टाइम में जल निकासी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम ऋषिकेश को 04, डोईवाला को 02, तहसील ऋषिकेश को 01, देहरादून में आपदा प्रबंधन, नगर निगम, जल निगम, जल संस्थान, स्मार्ट सिटी, सिंचाई एवं क्यूआरटी को 10 डीवाटरिंग एवं मड पंप सहवर्ती उपकरणों के साथ वितरित किए। जिले में प्रथम बार: डीवाटरिंग पोर्टेबल पम्पस की खेप राजधानी के जलभराव क्षेत्रों में तैनात की गई है।

जिलाधिकारी ने सड़क मार्गो के क्रोनिक भूस्खलन वाले क्षेत्रों में तैनात मानव एवं मशीनरी की तर्ज पर जल भराव वाले स्थलों पर भी मैनपावर व मशीनरी तैनात करने के निर्देश दिए है। जिससे रिस्पांस टाइम कम करते हुए समस्या का त्वरित समाधान हो सके। जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए डीएम के निर्देशों पर नगर निगम को 12 भागों में विभाजित कर तीन क्यूआरटी बनाई गई है। जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम हरिगिरी और एसडीएम कुमकुम जोशी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने क्यूआरटी के सभी नोडल अधिकारियों को मानसून अवधि के दौरान अलर्ट रहने और जल निकासी में व्यवधान व चोकिंग पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।इस दौरान अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ऋषभ कुमार सहित जल संस्थान, जल निगम, सिंचाई आदि विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

योग से जीवनशैली में लाएं संतुलन

नई टिहरी। पौडी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिमालय इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट, जौलीग्रांट भानियावाला के रूरल एंड डेवलपमेंट विभाग के छात्रों ने छात्राओं को योगाभ्यास की बारीकियों से अवगत कराया। इस अवसर पर योग की विभिन्न क्रियाओं और आसनों का अभ्यास कराया गया, जिसमें प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक रूप से व्यक्ति मजबूत बनता है, बल्कि मानसिक रूप से भी स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

भा.ति.सी.पुलिस बल ने किया हरियाली तीज का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: 12वीं बटालियन भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल माताली, उत्तरकाशी में हिमवीर वाईव्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में हरियाली तीजश मनाया गया।

हिमवीर वाईव्स वेलफेयर एसोसिएशन के चीफ पैट्रन हावा श्रीमती शिवानी सिंह पत्नी कमांडेंट सचिन कुमार की अध्यक्षता में शहरियाली तीजश मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वल्लित कर चीफ पैट्रन हावा श्रीमती शिवानी सिंह ने सभी हावा सदस्याओं एवं परिवारजनों को शहरियाली तीजश की शुभकामनाएं दी।

इस कार्यक्रम में हावा सदस्याओं की प्रतियोगिताएँ तीज क्वीन, मेहंदी, रंगोली, राखी मेकिंग, संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया जिसमें सभी हावा सदस्याओं द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरूस्कृत वितरण किया गया। इस दौरान हरियाली तीज क्वीन का चयन किया गया।

तीज क्वीन को ताज पहनाकर इस अवसर पर सम्मानित किया। इस अवसर पर हावा सदस्याओं को नशा मुक्त भारत एवं साईबर क्राईम पर व्याख्यान के माध्यम से जागरूक किया गया। हरियाली तीज के अवसर पर चीफ पैट्रन हावा श्रीमती शिवानी सिंह एवं उपस्थित समस्त हावा सदस्याओं द्वारा पौधारोपण किया गया।

इस मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में एक-एक पेड़ अवश्य लगाने और पेड़-पौधों का हमारे जीवन में क्या महत्व है, के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने सभी को मिलजुल कर रहने एवं अपने स्वास्थ्य तथा बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। सावन के महिने में झूला झूलना एक पारंपरिक और लोकप्रिय गतिविधि है।

किसान हमारे अन्नदाता, मांगे नजरअंदाज न करें सरकारें: राजेश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति, उत्तराखंड ने अपना स्थापना दिवस एवं अभिनंदन समारोह उत्साह के साथ मनाया। उत्तरांचल प्रेस क्लब, परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर किसानों के हितों पर जोर दिया गया और उत्तराखंड के निर्माण में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र दत्त शर्मा ने की, जबकि संचालन की कमान प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा ने संभाली। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जस्टिस राजेश टंडन ने अपने संबोधन में सरकारों से किसानों की

मांगों को नजरअंदाज न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि, किसान हमारे अन्नदाता हैं। मैं हमेशा किसानों का हितैषी रहा हूं। नगर निगम देहरादून के महापौर सौरभ थपलियाल ने किसानों को संबोधित करते हुए निगम से संबंधित उनकी मांगों को पूरा करने का हर संभव प्रयास करने का वादा किया।इस अवसर पर हरिद्वार से कौशल गिरी महाराज और वृंदावन से उद्धव कीदण्ड, प्रख्यात भागवत कथा व्यास, ने कार्यक्रम में आकर किसानों को अपना आशीर्वाद दिया।

विधानसभा राजपुर के विधायक खजान दास , पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा व अशोक वर्मा ने भी अपने विचार साझा किए। डॉ. सोनिया आनंद रावत के मधुर गीतों ने समारोह में विशेष उत्साह भर दिया।भाकियू एकता शक्ति के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र दत्त शर्मा ने इस अवसर पर अपनी टीम के लगभग 40 सदस्यों को हरा पटका और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अनिता नेगी को विभो वर्मा की जगह महिला मोर्चे की जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया।कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष डी.पी. सिंह तोमर और प्रदेश सचिव अक्षय सिंह मौजूद रहे।इस सफल कार्यक्रम को आयोजित करने में राकेश मिश्रा, स. तरनजीत चड्ढा, जितेंद्र सेमवाल, संदीप गोस्वामी, गजेंद्र साहनी, मुकेश साहनी, गौतम पंडित, एन.के. गुप्ता, पूजा राजपूत, अमर सिंह यादव, शिवम अग्रवाल, फिरोज अख्तर, रवि फ्रांसिस, मुफ्ती ताहिर कासमी, सरदार गुरदीप सिंह, सलीम अहमद आदि का सराहनीय योगदान रहा।

'गांव की सरकार' का भाग्य बैलेट बॉक्स में कैद

नैनीताल जिले के चार विकासखंडों में छुटपुट बातों के बीच शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ मतदान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पंचायत चुनाव के लिए सोमवार को हल्द्वानी ब्लाक में जिला पंचायत सदस्य, बीडीसी, ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सदस्य के प्रत्याशियों का भाग्य बैलेट बॉक्स में कैद हो गया। हल्द्वानी ब्लाक में सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ। हल्द्वानी ब्लाक के 122509 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जनता ने अपना नेता किसे चुना है इसका पता 31 जुलाई को होने वाली मतगणना से पता चलेगा। गांव की सरकार बनाने के लिए मतदाताओं, विशेषकर महिला मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह रहा। हल्द्वानी ब्लाक के प्रधान, बीडीसी, ग्राम पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए सोमवार सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हल्द्वानी ब्लाक में 197 बूथों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। सुबह आठ बजे मतदान शुरु होते ही पोलिंग बूथों में लोगों का आना शुरू हो गया था। हालांकि शुरुआती दो घंटे में सुबह 10 बजे तक महज 15.6 प्रतिशत ही वोटिंग हुई। लेकिन इसके बाद लोग घरों से बाहर निकले जिसके बाद पोलिंग प्रतिशत में वद्धि हुई। सुबह 10 से 12 बजे तक पोलिंग प्रतिशत बढ़कर 32.3 प्रतिशत हो गया। दोपहर 12 से दो बजे तक 49.7 प्रतिशत, दोपहर दो से शाम चार बजे तक 63.6 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 31 जुलाई को होने वाली मतगणना के बाद पता चलेगा कि जनता ने किस प्रत्याशी के नाम पर मुहर लगाई है। मतदान सम्पन्न होने के बाद बैलेट बॉक्स स्ट्रॉन्ग रूम में भेज दी गयी हैं। प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 31 जुलाई को सबके सामने होगा।

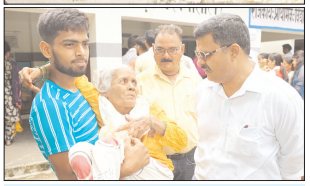

90 वर्षीय दंपति ने निभाई लोकतांत्रिक जिम्मेदारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लोकतंत्र के महापर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण में सोमवार को ग्राम हल्दूचौड़ दीना निवासी 90 वर्षीय दंपति लीलाधर उप्रेती एवं उनकी धर्मपत्नी बसंती देवी ने प्राथमिक विद्यालय दीना (हल्दूचौड़) स्थित मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्नत आयु के बावजूद इस दंपति का मतदान के प्रति उत्साह देखते ही बनता था। बूथ पर पहुंचते ही उन्होंने अपने नागरिक कर्तव्य का पालन कर सभी मतदाताओं, विशेषकर युवाओं को प्रेरित किया।

मतदान केन्द्रों पर एसएसपी का दौरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद नैनीताल में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित रूप से जारी है। सुरक्षा व्यवस्था की कमान स्वयं एसएसपी पीएन मीणा ने ग्राउंड जीरो से संभाल रखी है। एसएसपी ने सोमवार को मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, आपात सेवाओं की उपलब्धता और महिला मतदाताओं के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डेवलचौड़ खाम, राजकीय इंटर कॉलेज मोतीनगर, राजकीय प्राथमिक विद्यालय हल्दूचौड़ तथा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलाखेड़ा बूथों का जायजा लिया। हर मतदान केंद्र पर पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात है। संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष तैनाती की गई है, जबकि गश्त और निगरानी की व्यवस्था को और अधिक सघन किया गया है। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा भी पूरी तरह अभेद्य बनाई गई है। मौके पर मौजूद पुलिस बल का मनोबल बढ़ाते हुए एसएसपी ने उन्हें कर्तव्यनिष्ठा और निष्पक्षता से कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसएसपी के अलावा एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, एसपी क्राइम डा. जगदीश चंद्रा, सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी, सीओ लालकुआं दीपशिखा, सीओ भवाली प्रमोद साह तथा सीओ रामनगर सुमित पांडेय सुरक्षा व्यवस्था में लगे रहे।

पोलिंग बूथों पर लंबी-लंबी लाइन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान सोमवार को जिले के चारों विकासखंडों में शांतिपूर्ण निपट गया। सोमवार को जिले के 4 विकासखंडों यथा भीमताल, कोटाबाग, हल्द्वानी तथा रामनगर के कुल 522 मतदान केंद्रों पर प्रातः 8 बजे से मतदान शुरू हो गया। निर्वाचन की पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी बूथों पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान प्रक्रिया को निर्बाध एवं निष्पक्ष बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही थी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने जनपद के विभिन्न बूथों व क्षेत्रों का निरीक्षण किया। वहीं बल्दियाखान में भी ग्रामीणों में मतदान को लेकर गजब का उत्साह देखा गया। सुबह से ही बल्दियाखान में बनाए गए बूथ में लोगों की लंबी लाइन देखी गयी। इस दौरान ताकुला बेलुआखान ग्रामसभा की निवासी निर्मला जोशी ने कहा कि अपने गांव में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, बुजुर्गों के लिए परिवहन सुविधा और रसोई गैस जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर वोट दे रही हैं। कहा कि उनके गांव में अभी काफी विकास होना बाकी है। पलक बिष्ट बाल्दियखान निवासी हैं जिसने पहली बार मतदान किया। उन्होंने बताया कि यह उनका पहला अनुभव है और वे इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। पलक ने कहा कि उनके गांव में सड़क पानी और सोलर पैनल जैसी बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है। सलोनी ने कहा कि वह ऐसा उममीदवार चुनना चाहती हैं जो ग्रामीणों के सुख दुख में साथ खड़ा हो। बताया कि गांव में आज भी कई स्थान ऐसे हैं जहां सड़कें बनाई जा सकती हैं लेकिन अभी केवल सीसी ही बन पाया है।

दिखाया उत्साह

नैनीताल। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय नैनीताल में प्रधान सहायक के पद पर तैनात नैनागांव निवासी व शारीरिक रूप से दिव्यांग कार्मिक भुवन चंद्र ओली ने अपनी ग्राम पंचायत बेलुवाखान में पत्नी चंद्रा ओली के साथ पोलिंग बूथ बल्दियाखान जाकर मतदान किया।

मंगोली क्षेत्र से उम्मीदवार पर अज्ञात लोगों ने किया जानलेवा हमला

नैनीताल। भीमताल ब्लॉक में चुनाव से पहले गहलना मंगोली क्षेत्र के उम्मीदवार पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका बीडी पांडे अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे यूकेडी नेता सुभाष कुमार पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। हमले में घायल सुभाष को बीडी पांडे अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि सुभाष सिलमोडिया जा रहे थे इसी दौरान उनपर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया और वहां से फरार हो गए सुभाष इससे पूर्व यूकेडी से नैनीताल विधानसभा सीट पर विधायक का चुनाव भी लड़ चुके हैं। एसडीएम नवाजिश खालिक ने बताया मामले की सूचना मिली है। मामले में पीड़ित से बात कर मुकदमा दर्ज कर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मतदान प्रक्रिया की मॉनिटरिंग करती रहीं आईजी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमायूँ परिक्षेत्र में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण के दौरान सोमवार के मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कुमायूँ रिद्धिम अग्रवाल ने कमान संभाली। उन्होंने सुबह से ही पूरे क्षेत्र में चल रही चुनावी गतिविधियों की सघन निगरानी की और मतदान व्यवस्था का रियलिटी चेक किया। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने सभी ज़ोनल व सेक्टर प्रभारियों, जनपद प्रभारियों और फील्ड में तैनात पुलिस बल से प्रत्येक घंटे पर रिपोर्ट तलब की। इस दौरान मतदान केंद्रों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रबंधन की तैयारियों की स्थिति की रीयल-टाइम जानकारी ली गई। उन्होंने हर स्तर पर व्यक्तिगत रूप से फीडबैक लेते हुए यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अव्यवस्था या दबाव की स्थिति उत्पन्न न हो। आईजी की यह सक्रियता चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बने जनता: धामी

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने एफटीआई में किया पौधारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एफटीआई परिसर में आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। पर्यावरण संरक्षण और जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री श्री धामी ने पौधारोपण के माध्यम से प्रदेशवासियों को पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने का प्रेरणादायक संदेश दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत गत वर्ष की गई थी, और इस वर्ष भी यह अभियान पूरे देश में उत्साहपूर्वक चलाया जा रहा है। उत्तराखंड में इस अभियान का विधिवत शुभारंभ हरेला पर्व के अवसर पर किया गया, जिसमें पहले ही दिन रिकॉर्ड 8,13,000 लोगों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज की। सीएम धामी ने कहा कि प्रकृति संरक्षण हमारा संकल्प है, और देवभूमि उत्तराखंड में यह अभियान पूरे एक माह तक जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस पवित्र सावन मास में 'एक पेड़ माँ के नाम' अवश्य लगाएं और प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान दें। सीएम ने मनसा देवी मंदिर में हुई दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा तत्परता से आवश्यक निर्णय लिए गए हैं। सीएम ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर प्रदेशभर में जनता में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। गांवों की सरकार चुनने के लिए मतदाताओं में विशेष जागरूकता दिखाई दी, जिसका सीधा परिणाम मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि के रूप में सामने आया है। इस मौके पर विधायक बंशीधर भगत, दर्जा मंत्री दिनेश आर्य, दीपक मेहरा, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, पूर्व मेयर डा. जोगेन्दर पाल सिंह रौतेला, विकास भगत, मजहर नईम नवाब, हुकुम सिंह कुंवर, मनोज साह के साथ ही आयुक्त दीपक रावत, डीआईजी रिद्धिम अग्रवाल, डीएम वंदना सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अनामिका, एसएसपी पीएन मीणा, निदेशक एफटीआई तेजस्विनी अरविंद पाटिल, डीएफओ अभिलाषा सिंह मौजूद रहे।

शहरी क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण को लेकर प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अवैध कब्जों की पहचान कर उन्हें तत्काल हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम न केवल सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि विकास परियोजनाओं की गति बनाए रखने और नागरिकों को सुचारु सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चारु मजूमदार के शहादत दिवस पर संकल्प सभा

4 अगस्त को लालकुआं तहसील में प्रदर्शन करेगी भाकपा माले

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने सोमवार को बिन्दुखत्ता स्थित दीपक बोस भवन में पार्टी के संस्थापक महासचिव कॉमरेड चारु मजूमदार की 53वीं शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक संकल्प सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत चारु मजूमदार समेत सभी शहीद क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि देते हुए एक मिनट के मौन के साथ की गई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने चारु मजूमदार के विचारों को याद करते हुए कहा कि मजदूर-किसानों की सत्ता स्थापना और क्रांति का जो सपना उन्होंने देखा था, उसे साकार करने के लिए भाकपा (माले) आज भी देशभर में संघर्षरत है। कार्यक्रम में तय किया गया कि पार्टी मजदूर, किसान, दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्ग और महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई को और तेज करेगी। भाकपा (माले) के कॉमरेड बहादुर सिंह जंगी ने कहा कि पार्टी आज भी चारु मजूमदार की विचारधारा के तहत सामाजिक-आर्थिक न्याय के लिए संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि मजदूर और किसानों की सत्ता के लिए संघर्ष ही भाकपा माले का लक्ष्य है। जिला सचिव कॉमरेड डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि उत्तराखंड की धामी सरकार गरीबों, किसानों और छोटे दुकानदारों को उजाड़ने में जुटी है। उन्होंने लालकुआं में वर्षों से बसे लोगों को बार-बार अलग-अलग बहानों से हटाने के प्रयासों की निंदा की और कहा कि भाजपा सरकार की गरीब उजाड़ो-बुलडोजर चलाओ नीति का भाकपा माले जोरदार विरोध करती है। किसान महासभा के जिलाध्यक्ष भुवन जोशी ने क्षेत्र की गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि एक प्रदूषित नाले के कारण लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे बीमारियां फैल रही हैं। इसके साथ ही नाले में बढ़ते मगरमच्छों के कारण लोगों में दहशत का माहौल है। कार्यक्रम में एडवोकेट दुर्गा सिंह मेहता, विमला रौथाण, पुष्कर दुबड़िया, आनंद सिंह सिजवाली, गोविन्द जीना, किशन बघरी, चन्दन राम, कमल जोशी, धीरज कुमार, निर्मला शाही, हरीश भंडारी, पनि. राम, मनोज, प्रोनोबेस, वीरभद्र भंडारी, त्रिलोक सिंह दानू, आनंद सिंह दानू, अफसर अली, इंद्रमणि देवराड़ी, बलबीर, टुंपा आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सेवा संबंधी वादों में बढ़ोतरी पर कार्मिक एकता मंच ने जताई गहरी चिंता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड कार्मिक एकता मंच द्वारा आयोजित वेबिनार में न्यायालयों में सेवा संबंधी वादों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सुशासन के आईने में सेवा संबंधी वादों की बढ़ती संख्या विषय पर आयोजित इस वेबिनार में वक्ताओं ने कहा कि राज्य आंदोलन में कर्मचारियों ने 94 दिन तक सड़कों पर संघर्ष किया था, लेकिन आज उसी राज्य में कर्मचारियों को अपने सेवा संबंधी मामलों के लिए न्यायालय की शरण में जाना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। मंच के संरक्षक एवं सेवानिवृत्त अपर सचिव सुमन सिंह वाल्दिया ने कहा कि सुशासन की संकल्पना व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की जिम्मेदारियों के सही निर्वहन से ही पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सेवा संबंधी वादों की संख्या पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को वादकारिता नीति के अनुसार काम करना चाहिए।

मंच के संस्थापक अध्यक्ष रमेश चन्द्र पाण्डे ने 29 अगस्त 2018 को उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा पारित उस ऐतिहासिक आदेश का जिक्र किया, जिसमें प्रत्येक विभाग में शिकायत निवारण समिति गठित कर त्रैमासिक बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सात वर्ष बीतने के बावजूद इस आदेश का पालन केवल कागजों में हुआ, जबकि धरातल पर इसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर (स्थानांतरण) संबंधी मामलों में भी हर वर्ष न्यायालयों में मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ रही है। श्री पाण्डे ने उत्तराखण्ड ट्रांसफर एक्ट की धारा 27 में छूट के लिए स्पष्ट मानक तय करने और मुख्य सचिव स्तर से दिशानिर्देश जारी करने की आवश्यकता बताई, ताकि अधिनियम की मूल भावना को सुरक्षित रखा जा सके। इस मौके पर धीरेन्द्र पाठक, दिगम्बर फुलोरिया, राकेश जोशी, दिनेश भंडारी, डीपी थपलियाल, हेम भंडारी, रंजीत रावत आदि मौजूद रहे।

॥ कार्यालय नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग ॥

पत्रांक 616/03/पा0 नि0 /2025-26 दिनांक 28.07.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग द्वारा उक्त वर्णित पार्किंग को वित्तीय वर्ष 2025-26 के अवशेष 09 माहों हेतु निविदा के माध्यम से ठेके पर दिए जाने के क्रम में दिनांक 1.08.2025 को अपराहन 02:00 बजे तक सीलबन्द निविदाएं आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 03:00 बजे तक सम्बन्धित निविदादाताओं / अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 01.08.2025 को सांय 02:00 बजे तक निर्धारित मूल्य देकर नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं, किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष/निविदा समिति नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग में निहित होगा। निविदा स्वीकृति के पश्चात मूल धनराशि का 3 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क के रूप में जमा करना होगा। अन्य जानकारी व शर्तें कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस को देखी जा सकती है, इस सूचना को जनपद की वेबसाइट http://rudraprayag.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

क्र० स०	सम्पति का नाम	वाहन क्षमता	धरोहर राशि	निर्धारित धनराशि	आवेदन शुल्क
1.	(वार्ड 03, बेलनी) वाहन पार्किंग	17nos. four vichle parking	7500/-	75,000/-	500+gst

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
रूद्रप्रयाग।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
रूद्रप्रयाग।

विमेंस चेस विश्व विजेता बनीं दिव्या

- विश्व चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं 19 साल की दिव्या देशमुख
- भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल में हराया, भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर बनीं

नई दिल्ली, वार्ता। 19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का फिडे महिला वर्ल्ड कप जीत लिया है।

उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रा खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी। मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

फिडे विमेंस वर्ल्ड कप जीतने पर दिव्या को लगभग 42 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं वर्ल्ड कप (ओपन सेक्शन) के विजेता को लगभग 91 लाख मिलते हैं। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया। दिव्या वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद दिव्या देशमुख ने मां को गले लगाया। मां से मिलते ही वे इमा.शनल हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक आए। सेमीफाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन तान झोंगयी को हराने के बाद दिव्या अपने इमोशंस पर कंट्रोल नहीं कर पाई थीं। महाराष्ट्र की दिव्या ने सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी को 1.5-0.5 से हराया से। दिव्या ने पहले गेम में सफेद मोहरों से खेलते हुए 101 चालों में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने बीच गेम में लगातार दबाव बनाकर झोंगयी को गलतियां करने पर मजबूर किया। क्वीन की अदला-बदली के बाद भी दिव्या की स्थिति मजबूत थी, हालांकि झोंगयी ने एक समय वापसी की कोशिश की और बढ़त ले ली, लेकिन समय की कमी में झोंगयी ने गलत चाल चली, जिसका फायदा उठाकर दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ जीत हासिल करने में सफल रहीं। पहले गेम में काली मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने संतुलित रणनीति अपनाई और गेम ड्रा कराया था। झोंगयी ने 'क्वीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड' ओपनिंग से शुरुआत की, जिसमें दिव्या ने मोहरों की अदला-बदली के साथ संतुलन बनाए रखा। अंत में दोनों के पास एक-एक हाथी, एक-एक छोटा मोहरा (ऊंट/घोड़ा), और तीन-तीन प्यादे एक ही हिस्से में थे, जिसके कारण गेम ड्रा रहा।

चोटिल ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज से हुए बाहर, एन जगदीशन को टीम में जगह

मैनचेस्टर, वार्ता। स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये हैं। पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज एन जगदीशन को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने चोटिल पंत के पांचवें टेस्ट में खेलने की अटकलों को विराम देते हुए कहा कि ऋषभ पहले ही सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

उन्होंने पंत के बेजोड़ धैर्य और जज्बे की भी तारीफ करते हुए उनके अविस्मरणीय पल को याद किया जब पंत ने पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कहा कि पंत ने टीम और देश के लिए जो किया है, उसके बारे में पीढ़ियां बात करेंगी। टूटे पैर के साथ बल्लेबाजी करना बहुत कम लोगों ने किया है। उनकी जितनी भी तारीफ की जाए, वह उनके साहस के साथ न्याय नहीं कर पाएगी। पांचवें टेस्ट मैच से पहले जगदीशन मंगलवार को लंदन पहुंच जाएंगे और भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। जगदीशन काफी समय से भारत ए के सेटअप का हिस्सा रहे हैं। रणजी ट्रॉफी के लगातार दो सीज़न में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। 2023-24 में जहां उन्होंने 13 पारियों में 74-18 की औसत से 816 रन बनाए थे। जबकि अगले सीज़न यानी 2024-25 में जगदीशन ने 56-16 की औसत से 674 रन बनाए थे जिसमें दो शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। जगदीशन का 2016 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने के बाद से एक शानदार घरेलू रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने प्रथम श्रेणीय क्रिकेट में 79 पारियों में 47-50 की औसत से 10 शतक और 14 अर्द्धशतकों के साथ 3373 रन बनाए हैं, जिसमें जनवरी 2024 में चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन की पारी शामिल है जोकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

संक्षिप्त खेल समाचार

एफआईएसयू विवि खेलों में 12 पदकों के साथ भारत का अभियान समाप्त

जर्मनी, वार्ता। महिलाओं की रेस वॉक टीम ने कांस्य पदक और ओलंपियन अंकिता ध्यानी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ भारत ने 12 पदकों के साथ एफआईएसयू विश्व विश्वविद्यालय खेल 2025 में अपना अभियान का समापन किया। जर्मनी में रविवार को समाप्त हुए टूर्नामेंट के आखिरी दिन का पहला पदक महिलाओं की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में मिला। इस स्पर्धा में भारतीय टीम सेजल अनिल सिंह, मुनिता प्रजापति और मानसी नेगी ने कुल समय 4:56:06 के साथ कांस्य पदक जीता। सेजल अनिल सिंह सबसे तेज भारतीय रेस वॉकर रहीं, जिन्होंने 1:35:21 समय के साथ 15वां स्थान हासिल किया। मुनिता प्रजापति 1:39:33 समय के साथ 18वें और मानसी नेगी 1:41:12 समय के साथ 20वें स्थान पर रहीं। महिलाओं की इस 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में चीन ने 4:28:51 के समय के साथ स्वर्ण पदक, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 4:31:20 समय में दौड़ पूरी कर रजत पदक हासिल किया।

यूपीओए पेश करेगा नेशनल यूथ गेम्स के लिए दावेदारी

लखनऊ, वार्ता। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन (यूपीओए) ने उत्तर प्रदेश में नेशनल यूथ गेम्स के पहले संस्करण की मेजबानी के लिए कमर कस ली है। एसोसिएशन के महासचिव डा. आनन्देश्वर पाण्डेय ने आयोजित वार्षिक साधारण सभा के बाद यह जानकारी देते हुए कहा कि आयोजन की कार्ययोजना तैयार कर भारतीय ओलंपिक संघ को इस बारे में प्रस्ताव भेजा जाएगा। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के चेयरमैन बृजेश पाठक ने की। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सूचीबद्ध खेलों के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची बनाकर उनकी जरूरतों को समझा जाए और आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जाए।

कौशल हांगकांग की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच नियुक्त

हांगकांग, वार्ता। श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर कौशल सिल्वा को हांगकांग पुरुष क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्रिकेट हांगकांग के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ ने कहा कि बोर्ड की योजनाओं के अनुरूप यह नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को निखारने और विकसित करने के प्रति कौशल का समर्पण हांगकांग में क्रिकेट के भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। हमारा मानना है कि उनके मार्गदर्शन में हम न केवल अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति को ऊँचा उठा सकते हैं।

टेस्ट मैचों में होना चाहिए इंजरी रिप्लेसमेंट का नियम: गौतम गंभीर

मैनचेस्टर, वार्ता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में चोटिल खिलाड़ियों के बदले सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों को एकादश में शामिल करने की मांग का समर्थन करते हुए कहा है कि टेस्ट इंजरी रिप्लेसमेंट का नियम होना चाहिए।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस विचार को 'हास्यास्पद' बताया है। गंभीर ने कहा कि बिलकुल, मैं इसके पूरी तरह पक्ष में हूं। अगर अंपायर और मैच रेफरी को लगे कि यह गंभीर चोट है, तो मुझे लगता है कि यह बेहद आवश्यक है। ऐसे नियम होने चाहिए कि आप किसी और को विकल्प के तौर पर एकादश में ला सकें, बशर्ते यह स्पष्ट रूप से दिख रहा हो। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, विशेषकर ऐसी

- अगर अंपायर और मैच रेफरी को लगे कि यह गंभीर चोट है तो यह नियम बेहद आवश्यक है

बिलकुल हास्यास्पद है कि चोट के विकल्प को लेकर कोई बातचीत चल रही है। इसमें बहुत सी कमियां होंगी, जिनसे टीमें इसका फायदा उठा सकती हैं। आप जो एकादश चुनते हैं, वही खेलनी चाहिए। चोट खेल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह से कनकशन विकल्प को समझता हूं क्योंकि यह खिलाड़ी की सुरक्षा से जुड़ा है। लेकिन मुझे लगता है कि चोट के विकल्प पर बातचीत को यहीं रोक देना चाहिए। अगर आप मुझे एमआरआई में भेज दें, तो मैं किसी और को तुरंत एमआरआई मशीन में भेज सकता हूं। जिसमें दिख जाएगा कि घुटने में हल्की सूजन है और फिर टीम कहेगी हमें नया गेंदबाज मिल सकता है। इसलिए यह बातचीत अब बंद होनी चाहिए।

मुर्मू-मोदी ने दिया देशमुख को बधाई दी

नई दिल्ली, वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला विश्व कप जीतने तथा कोनेरू हम्पी को उपविजेता बनने के लिए बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि दिव्या ने सोमवार को हमवतन ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। दिव्या फिडे महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गयी है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर अपने बधाई संदेश में कहा कि दिव्या देशमुख को मेरी हार्दिक बधाई, जो फिडे महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, वह भी मात्र उन्नीस वर्ष की आयु में। कोनेरू हम्पी उपविजेता रहीं, और शतरंज विश्व चैंपियनशिप की दोनों फाइनलिस्ट भारत से थीं। यह हमारे देश में विशेषकर महिलाओं में, प्रतिभा को दर्शाता है। मैं कोनेरू हम्पी की सराहना करती हूं जिन्होंने अपने शानदार करियर के दौरान उत्कृष्टता बनाए रखी है। मुझे विश्वास है कि ये दोनों महिला चैंपियन और भी गौरव हासिल करेंगी और हमारे युवाओं को प्रेरित करेंगी। श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दो उत्कृष्ट भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का एक ऐतिहासिक फाइनल। युवा दिव्या देशमुख के फिडे महिला विश्व शतरंज चैंपियन 2025 बनने पर गर्व है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई, जो कई युवाओं को प्रेरित करेंगी। कोनेरू हम्पी ने भी पूरी चैंपियनशिप में अपार कौशल का प्रदर्शन किया है। दोनों खिलाड़ियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

साय ने शतरंज खिलाड़ी दिव्या व कोनेरू को दी बधाई

रायपुर, वार्ता। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख व कोनेरू हम्पी को बधाई देते हुए कहा कि महिला शतरंज विश्व कप-2025 का फाइनल भारत के लिए गर्व का क्षण था। साय ने एक्स पर ट्वीट कर बधाई देते हुए कहा कि शतरंज की बिसात पर भारत की बेटियों ने रचा इतिहास। महिला शतरंज विश्व कप-2025 के फाइनल में भारत के लिए यह गर्व का क्षण था, जब भारत की बेटियाँ आमने-सामने रहीं। प्रतियोगिता में दिव्या देशमुख ने खिताब अपने नाम किया, वहीं कोनेरू हम्पी प्रतियोगिता की रनरअप बनी। यह केवल एक मैच नहीं था बल्कि यह एक नए भारत की तस्वीर थी, जहाँ बेटियाँ न सिर्फ़ सपने देखती हैं बल्कि उन्हें पूरी दुनिया के सामने साकार भी करती हैं।

रवींद्र जडेजा और सुंदर शतक पूरा करने के हकदार थे: गिल

- एक टीम के तौर पर इस सीरीज ने हमें काफी कुछ सिखाया है: भारतीय कप्तान शुभमन गिल

मैनचेस्टर, वार्ता। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर अपना-अपना शतक पूरा करने के हकदार थे। चौथा टेस्ट मैच ड्रा समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में गिल ने कहा कि पांचवें दिन भारत की पारी के 138 ओवर पूरे होने के बाद जब जडेजा (89) और वॉशिंगटन सुंदर (80) शतक के करीब थे तब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारत से ड्रॉ के बारे में पूछा था लेकिन तब ड्रेसिंग रूम से यह संदेश भेजा गया कि दोनों बल्लेबाज खेलना जारी रखें। गिल ने कहा कि शुरुआती दो विकेट खोने के बाद इस तरह का प्रदर्शन अविश्वसनीय है। जडेजा और वॉशिंगटन दोनों ही शतक के करीब थे इसलिए हमने सोचा कि वह दोनों ही शतक डिजर्व करते हैं। उन्होंने कहा कि हर टेस्ट मैच आपको कुछ ना कुछ सिखाता है, एक टीम के तौर पर इस सीरीज ने हमें काफी कुछ सिखाया है। उम्मीद है कि हम अगला मैच जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने में सफल होंगे। भारतीय कप्तान ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि आपने अतीत में कितने रन बनाए हैं।

अंतिम टेस्ट में जैमी इंग्लैंड टीम में शामिल

मैनचेस्टर, वार्ता। भारत के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के पाँचवें मैच के लिए इंग्लैंड ने सोमवार को ऑलराउंडर तेज गें. दबाज जैमी ओवर्टन को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने आज बताया कि जोफा आर्चर, क्रिस वोक्स, जॉश टंग, गस एटलकसन और ब्रायडन कार्स के साथ जैमी ओवर्टन में छठे मुख्य तेज गेंदबाज होंगे। ओवरटन को टीम में शामिल करने का निर्णय कप्तान बेन स्टोक्स के इस बयान के बाद आया है कि इंग्लैंड को अंतिम मैच से पहले नए खिलाड़ियों की आवश्यकता है। ओवरटन ने तीन साल पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने करियर में अब तक केवल एक ही टेस्ट खेला है। पाँचवां टेस्ट मैच 31 जुलाई से ओवल में शुरू होगा। ओल्ड ट्रैफर्ड में रविवार को ड्रॉ रहे चौथे टेस्ट के बाद इंग्लैंड फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे है।

इंग्लैंड की महिला टीम ने जीता यूरो कप का खिताब

स्विट्जरलैंड, वार्ता। इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से हराकर लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो कप) 2025 का खिताब अपने नाम किया। रविवार को खेले गये रोमांचक फाइनल मुकाबले के पहले हाफ में स्पेन की मारियोना काल्डेरे ने 25वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इंग्लैंड की अलेसिया रूसो ने 57वें मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में भी स्कोर बराबर रहने पर मैच में निर्णय के लिए पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया गया। शूटआउट में इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने दो शानदार बचाव किए। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला ले लिया।

इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:- बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जैमी ओवर्टन, ओली, रूट, जेमी स्मिथ जॉश टंग व क्रिस वोक्स।

धीमी ओवर गति के लिए वेस्टइंडीज पर लगा मैच फीस का 10 %जुर्माना

बासटेयर, वार्ता। वेस्टइंडीज की टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। वेस्टइंडीज को 26 जुलाई को खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

वेस्टइंडीज ने आईसीसी आचार संहिता 2-22 का उल्लंघन किया। उसने तय समय में दो ओवर कम फेंके। कप्तान शाई होप ने आईसीसी मैच अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया। इसलिए इस पर औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं है।

मैनचेस्टर टेस्ट: गिल के नाम दर्ज हुए पांच रिकॉर्ड

- चार शतक लगाकर ब्रैडमैन व गावस्कर की बराबरी की, सीरीज में 722 रन बनाने वाले पहले भारतीय
- ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने हारा हुआ चौथा टेस्ट ड्रा करा लिया, टीम ने दूसरी पारी 143 ओवर बैटिंग की

मैनचेस्टर, वार्ता। मैनचेस्टर टेस्ट में रिकार्ड्स का दिन शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा के नाम रहा। गिल इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। वे डेब्यू टेस्ट सीरीज में 4 शतक लगाने वाले पहले कप्तान भी बने। बतौर कप्तान किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गिल ने सुनील गावस्कर और सर डान ब्रैडमैन की बराबरी की। वहीं रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने हारा हुआ चौथा टेस्ट ड्रा करा लिया। टीम ने दूसरी पारी में 143 ओवर बैटिंग की। भारत से शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शतक लगाया। पहली पारी में भारत ने 358 और इंग्लैंड ने 669 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 425 रन बनाए। शुभमन गिल बतौर कप्तान टेस्ट सीरीज में 700+ रन बनाने वाले नौवें बल्लेबाज बने। उनसे पहले सर डान ब्रैडमैन (दो बार), सर गारफील्ड सोबर्स, ग्रेग चैपल, सुनील गावस्कर, डेविड गावर, ग्राहम गूच और ग्रीम स्मिथ यह कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बतौर कप्तान 722 रनों के साथ सर गारफील्ड सोबर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की। रवींद्र जडेजा ने इस सीरीज में अब तक 5 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। यह इंग्लैंड में किसी टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी द्वारा संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 50+ स्कोर हैं। उन्होंने यह उपलब्धि सर गैरी सोबर्स के 1966 में बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए हासिल की है। रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच हुई यह शतकीय साझेदारी मौजूदा चार टेस्ट मैचों में भारत की 10वीं शतकीय साझेदारी रही। यह किसी भी टेस्ट सीरीज में भारत की दूसरी सबसे ज्यादा 100+ रन की साझेदारियां हैं। इससे पहले भारत ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में 11 शतकीय साझेदारियां की थीं। रवींद्र जडेजा के इस टेस्ट सीरीज में 5 अर्द्धशतक (50+ स्कोर) हो चुके हैं। नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टेस्ट सीरीज (घरेलू या विदेशी) में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर हैं। उन्होंने वीवीएस लक्ष्मण की बराबरी की है, जिन्होंने 2002 के वेस्टइंडीज दौरे में इतने ही 50+ स्कोर बनाए थे। वाशिंगटन सुंदर ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया। यह भारत की ओर से इस टेस्ट सीरीज में 11वीं सेंचुरी है। इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ, 1978/79 की घरेलू सीरीज में भारत ने 11 सेंचुरी लगाई थीं। किसी टेस्ट सीरीज में पहली बार ऐसा हुआ जब भारत के चार बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए। शुभमन गिल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा ने ऐसा किया। ओल्ड ट्रैफर्ड में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने वाली टीम कभी टेस्ट नहीं जीत पाई है। टीम को इसमें 3 बार हार मिली और 9 बार मैच ड्रा हुआ। भारत ने अब तक दो बार ऐसे मौकों पर टेस्ट मैच बचाया है जब उसे पहली पारी में 300 या उससे ज्यादा रन की बढ़त का सामना करना पड़ा हो।

जडेजा 30 से अधिक विकेट व एक हजार से अधिक रन बनाने वाले तीसरे विदेश खिलाड़ी बने

मैनचेस्टर, वार्ता। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने किसी एक देश में आज एक हजार से अधिक रन और 30 से अधिक विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। एक हजार से अधिक रन और 30 विकेट लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों की सूची में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम भी शामिल हो गया। यहां चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल के आउट होने के बाद बल्लेबाज करने आये जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स, इंग्लैंड में 1820 रन और 62 विकेट लेकर इस मामले में शीर्ष पर हैं। इस मामले में इंग्लैंड के विल्फ्रेड रोड्स ऑस्ट्रेलिया में 1032 रन और 42 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

बूढ़पुर जट में विद्युत आपूर्ति ठप, ग्रामीण आंदोलित

एक पक्ष बैठा धरने पर, गांव में आक्रोश के चलते भारी पुलिस बल तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर।/नारसन। नारसन के बुढ़पुर जट गाँव में एक नई कॉलोनी के निवासियों द्वारा बिजली लाइन को स्थानांतरित करने की मांग को लेकर उत्पन्न हुए विवाद के कारण पिछले दो दिनों से आधे गाँव की विद्युत आपूर्ति ठप है।

बिजली न मिलने से आक्रोशित ग्रामीणों, विशेषकर किसानों ने, स्थानीय बिजली घर पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। गाँव में दो पक्षों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया है। दो दिनों से बिजली न होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी ग्रमीणों को हो रही है। दो दिन से गर्मी से बुरा हाल है ऊपर से विधुत आपूर्ति न होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ी। साथ के ही कुछ किसान फसल की सिंचाई नही कर पा रहे हैं। इसी से गुस्साए ग्रामीण व किसानों ने आज सुबह बड़ी संख्या में बिजली घर पहुंचकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों का कहना है कि जब तक बिजली आपूर्ति बहाल

नहीं की जाती और इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलता, वे अपना धरना जारी रखेंगे।

एसडीओ मंगलौर अनुभव सैनी, नारसन विधुत उपकेंद्र जेई अभिषेक, व ग्रामीणों के बीच वार्ता चली।

❖एक कालोनी में नई विद्युत लाइन स्थानांतरित करने को लेकर विवाद में आधे गांव की बिजली आपूर्ति ठप होने से बढ़ गया दो पक्षों में विवाद

विद्युत लाइन शिफ्टिंग के मुद्दे पर गाँव में दो पक्षों के बीच बढ़ता तनाव चिंता का विषय बन गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गाँव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया है। भारी पुलिस बल के बीच विधुत लाइन को कालोनी के ऊपर से ऊँचे पोल गाड़ कर नये तार लगाए गए है । इस दौरान कुछ लोगो ने विरोध भी किया जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक महिला व पुरुष की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। लखनोता चौराहा के पास शनिवार शाम एक ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार एक व्यक्ति तथा महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को उपचार के लिए सिविल हॉस्पिटल रुड़की पुलिस द्वारा लाया गया जहां डॉक्टर द्वारा घायल व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला की भी रविवार देर रात्रि इलाज के दौरान मौत हो गई।

थाना निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि लखनोता चौराहा पर शनिवार शाम के समय एक बाइक को पीछे से आ आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार व्यक्ति व महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस द्वारा दोनों घायलों को इलाज हेतु सिविल हॉस्पिटल रुड़की ले जाया गया जहां डॉक्टर द्वारा जांच करने के बाद घायल व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया था। मृत व्यक्ति बिजेंद्र सिंह निवासी ग्राम रावली महदुद थाना हरिद्वार का निवासी था। रविवार देर रात्रि गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय महिला मगन देवी निवासी ग्राम रावली महदुद की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक महिला पहले मृतक व्यक्ति की पड़ोसी बताई गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव को महिला के परिजनों को दे दिया गया है। अभी तक कोई तहरीर नहीं आई है तहरीर आने पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। ट्रक चालक बाइक को टक्कर मारते ही ट्रक सहित फरार हो गया था।

सेंट मार्क्स एकेडमी में किया आम पार्टी का आयोजन

कई विधायकों व क्षेत्र के समाजिक लोगों उठाया आम का लुत्फ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सैण्ट मार्क्स एकेडमी सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल में रविवार देर शाम मैंगो पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधियों एवं समाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और आमों का लुत्फ उठाया। दिल्ली रोड स्थित स्कूल परिसर में अब्दुल मजीद मैमोरियल वेलफेयर एजूकेशनल सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी रहे वीरेंद्र रावत ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन आपसी प्रेम और सद्भाव

को बढ़ाते हैं वहीं उन्होंने कहा कि किसी भी फसल या बागवानी को बढ़ावा देने का भी यह अच्छा माध्यम है। कार्यक्रम संयोजक एवं वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष कुंवर जावेद इकबाल ने कहा कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार शहर के लोगों को रहता हैं जहां जाती धर्म आदि से ऊपर उठकर आपसी सौहार्द को बढ़ाने का कार्य किया जाता है। वहीं मैंगो पार्टी स्कूल परिसर में हल्के फुल्के माहौल के साथ आरम्भ हुई जिसमें सभी उपस्थितजनों ने कुछ समय के लिए अपनी व्यस्त दिनचर्या को भूल मैंगों पार्टी और चाट पकौड़ी का पूरा लुत्फ उठाया और विभिन्न किस्मों के आमों का स्वाद चखा। मैंगो पार्टी में विभिन्न किस्मों के आमों को रखा गया जिसमें दशहरी, कलमी, लंगडा, मलीहाबादी, रटौल, तोतापरी आदि किस्म के आम शामिल किए गए। कार्यक्रम में विधायक काजी निजामुद्दीन, भगवानपुर विधायक ममता राकेश, झबरेडा विधायक वीरेन्द्र जाती, सचिन गुप्ता, कुंवर जियाउद्दीन अहमद, परवेज अहमद, राव आफाक, शाहीद खान, मनोज जैन, वीरेन्द्र जैन, सरदार सुरजीत सिंह, डॉ. रविन्द्र कपूर, डॉ. चन्द्रशेखर ग्रोवर,कुलदीप त्यागी,अभिषेक चन्द्रा, पूजा नंदा,श्रीगोपाल नारसन, मुकेश मसीह, प्रोफेसर राजेश चन्द्रा आदि उपस्थित रहे

सीसीटीवी कैमरे में कैद बाइक चोर

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। बाइक चोर की गतिविधियां एक सीसीटीवी में कैद हुई है। पुलिस ने चेहरे और कद काठी के आधार पर बाइक चोर की तलाश शुरू कर दी है। गंगनहर कोतवाली को रोहित निवासी गली नंबर 22 कृष्णा नगर ने बताया कि शेर सिंह चौक के पास केक का कारोबार है। 25 जुलाई को करीब 9:30 बजे के आसपास दुकान के बाहर से बाइक चोरी हो गई थी। जब उन्होंने आसपास के सीसीटीवी चेक किए तो एक संदिग्ध बाइक लेकर जाता दिखा। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। इंस्पेक्टर आरके सकलानी ने बताया कि बाइक चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद है।

पूर्व पार्षद के भतीजे पर पार्षद प्रतिनिधि के भाई से मारपीट व पथराव का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के वार्ड 36 भारत नगर के पार्षद प्रतिनिधि साहिल ने पूर्व पार्षद के भतीजे और उसके समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रविवार देर रात उनके छोटे भाई के साथ मारपीट और पथराव की घटना बांदा रोड पर घटित हुई। साहिल के अनुसार, उनका छोटा भाई एक मस्जिद में इमामत करता है और बेहद सरल स्वभाव का है। रविवार रात वह बाइक से घर लौट रहा था, तभी सामने से आ रही एक लग्जरी गाड़ी में पूर्व पार्षद का भतीजा अपने साथियों के साथ मौजूद था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई, जो जल्द ही गाली-गलौच और मारपीट में तब्दील हो गई। साहिल का आरोप है कि मारपीट की यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व पार्षद का परिवार चुनाव हारने के बाद से लगातार रंजिश पाले हुए है और मोहल्ले में गाड़ियों से आकर दहशत फैलाने की कोशिश करता है।इस मामले की शिकायत पार्षद प्रतिनिधि द्वारा सिविल लाइंस कोतवाली में कर दी गई है। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से भी पार्षद प्रतिनिधि के भाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी गई है। फिलहाल, पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

3 अगस्त को होगी सैनी आम सभा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सैनी सभा (रजि0) हरिद्वार, सैनी आश्रम ज्वालापुर की कार्यकारिणी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि आगामी 3 अगस्त 2025 को सैनी आश्रम ज्वालापुर मे आम सभा की बैठक बुलाई गई है जिसमें सैनी सभा के सभी सदस्यों एवं सैनी समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया है। प्रेस वार्ता के माध्यम से आयोजको द्वारा सैनी समाज एवं सैनी सभा जनपद हरिद्वार सैनी आश्रम ज्वालापुर के सभी सदस्यों को आम सभा की बैठक में निर्धारित समय सुबह 10:00 तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए निवेदन करते हुए आम सभा की बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया गया। प्रेस वार्ता में आज जो प्रेस वार्ता सभा के सभा के उपाध्यक्ष डॉ राजेश सैनी, संरक्षक एडवोकेट महक सिंह सैनी, महेंद्र सिंह सैनी, बसपा प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप सैनी, पंकज सैनी , शुभम सैनी, सदस्य कार्यकारिणी एवं सैनी आश्रम बचाओ संघर्ष समितिके पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवैध चाकू के साथ एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाद दाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है राजीव रौथाण कोतवाली पर लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया अभी एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराअधियों संदिग्ध व्यक्तियों असामाजिक तत्वों पर प्रभावी लगाम लगाने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें 27 जुलाई 2025 को मुखबीर के द्वारा सूचना मिली की एक व्यक्ति संदिग्ध फिर रहा है पुलिस टीम ने उसको पकड़ कर उसकी तलासी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम अनिकेत पुत्र वीर सिंह निवासी भोजपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया उसको पकड़ाने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक क्रमवीर सिंह कांस्टेबल संदीप रावत अमित रावत शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

एआरटीओ ने किया एटीएस सेंटर का किया औचक निरीक्षण

अवैध रूप से संचालित बुलेट की एजेंसी सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। एआरटीओ प्रशासन ने लक्सर एटीएस सैंटर का औचक निरीक्षण किया। जहां से वापिस लौटते समय लक्सर रूडकी रोड पर राजा भटटा के पास एक रोयल इंफिल्ड की टू व्हीलर एजेंसी अनाधिकृत रूप से संचालित होती पायी गयी जिसकी छानबीन के बाद एआरटीओ रोक्सी एल्विन ने एजेंसी को ताला लगाकर सीज कर दिया।

एआरटीओ रोक्सी एल्विन ने बताया कि वह एटीएस सैंटर के औचक निरीक्षण के लिए गये थे वहां से वापिस लौटते समय

उन्हें राजा भटटे के पास एक रोयल इन्फिल्ड की टू व्हीलर एजेंसी दिखाई दी वह पहुंची तो सैल्समैन आदित्य एजेंसी मे थे उनके द्वारा पूछा गया तो उक्त सैल्समैन ने एजेंसी खोलने की तिथि मार्च 2025 बताई चैक करने पर पता चला कि मार्च से 28 जुलाई तक 28 वाहनों का विक्रय बताया गया। एआरटीओ ने जब निरीक्षण में किसी प्रकार का ट्रेड वाहन पाया मौके पर एजेंसी में तीन वाहन पाये गये। खामिया मिलने पर एजेंसी अवेध रूप से संचालित पाये जाने के बाद अनाधिकृत रूप से संचालित करने पर उक्त एजेंसी को सीज कर दिया। इस दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सईद अहमद, संभागीय निरीक्षक अजय आर्य, प्रधान सहायक यशवीर बिष्ट, उप निरीक्षक रमेश चंद, परिवहन आरक्षी ओमकार व विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे। एजेंसी के साथ तीनों वाहन सीज कर दिये गये।

पुलिस की सतर्कता से बेगुनाह बचा, साजिशकर्ता सलाखों के पीछे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली गंगनहर पुलिस ने सतर्कता और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक बेगुनाह युवक को झूठे मुकदमे में फंसने से बचा लिया, वहीं झूठी कहानी रचकर उसे जेल भिजवाने की कोशिश करने वाले साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। जानकारी के अनुसार 27 जुलाई को कोतवाली गंगनहर में तीन व्यक्ति पहुंचे। नितिन शर्मा पुत्र राजीव शर्मा (निवासी: सेक्टर रोड गणेशपुर, नियर महाराजा गार्डन, उम्र: 42 वर्ष), निखिल शर्मा पुत्र नितिन शर्मा (उपरोक्त निवासी, उम्र: 19 वर्ष) ख्र जिसके हाथ में एक अवैध तमंचा था। एक किशोर युवक, जिसे यह दोनों पकड़कर थाने लेकर आए थे। निखिल शर्मा द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी में बताया गया कि यह किशोर युवक तेलीवाला अंडरपास के पास तमंचा लेकर घूम रहा था। उन्होंने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया। हालांकि, किशोर के बयान ने इस कहानी की सच्चाई से पर्दा उठा दिया। किशोर ने बताया कि वह रुड़की में बाल कटवाने आया था, तभी रास्ते में निखिल शर्मा ने उसे रोका, उसके साथ मारपीट की और अपने पास से तमंचा निकालकर धमकाया। किशोर के अनुसार, उसके सिर से खून भी निकला और बाद में निखिल ने जबरन उसे तमंचे के साथ पकड़वाने की योजना के तहत थाने ले आया। घटना संदिग्ध प्रतीत होने पर प्रभारी निरीक्षक आर.के. सकलानी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल तेजपाल सिंह व कांस्टेबल नितिन को जांच में लगाया। जांच में स्पष्ट हुआ कि तमंचा वास्तव में निखिल शर्मा के पास था और उसी ने किशोर को झूठे आरोप में फंसाने के इरादे से यह पूरी कहानी रची थी।

न्यायालय के आदेश पर एक दबोचा

लक्सर। पुलिस के द्वारा न्यायालय के आदेश पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है राजीव रौथाण कोत वाली प्रभारी लकसर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा मनानीय न्यायालय से प्राप्त आदेशिकाओं को शतप्रतिशत तामिल करने के लिए निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई न्यायालय से जरी आदेशों की तामिल के लिए गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबीर की सूचना पर छपेमारी करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया जिसका नाम अवनीश पुत्र आनंदपाल निवासी प्रतापपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया उसको पकड़ाने वाली पुलिस टीम में रायसी पुलिस चौकी प्रभारी नीरज रावत हेड कांस्टेबल प्रदीप कन्नौजिया कांस्टेबल अनिल वर्मा शामिल रहे।

रात में चोरी करने आए चोरों को ग्रामीणों ने खदेड़ा

रुड़की। रुड़की सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गांव बेलड़ा में बीती रात करीब 1:00 बजे चोरी की नीयत से दो युवक स्कूटी पर सवार होकर घुसे। गांव के ही इरशाद नामक युवक को जब चोरों के जूतों की आहट सुनाई दी, तो उसने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया और जोर-जोर से ष्चोर-चोरष चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर आसपास के अन्य ग्रामीण भी जाग गए और शोर मचाते हुए चोरों के पीछे दौड़ पड़े। भीड़ बढ़ती देख दोनों चोर मौके से भाग निकले और अपनी एक्टिवा स्कूटी वहीं छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना सिविल लाइन कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूटी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बताया गया कि स्कूटी पर हरियाणा नंबर की प्लेट लगी हुई थी और लॉक लगे होने के कारण पुलिसकर्मियों ने उसे ई-रिक्शा के जरिए थाने पहुंचाया। पुलिस अब स्कूटी की नंबर प्लेट के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है।

मनोज बने ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज के प्रदेश अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। ऑल इंडिया स्वर्णकार एसोसिएशन की विशेष प्रादेशिक प्रवास एवं जिला स्तरीय बैठक में वक्ताओं ने समाज को संगठित होने पर बल दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तराखंड प्रदेश एवं जिलों के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिए।

देहरादून रोड स्थित एक होटल में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा ने कहा संगठन की मजबूती उसके सदस्य होते हैं और संगठित रहने से समाज की अलग मजबूती और पहचान बनी रहती है इसके साथ ही सुख दुख में भी समाज साथ खड़ा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी समाज के लोगों को बढ़चढकर भागीदारी करनी चाहिए जिसके लिए समाज के लोगों का संगठित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार से उनकी तीन मांगे हैं जिसमें लूट,डकैती की बढ़ रही घटनाओं को देखते हुए स्वर्णकारों को शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाएं। उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड में स्वर्णकार आयोग का गठन किया जाए। इसके साथ ही स्वर्णकार समाज को आरक्षण दिया जाए। कार्यक्रम में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मनोज वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज के सोए हुए लोगों को जगाने का काम किया जायेगा समाज को संगठित करने के लिए डोर टू डोर जाकर लोगों को जोड़ा जाएगा। समाज के लोगों की एक पत्रिका बनाई जाएगी ताकि समाज के लोग एक दूसरे से जुड़े रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आरएल वर्मा,रामकुमार, कंवरपाल वर्मा,आनंद वर्मा,पृथ्वीपाल सिंह, अवनीश, नरेश वर्मा,पृथ्वी राज वर्मा,देवेंद्र वर्मा,विनोद सोनी,संजय वर्मा,प्रदीप वर्मा, रिशु वर्मा आदि मौजूद रहे। **इन्हें मिली जिम्मेदारी..**राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा ने पदों की घोषणा करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिए। जिसमें राष्ट्रीय प्रवक्ता घनश्याम बादल,प्रदेश प्रभारी उत्तराखंड धनंजय वर्मा,विकास कुमार वर्मा प्रदेश प्रभारी उत्तराखंड,प्रदेश सह प्रभारी चंद्र प्रकाश बाटा,संजीव वर्मा कानूनी सलाहकार,अशोक वर्मा जिलाध्यक्ष रुड़की,बसंत वर्मा जिलाध्यक्ष हरिद्वार जिला प्रभारी हरिद्वार वेदप्रकाश वर्मा और सागर वर्मा,मुकेश वर्मा जिला संरक्षक हरिद्वार,जिला कोषाध्यक्ष अमित वर्मा,मोहित सोनी जिला कार्यकारिणी सदस्य,राजीव वर्मा सदस्य,विनोद वर्मा राजेंद्र करवाल को वरिष्ठ मंत्री नियुक्त किया गया।

दरगाह में रंग-रोगन व साफ सफाई का काम हुआ शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। विश्वप्रसिद्ध दरगाह पिरान कलियर साबिर पाक के सालाना उर्स के मद्देनजर में 24 सितंबर को रबीउल अव्वल का चाँद दिखाई देने पर परचम कुशाई व मेहंदी डोरी की रस्म अदायेगी के साथ साबिर पाक के 757 वें सालाना उर्स का आगाज हो जायेगा उर्स के मद्देनजर दरगाह परिसर में तैयारियों शुरू करदी गई हैं दरगाह साबिर पाक के सज्जादा परिवार से शाह यावर ऐजाज व नौमान साबरी ने दरगाह शरीफ महफिल खाने में लगे कीमती झूमर झाड़ फांनुस की सफाई का कार्य शुरू कर दिया है। जबकि साबिर पाक में अटूट आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं ने साबिर पाक के रोजा ए मुबारक व दरगाह परिसर में अपने खर्च पर रंग रोगन का कार्य शुरू कर दिया है सज्जादा परिवार से शाह यावर ने बताया कि दरगाह कार्यालय से अनुमति लेकर वह स्वंय रोजा ए मुबारक पर रंग रोगन का कार्य करा रहे हैं जबकि पंजाब के जायरीन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपने खर्च पर दरगाह परिसर में स्तिथ मस्जिद महफिल खाना सीदरी दरगाह शरीफ के अंगरूनी व बाहरी सभी मुख्य द्वारों पर पंजाब के पटियाला निवासी मैसी शाह बाबा अपने खर्च पर रंग रोगन का कार्य करा रहे हैं।

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा बड़ा पुत्र आकाश कुमार का आचरण मेरे व मेरे परिवार के प्रति ठीक नहीं होने के कारण मैंने आकाश कुमार को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद आकाश के किसी भी लेनदेन व अनैतिक कार्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। **नीटू पुत्र अमरपाल नि. ग्राम रसुलपुर उर्फ कंकर खाता थाना व तहसील लक्सर हरिद्वार।**

लक्सर गन्ना समिति बोर्ड की पहली बैठक में पांच प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर गन्ना समिति के नवगठित बोर्ड की पहली बैठक आज संपन्न हुई, जिसमें किसानों के हित में पांच महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, अनुराग चौधरी, ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि यह बोर्ड की पहली बैठक थी जिसमें सभी प्रस्तावों पर सहमति बनी। उन्होंने विशेष रूप से किसानों की सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया। चौधरी ने कहा कि गन्ना समिति परिसर में किसानों के बैठने के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी, ताकि उन्हें इंतजार के दौरान परेशानी न हो। इसके साथ ही, समिति के पास बने गोदामों का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता बढ़े और किसानों को बेहतर सुविधाएँ मिलें।अध्यक्ष चौधरी ने यह भी बताया कि बैठक में सभी डायरेक्टर्स मौजूद थे और सभी ने किसानों के कल्याण को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने दोहराया कि समिति द्वारा किए जाने वाले सभी कार्य किसानों के हित को ध्यान में रखकर ही किए जाएंगे।

गन्ना सचिव, सूरजभान सिंह, ने भी इस अवसर पर बताया कि नवनिर्वाचित बोर्ड की यह पहली बैठक थी और सभी पांच प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया है। उन्होंने अध्यक्ष और सभी

डायरेक्टर्स द्वारा किसानों के हित में काम करने के आश्वासन का स्वागत किया। सिंह ने कहा कि यदि किसान खुश और संतुष्ट होंगे, तो यह समिति के लिए भी बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह समिति विशेष रूप से किसानों के लिए ही बनाई गई है और उनके हितों की रक्षा करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

जीआईसी लाठर देवा में एनसीसी भर्ती संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हूण नारसन के प्रांगण में 84 बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल आर रमेश के निर्देशन में एक दिवसीय एनसीसी भर्ती संपन्न हुई।

जानकारी के अनुसार पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हूण नारसन में इस एक दिवसीय एनसीसी भर्ती में सूबेदार पंकज पाल, हवलदार जगत सिंह, हवलदार सुबोध कुमार, दिनेश सिंह एवं आलोक द्विवेदी ने अहम भूमिका निभाई। एनसीसी भर्ती प्रक्रिया के दौरान विद्यालय के एनसीसी अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि इस भर्ती के दौरान विद्यालय के लगभग डेढ़ सौ छात्र-छात्राओं ने पसीना बहाया। अंत में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हूण नारसन हरिद्वार के प्रधानाचार्य चंद्रपाल ने सहयोगी एवं प्रतिभागीयो का आभार प्रकट किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 29 जुलाई 2025

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

सप्ताहभर गतिरोध के बाद आखिरकार सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा हुई। चर्चा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जहां सरकार की तरफ से मोर्चा संभाला, तो वहीं विपक्ष की तरफ से कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने विशेष रूप से मोर्चा संभाला। चर्चा में भाग लेते हुए रक्षा मंत्री ने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर किसी के दबाव में नहीं रोका गया। जबकि विपक्ष इस तरह का आरोप लगाता रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को किसी के दबाव में रोका गया है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया है कि हमने सभी ऑपरेशन के लक्ष्य तय समय में हासिल किए और यह सारी प्रक्रिया आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति का हिस्सा है और हम इससे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मतलब साफ है कि अगर भविष्य में इस तरह के हालात पैदा होते हैं, तो भारत इस तरह की कार्रवाई करने में हिचकिचाएगा नहीं। रक्षा मंत्री ने यह भी साफ किया है कि भारत का इरादा कोई युद्ध लड़ने का नहीं था, बल्कि आर्तकियों के ढांचे को नेस्तनाबूद करना था, जिसको हमारी सेना ने 22 मिनट में हासिल कर लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युद्ध रो. कने को लेकर कहा कि पाक की तरफ से सैन्य अभियान महा. निदेशक के स्तर पर संपर्क का आग्रह किया गया था। जिसमें कार्रवाई रोकने की बात कही गई थी। भारत ने यह पेशकश इस शर्त के साथ स्वीकार कर ली थी कि यह अभियान सिर्फ रोका जा रहा है और भविष्य में कोई दुस्साहस हुआ तो अभियान फिर प्रारंभ होगा।

उन्होंने विपक्ष की इस बात को लेकर भी आलोचना की कि वह गैर जिम्मेदाराना सवाल उठाता रहा है, जिसमें भारत के कितने विमान गिरे यह सवाल भी है। इस पर राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सवाल राष्ट्रीय भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। जब लक्ष्य बड़े हों, तो छोटे मुद्दे पर सवाल नहीं किए जाते। विदेश मंत्री जयशंकर ने भी ऑपरेशन सिंदूर चर्चा पर हिस्सा लेते हुए कहा कि भारत और पाक के बीच किसी ने मध्यस्थता नहीं की। जाहिर है, ऐसा कहकर वह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को ही आयना दिखा रहे थे, जो बार-बार युद्ध रोकने का श्रेय लेने की कोशिश करते रहे हैं। जयशंकर ने यह भी बताया कि पहलगाम आतंकी घटना के बाद किस तरह के कदम पाक के विरुद्ध उठाए गए। विपक्ष की तरफ से गौरव गोगोई ने चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर कई सवाल दागे। पहला सवाल तो उनका यही था कि आखिर आतंकवादी भारत की धरती पर कैसे आए और वह एक घंटा तक घटना स्थल पर कैसे रहे। फिर वह कहां गायब हो गए। सौ दिन गुजर जाने के बाद भी आज तक उनके बारे में सरकार के पास कोई जानकारी नहीं है। न ही उनकी जानकारी सरकार के पास है जिन्होंने आतंकवादियों की मदद की। सवाल माकूल भी है, जब तक आतंकवादी पकड़े नहीं जाते, तब तक भ्रम की स्थिति बनी ही रहेगी। साथ ही गोगोई का यह भी कहना था कि सरकार को बताना चाहिए कि जब पाकिस्तान घुटनों पर आ गया तो उसके साथ क्या डील हुई, उन्होंने तो यह भी पूछा कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी जिससे युद्ध को रोका गया।

परीक्षा में रिजल्ट की अहमियत होती है

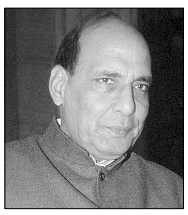

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारा, सेना ने आतंकियों से हमारी माताओं-बहनों के सिंदूर का बदला लिया, हमारा मकसद आतंकी ठिकाने तबाह करना था और सेनाओं ने अपना लक्ष्य हासिल किया, हमने किसी के दबाव में पाकिस्तान से सीजफायर नहीं किया, विपक्ष पूछ रहा है कि युद्ध में हमारे कितने फाइटर जेट गिरे, उन्होंने यह नहीं पूछा कि हमारे सशस्त्र बलों ने दुश्मनों के कितने जेट गिराए, परीक्षा में रिजल्ट की अहमियत होती है, कितनी पेंसिल टूटी या पेन गुमे, यह पूछना बेईमानी है, ऑपरेशन सिंदूर के सभी लक्ष्य तय समय में हासिल कर लिए गए थे।

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

संवादहीन संसद में सहमा लोकतंत्र और सत्ता का एकालाप

वीरेश तरार

बहस करने की बजाय, संसद को कुशलता से चलाने की बजाय, सांसदों को निष्कासित कर देना संसदीय गरिमा का अपमान है। यह परंपरा नहीं, अराजकता है और तो और, एक ऐतिहासिक विस्मृति के रूप में यह घटना भी दर्ज हुई कि भारत के उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति भी होते हैं, उनके खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाने की घोषणा की। यह इस बात का संकेत है कि संसद के उच्च सदन में भी अब असहमति के लिए कोई सम्मान नहीं बचा।

भारत का लोकतंत्र बहुमत से नहीं, संवाद से चलता है। संसद केवल बहुमत की गिनती का मंच नहीं, बल्कि विचारों की परख, नीतियों की बहस और जनमत की अभिव्यक्ति का पवित्र स्थल है, किन्तु दुर्भाग्यवश, बीते कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि बहुमत के अहंकार ने संवाद की संस्कृति को हाशिए पर डाल दिया है। न सत्तापक्ष सुनना चाहता है, न विपक्ष को बोलने दिया जाता है। संसद की कार्यवाही सुचारू नहीं, बल्कि रणनीतिक बन गई है, जहां विपक्ष की हर आलोचना देशद्रोह का पर्याय बना दी जाती है, और बहुमत का हर निर्णय अंतिम सत्य मान लिया जाता है। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने संसद को एक ऐसा मंच माना जहां उन्हें आलोचना सुननी हो, तो वे पूरे धैर्य से सुनें। प्रत्यक्षम् किम् प्रमाणम् , प्रचंड बहुमत होते हुए भी विपरीत विचारधारा और मुखर वक्तव्य शैली के साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उन्होंने ना केवल अपने मंत्रीमंडल में शामिल किया वरन् उनकी कही बातों का संज्ञान भी लिया। एक बार जब राममनोहर लोहिया ने बेहद तीखी भाषा में सरकार की नीतियों की आलोचना की, तो नेहरू ने उन्हें बोलने से नहीं रोका, बल्कि कहा कि आलोचना लोकतंत्र का प्राण है। अगर मैं आलोचना नहीं सुन सकता, तो मुझे यहां नहीं होना चाहिए। यह कथन न केवल उनकी राजनीतिक परिपक्वता दर्शाता है, बल्कि उस समय की लोकतांत्रिक संस्कृति से हमारा परिचय भी कराता है, लेकिन वर्तमान समय में संसद में जो दृश्य देखने को मिलते हैं, वे लोकतंत्र के लिए चिंता का कारण बनते जा रहे हैं। जिस संसद को सरकार और विपक्ष मिलकर चलाते हैं, वह अब टकराव का अखाड़ा बनती जा रही है।

सत्तापक्ष संवाद की बजाए, संख्याबल पर निर्भर हो गया है और विपक्ष अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने को विवश है। इस प्रक्रिया में सबसे अधिक नुकसान उस लोकतंत्र को हो रहा है जिसे जनता ने अपने मत से चुना था। इसी संदर्भ में तीन कृषि कानूनों का प्रसंग हमारे सामने एक जीवंत उदाहरण के रूप में खड़ा है। बिना पर्याप्त बहस, बिना किसी संसदीय समिति में भेजे और बिना विपक्ष की सहमति या जन-संवाद के, तीन महत्वपूर्ण कानून संसद में पारित कर दिए गए। जिनका सीधा असर देश के लगभग पचास प्रतिशत किसानों पर पड़ना था, उनकी आवाज तक को न सुना गया। न कोई संसद में विस्तृत बहस हुई, न किसानों के संगठनों को विश्वास में लिया गया। परिणाम यह हुआ कि देश के किसान एक वर्ष से अधिक समय तक सड़कों पर रहे, सैकड़ों जानें गईं, और अंतत: सरकार को कानून वापस लेने पड़े। यह केवल नीति की हार नहीं थी, यह संवादहीन शासन के पतन का प्रतीक था। इसी दौर में संसद के अंदर और बाहर कई ऐसी घटनाएं हुईं जिन्होंने लोकतंत्र की नींव को झकझोर दिया। कई बार विपक्ष के सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया। केवल इसलिए कि उन्होंने अपनी बात रखने की कोशिश की।

बहस करने की बजाय, संसद को कुशलता से चलाने की बजाय, सांसदों को निष्कासित कर देना संसदीय गरिमा का अपमान है। यह परंपरा नहीं, अराजकता है और तो और, एक ऐतिहासिक विस्मृति के रूप में यह घटना भी दर्ज हुई कि भारत के उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति भी होते हैं, उनके खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाने की घोषणा की। यह इस बात का संकेत है कि संसद के उच्च सदन में भी अब असहमति के लिए कोई सम्मान नहीं बचा। यह लोकतंत्र की सेहत के लिए खतरनाक संकेत है। संसद के इतिहास में ऐसा भी समय रहा है जब इंदिरा गांधी की सरकार ने आपातकाल लागू कर देश की संवैधानिक संस्थाओं को लगभग ठप कर दिया। संविधान संशोधन के माध्यम से ऐसा बदलाव लाया गया जिसने संविधान की आत्मा को ही झकझोर दिया। उस समय भी संसद को महज एक औपचारिक मुहर बना दिया गया। लेकिन जनता ने इसका जवाब दिया और आपातकाल के बाद के चुनावों में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई।

उसी प्रकार जब अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने विपक्ष को हमेशा सुना। बहुमत न होने के बावजूद, उन्होंने संवाद को कभी छोड़ा नहीं। विपक्ष के संशोधन प्रस्तावों को गंभीरता से लिया गया, नीतियों में समावेश किया गया। मनमोहन सिंह, सोमनाथ चटर्जी जैसे विपक्षी नेताओं की बातें ध्यान से सुनी जाती थीं। संसद में बहस होती थी, तीखी आलोचना होती थी, पर लो. कतंत्र चलता था। संसद, संसद की तरह चलती थी। आज उस परंपरा का पतन हो रहा है। संसद का मानसून सत्र कई बार बिना किसी कार्यवाही के समाप्त हो जाता है क्योंकि विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता या विपक्ष केवल वाकआउट तक सीमित रह जाता है। विधेयक बिना चर्चा पारित हो जाते हैं। संसदीय समितियों का महत्व कम हो गया है। विधाई प्रक्रिया में जनता की भागीदारी लगभग समाप्त हो चुकी है। आज जरूरत है उस संस्कृति की पुन: स्थापना की, जहां बहस हो, असहमति हो, संवाद हो, संशोधन हो, और सबसे जरूरी सहमति हो। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, वह सत्ता चलाने की जिम्मेदारी है कृ सबको साथ लेकर, सबकी सुनकर। संसद में बहुमत का अर्थ केवल विधेयक पारित कराना नहीं, बल्कि सहमति बनाना होना चाहिए। यदि संसद में संवाद खत्म हो गया, तो लोकतंत्र केवल एक ढांचा बनकर रह जाएगा कृ जिसमें आत्मा नहीं होगी। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, वैकल्पिक सोच प्रस्तुत करना है। और सत्ता का धर्म है, उस विरोध को सुनना। एक स्वस्थ संसद वही है, जिसमें बहस होती हो, न की जिसमें बहुमत का शोर सुनाई दे।

आज के समय में जब राजनीति संवाद से अधिक प्रचार की ओर बढ़ रही है, तब यह लेख एक स्मरण है कि भारत का लोकतंत्र बहस, संशोधन और सहमति से चलता है। संसद केवल बहुमत की गिनती का नाम नहीं, बल्कि देश की आत्मा की अभिव्यक्ति है। और यदि वह आत्मा मौन हो गई, तो लोकतंत्र केवल दिखावा बन जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

समय के साथ अंतरिक्ष में भारत का बढ़ता कद

इसकी शुरुआत बमुश्किल दिखाई दे रही एक दरार से हुई जो फाल्कन-9 बूस्टर की प्रेशर फीडलाइन के वेल्ड जॉइंट में छिपी हुई थी। यह अंतरिक्ष उड़ान की विशाल मशीनरी में संभवत: एक छोटी सी खामी रही होगी, लेकिन भारत के लिए, यह निर्णायक घड़ी थी। इसरो के हमारे सचेत और अटल वैज्ञानिकों ने जवाब मांगा। उन्होंने कामचलाऊ उपायों की बजाए, मरम्मत पर जोर दिया और ऐसा करके, उन्होंने न सिर्फ एक मिशन की रक्षा की बल्कि एक सपने की भी हिफाजत की। उस सपने ने 25 जून, 2025 को उड़ान भरी, जब भारतीय वायु सेना के अधिकारी और इसरो-प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम-4 मिशन के जरिए कक्षा में पहुंचे। एक दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़कर, वह कृन सिर्फ अंतरिक्ष में, बल्कि मानव-केंद्रित विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के भविष्य में भी भारत की अगली बड़ी छलांग का चेहरा बन गए।

यह कोई रस्मी यात्रा नहीं थी। यह एक वैज्ञानिक धर्मयुद्ध था। शुक्ला अपने साथ सात माइक्रोग्रैविटी प्रयोग लेकर गए थे। इनमें से प्रत्येक प्रयोग को भारतीय शोधकर्ताओं ने उन सवालों के उत्तर जानने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया था, जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के लिए, बल्कि हमारे समूचे देश के किसानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। अंतरिक्ष में मेथी और मूंग के बीजों के अंकुरित होने के बारे में विचार कीजिए। यह सुनने में सरल, लगभग काव्यात्मक प्रतीत होता है। लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। अंतरिक्ष यान के सीमित क्षेत्र में, जहां पोषण का प्रत्येक ग्राम मायने रखता है, वहां यह समझना कि माइक्रोग्रैविटी में भारतीय फसलें कैसे व्यवहार करती हैं, लंबी अवधि के मिशनों के लिए चालक दल के आहार को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पृथ्वी पर, विशेष रूप से मृदा क्षरण और जल की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में, ऊर्ध्वाधर खेती और हाइड्रोपोनिक्स में नवाचारों को प्रेरित कर सकता है।

इसके अलावा भारतीय टार्डिग्रेड्स का अध्ययनकृइन सूक्ष्म जीवों को इनकी मजबूती के लिए जाना जाता है। सुप्तावस्था से जागे इन सूक्ष्म जीवों का अंतरिक्ष में जीवित रहने, प्रजनन और जेनेटिक एक्सप्रेशन की दृष्टि से अवलोकन गया। उनका व्यवहार जैविक सहनशक्ति के रहस्यों को उजागर कर सकता है, जो टीके के विकास से लेकर जलवायु-प्रतिरोधी कृषि तक, हर चीज में सहायक हो सकता है। शुक्ला ने मायोजेनेसिस प्रयोग भी किया। इस प्रयोग में इस बात की पड़ताल की गई कि मानव मांसपेशी कोशिकाएं अंतरिक्ष की परिस्थितियों और पोषक तत्वों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। यह निष्कर्ष मांसपेशीय क्षय के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, जिससे न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को, बल्कि वृद्ध रोगियों और आघात या ट्रामा से उबर रहे लोगों को भी लाभ होगा। अन्य जारी प्रयोगों में सायनोबैक्टीरिया की वृद्धि ये ऐसे जीव हैं, जो संभवत: किसी दिन अंतरिक्ष में जीवन-रक्षक प्रणालियों की सहायता कर सकते हैं तथा चावल, लोबिया, तिल, बैंगन और टमाटर जैसे भारतीय फसलों के बीजों का माइक्रोग्रैविटी के संपर्क में आना शामिल है। इन बीजों को पीढ़ी दर पीढ़ी उगाया जाएगा ताकि वंशानुगत परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सके, जिससे संभावित रूप से चरम वातावरण के अनुकूल नई फसल किस्में विकसित हो सकें।

यहां तक कि मानव-मशीन संपर्क को भी परखा गया। शुक्ला ने यह समझने के लिए वेब-आधारित आकलन किया कि इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के साथ बातचीत करने की हमारी क्षमता को माइक्रोग्रैविटी किस प्रकार प्रभावित करती है -जो भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और अंतरिक्ष यान के लिए सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस डिजाइन करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है। यह कोई अमूर्त प्रयास नहीं हैं। यह समाज के लिए विज्ञान के भारतीय लोकाचार में गहराई से निहित हैं। एक्सिओम-4 का हर प्रयोग पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता हैकृचाहे वह ओडिशा का कोई जनजातीय किसान हो, शिलांग का कोई स्कूली बच्चा हो, या लद्दाख का कोई फ्रंटलाइन डॉक्टर हो।

इस मिशन ने वैश्विक अंतरिक्ष कूटनीति में भारत के बढ़ते कद को भी दर्शाया। सुरक्षा प्रोटोकॉल पर हमारे द्वारा जोर दिए जाने ने स्पेसएक्स को एक संभावित विनाशकारी खामी की पहचान करने और उसे ठीक करने में मदद की। नासा, ईएसए और एक्सिओम स्पेस के साथ हमारा सहयोग समान साझेदारी के एक नए युग को दर्शाता है, जहां भारत केवल भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि नेतृत्व भी कर रहा है। पूरे मिशन के दौरान, इसरो के फ्लाइट सर्जनों ने शुक्ला के स्वास्थ्य पर नजर रखते हुए उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखा। वे पूरे जोश में रहे और लखनऊ से लेकर त्रिवेंद्रम, बैंगलोर से लेकर शिलांग तक, पूरे भारत के छात्रों से बातचीत करते रहे और युवा मन में विज्ञान और अंतरिक्ष की संभावनाओं के प्रति उत्साह जगाते रहे। शुक्ला अब लौट आए हैं और वह अपने साथ प्रचुर मात्रा में डेटा, नमूने लाए हैं और उनके द्वारा लाई गई अंतर्दृष्टि भारत के आगामी गगनयान मिशन और भारत अंतरिक्ष स्टेशन को शक्ति प्रदान करेगी।

-डा. जितेंद्र सिंह

(लेखक केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री हैं)

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

तनवीर जाफरी

इस्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्राईल को दिया जाने वाला अमे. रिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही,बर्बादी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्राईल ही है।

7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्राइल पर हमास द्वारा हमले किए गए और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है।

खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलाएं भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसरा. इली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गए। कई बार इस्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिए बुलाया गया, बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतर्राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्राईल को जिम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है।

आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चौरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहां तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिए जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्राईली सेना के जुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बर्बादी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे?

इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं। एक ओर तो इस्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है, को सीरिया में बशर अल असद का तख्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिस पर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था, क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम HTS नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने HTS को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन HTS को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है। गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो?

बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहम ो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्राईल को सबक सिखाया जाए और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाए। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरुआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था और अब केवल दो महीने बचे हैं यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गई है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी अलग राय होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

गाजा में भुखमरी भयावह: डोनाल्ड ट्रम्प का इजरायल को कड़ा संदेश, 'तुरंत फैसला लो'

इजरायल का बड़ा हमला, 34 की मौत, मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल, कई घायल

गाजा में इजरायल ने पहली बार मदद पहुंचाई, आटा चीनी व रेडीमेड फूड के पैकेट गिराए

गाजा/एडिनबरा/तेल अवीव। इजरायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के चलते गाजा में दिन-प्रतिदिन संकट और गहराता जा रहा है। उधर, इजरायल के हमले कम होने के नाम नहीं ले रहे है। ताजा घटनाक्रम की बात करें तो इजरायल ने सोमवार को गाजा में जोरदार हमला किया। इस हमले में कम से कम 34 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

यह हमला उस समय हुआ जब इजरायल ने एक दिन पहले ही कुछ इलाकों में हर दिन 10 घंटे के लिए सैन्य कार्रवाई रो. कने की घोषणा की थी ताकि मानवीय मदद बेहतर ढंग से पहुंच सके। इजरायली सेना ने बताया था कि गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी इलाके में हर दिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी। इसका मकसद था भूख से जूझ रहे लोगों तक सुरक्षित रास्तों से राहत सामग्री पहुंचाना। हालांकि इजरायल ने ये भी साफ कर दिया कि वह सैन्य अभियान पूरी तरह नहीं रोकेगा। सोमवार को जो हमले हुए, वे उसी 10 घंटे की राहत अवधि से बाहर किए गए। इस पर अभी तक इजरायली सेना की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गाजा की स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। वहीं मामले में केंद्रीय गाजा औदा अस्पताल ने कहा कि उन्हें सात लोगों के शव मिले, जो एक अमेरिकी-इजरायली मदद केंद्र के पास इजरायली गोलीबारी में मारे गए।

20 लोग घायल भी हुए हैं। मुवासी इलाके में एक घर पर हमले में गर्भवती महिला सहित 12 लोग मारे गए। डाक्टरों ने जटिल आपरेशन के बाद महिला के गर्भस्थ शिशु को बचा लिया। वहीं खान यूनिस शहर के जापानी मोहल्ले में दो-मंजिला मकान पर हुए हमले में 11 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। गाजा में भूख और कुपोषण की स्थिति दिन-ब-दिन खराब हो रही है। मामले में राहत एजेंसियों ने कहा है कि इजरायल की नई मदद नीति सही दिशा में कदम जरूर है, लेकिन अब भी यह पर्याप्त नहीं है। दुनिया भर में भूखे और कुपोषित बच्चों की तस्वीरों पर भारी नाराज़गी देखी जा रही है। गौरतलब है कि सात अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला कर 1200 लोगों की हत्या की थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। जवाब में इजरायल ने भारी सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसमें अब तक 59800 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। फलस्वरूप गाजा में भुखमरी का संकट और गहराता जा रहा है। इजरायल का कहना है कि हमास अब भी 50 बंधकों को पकड़े हुए है, जिनमें से आधे से ज्यादा मारे जा चुके हैं। वहीं इजरायल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। इजरायली सेना आईडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजरायल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाई जा सके। मार्च से मई तक इजरायल ने गाजा में बाहरी सहायता पर रोक लगा दी थी। अब इजरायल का कहना है कि वह यूएन की सहायता वितरण में रुकावट नहीं डाल रहा। गाजा में इजरायल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, जिनमें 16 बच्चे हैं। इसी बीच गाजा में जंग से फैली भुखमरी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहली बार बयान दिया है।

शिमला। बारिश के दौरान छाता लगाकर पैदल जाते यात्री।

अमेरिका और यूरोपीय संघ में हुआ व्यापार समझौता

लंदन। अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) में व्यापार को लेकर सहमति बन गई है। दोनों ने एक बैठक के बाद तय किया कि अमेरिका, ईयू के कई उत्पादों पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगा सकेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को हुई बैठक के बाद यह ऐलान किया। यह घोषणा स्कॉटलैंड में हुई बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता में की गई। दोनों नेताओं ने इस समझौते को 'व्यापार संतुलन' बहाल करने और अधिक न्यायसंगत कारोबार को बढ़ावा देने वाला बताया। ट्रंप ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि यह समझौता अमेरिकी कारों को यूरोपीय बाजार में दोबारा प्रवेश करने और ईयू में कृषि निर्यात को सरल बनाएगा। दवाईयां इस समझौते से बाहर हैं, जबकि ईयू से अमे. रिका को निर्यात होने वाले स्टील और एल्युमीनियम पर मौजूदा 50 प्रतिशत शुल्क लागू रहेंगे। विदित हो कि इससे पहले तक ईयू से अमेरिका को निर्यात होने वाली कारों पर पहले ढाई प्रतिशत टैक्स था जो अब बढ़कर 15 फीसदी हो जाएगा। यह समझौता अमे. रिका को ईयू उत्पादों पर व्यापक रूप से 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कहता है।

संक्षिप्त समाचार

बैंकाक में गोलीबारी में छह लोगों की मौत

बैंकाक। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में सोमवार को गोलीबारी की एक घटना में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया थाईराथ ने यह जानकारी दी है। गोलीबारी में जिन लोगों की मौत हुई उनमें चार लोग बाजार के सुरक्षाकर्मी थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमलावर ने बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में कुल छह लोग मारे गए, जिसमें हमलावर भी शामिल है।

ट्रक-बस की टक्कर में 16 लोगों की मौत, 51 घायल

कोटे डी आइवर। आइवरी कोस्ट में एक ट्रक और बस के बीच हुई टक्कर में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई जबकि 51 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी देश के परिवहन मंत्रालय ने सोमवार को दी। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह दुर्घटना एक सार्वजनिक परिवहन बस और एक ट्रक के बीच हुई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, 16 लोगों की मौत हो गई और 51 घायल हो गए।

जर्मनी में ट्रेन पटरी से उतरी, तीन की मौत, कई घायल

बर्लिन। दक्षिणी जर्मन राज्य बाडेन-वुर्टेमबर्ग में रविवार शाम एक ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी। यह दुर्घटना रीडलिंगन शहर के पास उस समय हुई जब ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। पुलिस के एक बयान के अनुसार, स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर एक कमांड सेंटर स्थापित किया है और बचाव कर्मियों को तैनात किया है।

इराक: बंदूकधारियों के हमले में दो लोगों की मौत

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में रविवार को कृषि मंत्रालय के कार्यालय पर सशस्त्र बंदूकधारियों के हमले में एक पुलिस जवान और एक नागरिक की मौत हो गई। इराकी गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि नवनियुक्त निदेशक की अध्यक्षता में प्रशासनिक बैठक के दौरान बंदूकधारियों के एक समूह ने कार्यालय को निशाना बनाकर गोलीबारी की। इस बीच गोलियों की आवाज सुनकर वहां पहुंचे अन्य पुलिसकर्मियों पर की गई गोलीबारी में एक जवान की मौत हो गई।

कंबोडिया ने की थाईलैंड के साथ युद्धविराम की घोषणा

अमेरिका और चीन ने मध्यस्थता की, जंग में अब तक 30 से ज्यादा मौतें

बैंकाक/नोम पेन्ह। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने थाईलैंड के साथ चल रहे सीमा विवाद में युद्धविराम की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए तत्काल लड़ाई रोकने की उम्मीद है।

चीन और अमेरिका ने इस सीजफायर में मध्यस्थता की है। दोनों देशों के बीच मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर आज शांति वार्ता हुई। इस बैठक में थाईलैंड की तरफ से कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया की तरफ से प्रधानमंत्री हुन मानेट ने हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने की दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते बीते दिनों में भारी गोलीबारी हुई है। इसमें 33 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में ज्यादातर आम नागरिक शामिल हैं। मलेशिया इस समय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन एएसईएएन की अध्यक्षता कर रहा है। उसने दोनों देशों को बातचीत की मेज पर बुलाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष को सुलझाना उनके लिए आसान काम है, क्योंकि उन्होंने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच का विवाद भी सुलझाया है।

हूतियों ने इजरायली जहाजों को निशाना बनाने की दी धमकी

सना। यमन के हूती सशस्त्र समूह ने रविवार देर रात चेतावनी दी है कि वह किसी भी गंतव्य की ओर जा रहे इज़राइल से जुड़े सभी विदेशी जहाजों को निशाना बनाना शुरू करेगा। समूह ने यह बयान गाजा के खिलाफ इज़राइल की 'नाकाबंदी के बाद वहां व्याप्त भुखमरी' का बदला लेने के लिए दिया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित बयान में कहा इस कार्रवाई में इज़राइली बंदरगाहों से जुड़े किसी भी कंपनी के सभी जहाजों को निशाना बनाना शामिल है फिर चाहे उनकी राष्ट्रीयता कुछ भी हो। वे जहां कहीं भी हमारी सेना की पहुंच में आए, हम उन्हें निशाना बनाएंगे।

भारतीय डॉक्टरों को यूनुस का सलाम

बांग्लादेश प्लेन क्रैश-तीन देशों की टीम से मिले

कहा: आप सिर्फ स्किल नहीं दिल भी साथ लाए
यूनुस से मिलने वाले डेलीगेशन में 21 डाक्टर व नर्स शामिल थे, इनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे हैं

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने भारत, चीन और सिंगापुर के डाक्टरों की टीमों से मुलाकात की। उन्होंने ढाका प्लेन क्रैश में घायल हुए लोगों की मदद के लिए डाक्टरों का धन्यवाद दिया।

यूनुस ने कहा कि ये टीमें सिर्फ अपनी स्किल्स नहीं, दिल भी साथ लेकर आई हैं। यह मुलाकात स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में हुई। यूनुस से मिलने वाले डेलीगेशन में 21 डाक्टर और नर्स शामिल थीं। ये टीम ढाका में प्लेन क्रैश के पीड़ितों का इलाज कर रही हैं। इनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे हैं। भारत ने हादसे के पीड़ितों की मदद के लिए डाक्टरों और नर्सों की एक विशेष मेडिकल टीम के साथ चिकित्सा उपकरणों की खेप भेजी है। राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए। इनमें से 78 की हालत गंभीर है। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआई था। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा-दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया। सोमवार को स्कूल के ऊपर वायुसेना का ट्रेनर विमान एफ-7बीजीआई गिर गया, जिसके बाद स्कूल परिसर में विमान का मलबा बिखर गया। हादसे में पायलट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की मौत हादसे में विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम मारे गए।

चीन में महिलाओं से संबंध रखने पर महंत बर्खास्त

शाओलिन मंदिर के प्रमुख पर कई बच्चे पैदा करने का आरोप, बौद्ध संघ ने मान्यता की रद्द

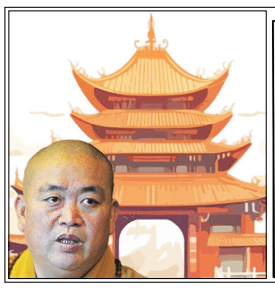

कई सरकारी एजेंसियां मिलकर इन आरोपों की जांच कर रही हैं
शी योंगक्सिन के कामों ने बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है: बौद्ध संघ

बीजिंग। चीन के मशहूर शाओलिन मंदिर के प्रमुख महंत शी योंगक्सिन को बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर मंदिर की संपत्ति और फंड के गबन, कई महिलाओं से अवैध संबंध रखने और नाजायज बच्चों के पिता होने जैसे संगीन आरोप लगे हैं।

चाइना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक कई सरकारी एजेंसियां मिलकर इन आरोपों की जांच कर रही हैं। इस बीच चीन के बौद्ध संघ ने सोमवार को उनका दीक्षा प्रमाणपत्र छीन लिया है। संघ ने अपने बयान में कहा कि शी योंगक्सिन के कामों ने बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। महंत की गतिविधियां बौद्ध धर्म के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन मानी जा रही हैं। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने कहा है कि जो भी जानकारी सामने आएगी, उसे समय-समय पर जनता के साथ साझा किया जाएगा। शाओलिन मंदिर सेंट्रल चाइना के हेनान प्रांत की पहाड़ियों में स्थित है। 1500 साल पुराना यह मंदिर सिर्फ धार्मिक कारणों से ही नहीं बल्कि अपनी मार्शल आर्ट परंपरा खासकर कुंग फू के लिए दुनियाभर में मशहूर है। हर साल देश-विदेश से लाखों लोग इस बौध धर्म के इस मंदिर को देखने आते हैं। शी योंगक्सिन 1999 से शाओलिन मंदिर के मठीधीश हैं। उन्होंने इस मंदिर को एक तरह से आधुनिक बिजनेस माडल में बदल दिया, जिसके चलते उन्हें 'सीईओ मोंक' कहा जाने लगा। उनके नेतृत्व में मंदिर ने विदेशों में स्कूल खोले और मोंक (भिक्षुओं) का एक ग्रुप बनाया जो दुनियाभर में शाओलिन कुंग फू शो करता है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब योंगक्सिन विवादों में आए हैं।

सबसे पहले साल 2006 में एक स्थानीय सरकार ने उन्हें लगभग 1 मिलियन युआन (करीब+125,000) मूल्य की एक वोक्सवैगन एसयूवी उपहार में दी थी। तब माना गया कि शी ने स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद की थी, जिससे खुश होकर सरकार ने उन्हें यह गिफ्ट किया है। हालांकि तब योंगक्सिन ने इसे एक गिफ्ट बताया और कहा कि उन्होंने कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं लिया गया।

जयशंकर ने द. कोरियाई विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय संबधों को मजबूत बनाने पर की चर्चा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के नवनियुक्त विदेश मंत्री चो ह्यून से सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान परस्पर संबंधों को मज़बूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। चो ह्यून को पिछले सप्ताह ही कोरिया का नया विद. श मंत्री नियुक्त किया गया था। डा. जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आज सुबह कोरिया गणराज्य के विदेश मंत्री चो ह्यून से बात करके अच्छा लगा। उनके सफल कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। हमारे द्विपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने पर चर्चा की। दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री के साथ पहली बार बातचीत की।

तुर्की ने अपने सबसे शक्तिशाली बम किए टेस्ट

GAZAP और NEB-2 घोस्ट बम 970 किलो वजनी, एफ-16 फाइटर जेट से गिराए जा सकते हैं

अंकारा। तुर्की ने अपने सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु बम जीएजेडएपी और एनईबी-2 घोस्ट का सफल परीक्षण किया है। तुर्की ने इस्तांबुल में आयोजित 17वें इंटरनेशनल डिफेंस इंडस्ट्री फेयर (आईडीईएफ) 2025 फेयर के दौरान 26-27 जुलाई को इस बम के टेस्ट का वीडियो जारी किया।

दोनों बम 970 किलोग्राम (लगभग 2,000 पाउंड) वजनी हैं। इसे तुर्की के रक्षा मंत्रालय के अनुसंधान और विकास (आर-डी) केंद्र ने डिजाइन किया है। जीएजेडएपी थर्मोबैरिक वारहेड से लैस है। ये बम एफ-16 फाइटर जेट से गिराए जा सकते हैं। फुटेज से पता चलता है कि यह बम सैकड़ों वर्ग मीटर के क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसमें 10 हजार विशेष कण हैं, जो विस्फोट के बाद 10.6 कण प्रति वर्ग मीटर की दर से फैलते हैं। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों बम के सभी परीक्षण पूरे हो चुके हैं और अब यह उपयोग के लिए तैयार है। तुर्की ने एनईबी-2 घोस्ट बम का परीक्षण किया है। ये जमीन के नीचे 295 फीट तक जाकर हमला करता है। तुर्की ने इंटरनेशनल डिफेंस इंडस्ट्री फेयर में बम के टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इसमें बम को सटीक निशाना लगाते देखा जा सकता है। बमों को बंकरों और मजबूत संरचनाओं को तबाह करने के लिए बनाया गया है।

सनी देओल ने दलाई लामा से की मुलाकात

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सनी देओल ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की है। सनी देओल ने लद्दाख की यात्रा के दौरान तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की है। सनी देओल ने कहा कि दलाई लामा की मौजूदगी, उनकी बुद्धिमानी और आशीर्वाद से मन को काफी सुकून और शांति महसूस हुई गई है। सनी ने दलाई लामा के साथ जो तस्वीर इंस्टाग्राम पर डाली है, उसमें वह उनके सामने आदर से झुकते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही दलाई लामा सनी के हाथों को बड़े प्यार से अपने माथे पर लगाते हुए दिख रहे हैं। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर दलाई लामा की फोटो शेयर करते हुए लिखा, यह एक सम्मान और आभार से भरा पल था। लद्दाख की शांत वादियों में यात्रा करते समय मेरी मुलाकात परम पूज्य दलाई लामा से हुई। उनकी मौजूदगी, समझदारी भरी बातें और आशीर्वाद से मन को सुकून और शांति मिली। इस पल को मै कभी नहीं भूल सकता।

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर...
www.shahtimesnews.com

प्रवेश सूचना-पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स
10th व 12th (OPEN Board) से करें (विषय-साइंस, आर्ट, कॉमर्स)
प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास और 10th फेल, 12th-10th पास और 12th फेल
Fresh, Part Admission & TOC Facility Available) (Exam-Oct/Nov 2025)
NIOS(शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology(एक्स-रे टैक.), CCH(एलोपैथिक), CAT(आयुर्वेदिक-पंचकर्मा टैक), CHD(होम्योपैथिक), ECCE(प्री-प्राईमरी शिक्षक हेतु), Diploma in Yoga & YTTR, CCA(कम्प्यूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.
Contact for UGC Approved University Courses:-
Dip. in CMS&ED, DPT, DMLT, OPTOMETRY, OPHTHALMIC, OT TECH MPHW, DENTAL TECH. & HYGIENE, RADIOLOGY & BACHELOR (IN All Paramedical), (M.SC, B.SC, B.COM, M.COM) BA/MA/PGD YOGA ETC...
:- प्रवेश हेतु सम्पर्क करें:-
श्री कृष्ण वोकेशनल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज
गांधी कॉलोनी, मेन पचैण्डा रोड, निकट गऊशाला, मु.नगर
M.: 8505978850, 9634519104